शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 206 | गुवाहाटी | शनिवार, 18 फरवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

जोरहाट में आग से 300 से अधिक दुकानें राख पेज 3
भारत ने चीन-पाकिस्तान सीमा के लिए लेफ्टिनेंट जनरल राशिम बाली... पेज 4
हमारी शुगर मिलें अब चीनी के साथ ग्रीन ईंधन बन रहीं श्रोत : योगी पेज 5
अजमेर में गैस टैंकर-टेलर में टक्कर, तीन लोग जिंदा जले पेज 8

बालविवाह के विरुद्ध सकारात्मक असर

कम उम्र में तय हुई शादियां रद्द : सीएम

गुवाहाटी। असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को दावा किया है कि राज्य में बाल विवाह के खिलाफ चल रही कार्रवाई का राज्य में काफी साकारात्मक असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि राज्य भर में बहुत से परिवार ने कम उम्र के लोगों की तय शादियों को चल रहे अभियान के कारण रद्द कर दिया। यह कार्रवाई 3 फरवरी को शुरू की गई थी और 15 फरवरी तक राज्य में 4,225 मामले दर्ज कर 3,031 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने ट्विटर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि असम के विभिन्न हिस्सों से रिपोर्ट आ रही है कि कई परिवारों ने इस तरह के अवैध प्रथाओं के खिलाफ हमारे अभियान के बाद कम उम्र के बच्चों की तय की गई शादी को रद्द कर दिया है। उन्होंने माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट पर कहा कि यह निश्चित रूप से बाल विवाह के खिलाफ हमारी दो सप्ताह की लंबी कार्रवाई का सकारात्मक प्रभाव है। विपक्षी दलों ने इस अभियान को राजनीतिक लाभ के लिए किशोर पतियों और परिवार के सदस्यों की गिरफ्तारी को कानून का दुरुपयोग करार दिया है। गौहाटी उच्च न्यायालय ने भी यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो) और बाल विवाह के आरोपियों पर दुष्कर्म के आरोपों जैसे कड़े कानूनों को लागू करने के लिए राज्य सरकार को फटकार लगाई थी। यह देखते हुए कि कार्रवाई में बड़ी संख्या में लोगों को गिरफ्तार करने से लोगों के निजी जीवन में तबाही मची है। न्यायमूर्ति सुमन श्याम ने 14 फरवरी को कहा था कि ऐसे मामलों में आरोपियों से हिरासत में पूछताछ की कोई आवश्यकता नहीं है। प्रभावित महिलाओं और उनके बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने में विफल रहने के कारण सरकार ने 9 फरवरी को पीड़ितों के पुनर्वास के लिए एक कैबिनेट उप-समिति का गठन किया था। प्रजनन और बाल स्वास्थ्य (आरसीएच) पोर्टल के अनुसार, सीएम शर्मा ने उपायों को सही

-शेष पृष्ठ दो पर

एपीपीएससी पेपर लीक मामला : इटानगर में भारी विरोध-प्रदर्शन, धारा 144 लागू

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के पेपर लीक मामले को लेकर राज्य में काफी हंगामा मचा हुआ है। इसी बीच, ईटानगर में विरोध प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा कर्मियों और प्रदर्शनकारियों के बीच भिंडत हो गई। पुलिस ने जानकारी दी कि मामला इतना गंभीर हो गया था कि सुरक्षा कर्मियों को प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागने पड़े और साथ ही लाठीचार्ज करना पड़ा। फिलहाल, हालात पर काबू पा लिया गया है। पेपर लीक को लेकर राज्य के छात्रों में काफी आक्रोश है। शुक्रवार की शाम नए एपीपीएससी अध्यक्ष के निर्धारित शपथ ग्रहण को रद्द

-शेष पृष्ठ दो पर

सीबीआई को जांच का जिम्मा : खांडू

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के कथित प्रश्नपत्र लीक मामले में शुक्रवार को परीक्षार्थियों ने दिनभर प्रदर्शन किया। हजारों की संख्या में परीक्षार्थी और अभिभावक सड़क पर उतर आए। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने मांगों पर चर्चा के लिए शनिवार सुबह 11 बजे पैन अरुणाचल संयुक्त संचालन

-शेष पृष्ठ दो पर

हरविंदर सिंह संधू आतंकवादी घोषित

गृह मंत्रालय
MINISTRY OF HOME AFFAIRS

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में गृह मंत्रालय (एमएचए) ने शुक्रवार को एक और व्यक्ति हरविंदर सिंह संधू उर्फ रिंडा को आतंकवादी और अन्य दो संगठनों खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) और जम्मू-कश्मीर गजनवी फोर्स (जेकेजीएफ) को आतंकवादी संगठन घोषित किया है। संघू को बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़ा पाया गया है। वर्तमान में सीमा पर पाकिस्तान के लाहौर शहर में एजेंसियों के संरक्षण में हैं। संघू को कई आतंकवादी गतिविधियों विशेष रूप से पंजाब में शामिल पाया गया है। सभी को

-शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय में सरकार बदलें : अमित शाह

शिलांग। मेघालय की साठ सदस्यीय विधानसभा के लिए 27 फरवरी को मतदान होना है। इससे पहले सियासी दलों ने नेताओं एक-दूसरे पर हमले तेज हो गए हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को गारो हिल्स के डालु में मेघालय सरकार पर जमकर निशाना साधा। शाह ने कहा कि असम, केंद्र सरकार की सभी सुविधाओं का लाभ उठा रहा है। लेकिन, ये सुविधाएं सिर्फ असम के लिए ही नहीं, बल्कि मेघालय के लिए भी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मेघालय के मुख्यमंत्री यहां के लोगों को केंद्र की सुविधाओं का लाभ नहीं उठाने दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि यदि आप राज्य का विकास करना चाहते हैं और सभी सुविधाओं का लाभ उठाना चाहते हैं, तो यहां की सरकार को बदलें। भाजपा को वोट दें और उसके उम्मीदवार को जिताएं। केंद्र सरकार की ओर से सभी सुविधाएं सभी को दी जाएंगी। गृहमंत्री शाह ने कहा कि असम, त्रिपुरा, मणिपुर में लोगों को योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरी मिल रही है। लेकिन मेघालय में भ्रष्टाचार

-शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांञ्चल केশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

हिंडनबर्ग पर अपनी कमिटी बनाएगा सुप्रीम कोर्ट

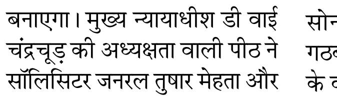

नई दिल्ली। अदाणी-हिंडनबर्ग विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अपना आदेश सुरक्षित रखा। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि वे केंद्र द्वारा सीलबंद कवर सुझाव को स्वीकार नहीं करेंगे, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट पूरी तरह पारदर्शिता बनाए रखना चाहता है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदाणी-हिंडनबर्ग मामले की जांच और शेयर बाजार के कामकाज में बेहतरी पर सुझाव देने के लिए एक कमिटी बनाएगा। सीजेआई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट सरकार या किसी याचिकाकर्ता की तरफ से सुझाए गए नामों पर विचार नहीं करेगा। वह अपनी तरफ से कमिटी बनाएगा। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और वकीलों प्रशांत भूषण और एम एल शर्मा सहित पीआईएल याचिकाकर्ताओं की दलीलें सुनने के बाद कहा कि हम इसे आदेशों के लिए बंद कर रहे हैं। पीठ ने निवेशकों को हुए नुकसान का जिक्र किया। पीठ ने कहा कि हम सीलबंद सुझावों

-शेष पृष्ठ दो पर

नगालैंड में शांति और प्रगति के लिए प्रतिबद्ध हैं भाजपा-एनडीपीपी : सोनोवाल

मोन (हि.स.)। नगालैंड की 60 सदस्यीय विधानसभा के लिए आगामी 27 फरवरी को होने जा रहे चुनाव के मद्देनजर सभी पार्टियां चुनाव प्रचार में जुटी हैं। इस कड़ी में केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने शुक्रवार को एनडीपीपी-भाजपा गठबंधन के पक्ष में मोन जिला और वोखा जिला के वोजुरो टाउन में दो चुनावी रैलियों को संबोधित किया। पूर्वोत्तर के वरिष्ठ भाजपा नेता सोनोवाल ने नगालैंड की शांति, प्रगति और समृद्धि को बनाए रखने की दिशा में भाजपा-एनडीपीपी की प्रतिबद्धता को दोहराया। रैलियों में सोनोवाल ने कहा कि हमारी कड़ी मेहनत और गतिशील प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अथक प्रयास के कारण नगालैंड और पूरे पूर्वोत्तर का समग्र विकास संभव हो पाया है। क्षेत्र में बहाल शांति और क्षेत्र में सतत विकास प्रधानमंत्री के पूर्वोत्तर को भारत के लिए विकास का नया इंजन बनाने के विजन का परिणाम है। उन्होंने दावा किया कि मोदी से पहले किसी भी प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर के विकास को इतना महत्व कभी नहीं दिया। उनके गतिशील नेतृत्व में, भाजपा-एनडीपीपी गठबंधन नगालैंड की शांति, प्रगति और समृद्धि की दिशा में काम करना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा-एनडीपीपी गठबंधन के लिए किया गया जनता वोट नगालैंड की शांति और प्रगति के लिए होगा। सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में भारत वैश्विक समुदाय में

-शेष पृष्ठ दो पर

JANAT PARTY
MON TOV
PROGRAMM
ONG KO
CANDIDATE
AMPAIGNE
Y. PATTON
&
NANDA SONOW
BJP

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

शिंदे गुट ही असली शिवसेना : चुनाव आयोग

मुंबई। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने शुक्रवार को घोषणा की कि पार्टी का नाम *शिवसेना* और प्रतीक *धनुष और तीर* एकनाथ शिंदे गुट के पास ही रहेगा। चुनाव आयोग के इस फैसले के बाद शिवसेना का नाम और पार्टी का निशान उद्धव ठाकरे से छिन गया है। चुनाव आयोग ने एकनाथ शिंदे गुट को पार्टी का नाम और शिवसेना का प्रतीक तीर कमान सौंप दिया। शिवसेना के दोनों गुट (एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे) पिछले साल ठाकरे के खिलाफ शिंदे (वर्तमान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री) के विद्रोह के बाद से पार्टी के धनुष और तीर के

-शेष पृष्ठ दो पर

बीबीसी के विरुद्ध आयकर विभाग को मिली कामयाबी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने बीबीसी इंडिया के संचालन से संबंधित कई सबूत जुटाए हैं। सबूत से पता चलता है कि बीबीसी ने कुछ प्रेषण पर करों का भुगतान नहीं किया गया था, जिसे भारत में आय के रूप में नहीं दिखाया गया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के प्रवक्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बता दें कि तीन दिनों के बाद, आयकर (आई-टी) विभाग ने गुरुवार को दिल्ली और मुंबई में बीबीसी के कार्यालयों में अपना सर्वेक्षण पूरा किया। प्रवक्ता ने कहा कि आयकर अधिनियम, 1961 (अधिनियम) की धारा 133ए के तहत सर्वेक्षण की कार्रवाई दिल्ली और मुंबई में प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मीडिया कंपनी के समूह संस्थाओं के व्यावसायिक परिसरों में की गई थी। बता दें कि अधिनियम की धारा 133ए एक आयकर प्राधिकरण को खाते या अन्य दस्तावेजों को सत्यापित करने के लिए अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर व्यवसाय या पेशे या धर्मार्थ गतिविधि के किसी भी स्थान में प्रवेश करने के लिए अधिकार देता है। बयान में कहा गया कि सर्वेक्षण से पता चला है कि

-शेष पृष्ठ दो पर

पलामू में भगवान शिव की बारात रद्द, 40 पर एफआईआर

नई दिल्ली। झारखंड में पलामू जिले के पांकी इलाके में महाशिवरात्रि से पहले प्रवेशद्वार (तोरणद्वार) बनाने को लेकर दो समुदाय में हुए हिंसक झड़प के बाद अब हालात सामान्य होने लगे हैं। इलाके में अभी भी धारा 144 लागू है। इस बीच, शुक्रवार को सीमित लोगों के साथ जुमे की नमाज हुई। वहीं, प्रशासन ने भगवान शिव की बारात रद्द कर दी है। शिवरात्री पर चार से पांच लोगों को ही पूजा करने की अनुमति दी गई है। उधर, मामले में अब तक 40 लोगों पर

-शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

अगर सफल और प्रतिष्ठित बनना है तो झुकना सीखो। क्योंकि जो झुकते नहीं, समय की हवा उन्हे झुका देती है।

ईश्वर चंद्र विद्यासागर

न्यूज गैलरी

धारा 370 पर जल्द सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने शुक्रवार को कहा कि वह धारा 370 के तहत जम्मू और कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं के बैच की जांच करेगी। एक संक्षिप्त उल्लेख के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता राजू रामचंद्रन ने कहा कि इस मामले को सुनने की जरूरत है। सीजेआई ने जवाब देते हुए कहा कि मैं इस पर फैसला लूंगा। इसी तरह का जिक्र

-शेष पृष्ठ दो पर

असम पहुंचा दुनिया का सबसे लंबा क्रूज गंगा विलास

धुबड़ी (हि.स.)। एमवी *गंगा विलास* भारत-बांग्लादेश सीमा होते हुए शुक्रवार को शाम 4 बजे धुबड़ी बंदरगाह पहुंच गया। पांडू बंदरगाह तक की यात्रा के दौरान सर्वेक्षण पोत एसएल सुबनसिरी द्वारा क्रूज पोत की निगरानी की जा रही है। केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग और आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने असम के धुबड़ी में गंगा विलास क्रूज जहाज के आगमन को पूर्वोत्तर भारत के परिवर्तन की दिशा में अंतर्देशीय जलमार्ग परिवहन में एक वाटरशेड पल बताया। मंत्री ने इस ऐतिहासिक क्षण पर असम और पूर्वोत्तर के लोगों को बधाई दी, जो नदी पर्यटन की विशाल संभावनाओं को खोलने के लिए तैयार है, जिससे ब्रह्मपुत्र के किनारे के लोगों के लिए विकास की अनुमति मिलती है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने कहा कि आज का दिन असम के लोगों और पूर्वोत्तर भारत के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। गंगा विलास से असम के व्यापार और वाणिज्य के बढ़ाने के प्रयास को बढ़ावा मिला है। हमारे पास विभाजन से पहले अंतर्देशीय जलमार्गों के माध्यम से फलते-फूलते व्यापार और वाणिज्य का इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि संभावनाओं को वास्तविकता में बदलते ही गंगा विलास की यात्रा ने संभावनाओं, अवसरों और वास्तविकताओं का एक नया द्वार खोल दिया है। परिवहन के माध्यम से परिवर्तन लाने के हमारे गतिशील

-शेष पृष्ठ दो पर

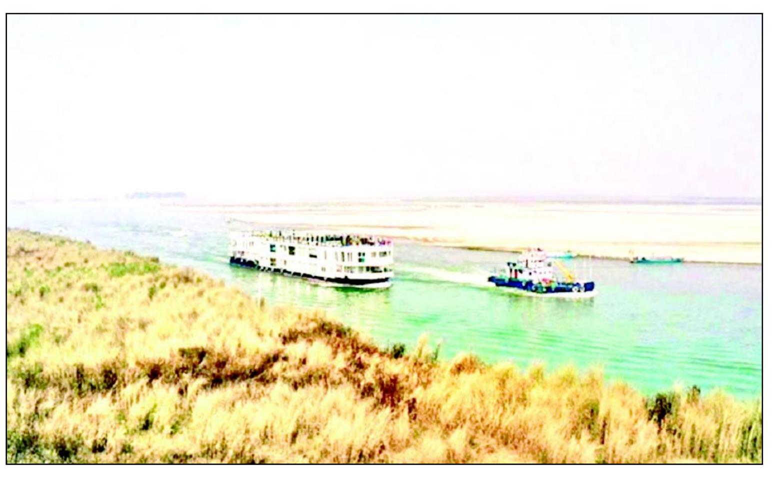

त्रिपुरा चुनाव : ब्रू जनजाति ने 26 वर्षों के बाद डाला वोट

अगरतला। मैं आपको बता नहीं सकता कि आज हमारी ब्रू जनजाति के लोग कितने खुश हैं। हम अपनी खुशी शब्दों में बयान नहीं कर सकते। अपने ही देश में पिछले करीब 26 वर्षों से एक शरणार्थी की तरह रहना पड़ा हम सबको। कितने ही कष्ट सहे, लेकिन हमने लगातार संघर्ष किया। अब हम लोग एक भारतीय के रूप में वोट दे सकेंगे। अब हम भी हर चुनाव में वोट दे सकेंगे। यह कहते हुए मिजोरम ब्रू डिस्प्लेस्ड पिपुल फोरम के महासचिव ब्रू नो मासा भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि इसके लिए हम राज्य और केंद्र सरकार का जितना

-शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सेलिब्रेटिंग नॉर्थ-ईस्ट का 16वां संस्करण धूमधाम से शुरू

गुवाहाटी। न्यू मोतीबाग क्लब, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में बहुप्रतीक्षित उत्सव सेलिब्रेटिंग नॉर्थ ईस्ट आज से शुरू हो गया। 19 फरवरी 2023 तक चलने वाला तीन दिवसीय उत्सव नॉर्थ ईस्ट, उत्तर पूर्व भारत के समृद्ध और जीवंत फैशन, कपड़ा, संगीत, नृत्य और संस्कृति को प्रदर्शित करेगा। एनईआईएफटी हर साल नई दिल्ली में सेलिब्रेटिंग नॉर्थ ईस्ट का आयोजन करता रहा है और राजधानी के सांस्कृतिक पारखी दिल्ली-एनसीआर में नॉर्थ ईस्ट की एक झलक पाने के लिए बेसब्री से इंतजार करते हैं। कोविड-19 के विद्रोह के दौरान भी, सरकार और शुभचिंतकों की सावधानीपूर्वक योजना और समर्थन के साथ और सभी प्रतिबंधों और प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, गुरुग्राम और चाणक्यपुरी में उत्सव आयोजित किया। फेस्टिवल को अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों तक ले जाने के लिए, पिछला संस्करण वाशिंगटन डी.सी., संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित किया गया था। सेलिब्रेटिंग नॉर्थ ईस्ट के आयोजक विक्रम राय मेधी ने कहा कि सेलिब्रेटिंग नॉर्थ ईस्ट दिल्ली में सबसे लंबे समय तक चलने वाला नॉर्थ ईस्ट इंडिया-सेंट्रिक फेस्टिवल है।

अमान्य शादी और दहेज प्रताड़ना केस पर सुप्रीम कोर्ट ने दिया बड़ा फैसला

जब शादी ही मान्य नहीं है तो किसी शख्स पर दहेज उत्पीड़न का केस नहीं चल सकता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर शादी अमान्य हो चुका हो तो फिर दहेज प्रताड़ना का केस नहीं टिक सकता। एक महत्वपूर्ण फैसले में शीर्ष अदालत ने कहा है कि अगर शादी ही अमान्य (यानी शादी हुआ माना ही नहीं गया हो) जो चुका हो तो आईपीसी की धारा-498 ए (दहेज प्रताड़ना) का केस नहीं चल सकता है। मौजूदा मामले में आरोपी को आईपीसी की धारा-498 ए के तहत दोषी करार दिया गया था। इसके बाद यह मामला शीर्ष अदालत में पहुंच गया। सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि दोनों पार्टी की शादी को अमान्य करार दिया जा चुका है। मद्रास हाई कोर्ट ने शादी को अमान्य करार दिए जाने पर मुहर लगा दी थी। ऐसे में दहेज प्रताड़ना का केस नहीं बनेगा। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट के पहले के फैसले के भी हवाला दिया गया। इसके बाद शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा कि इस बात में संदेह नहीं है कि दोनों पक्षकारों की शादी अमान्य करार दिया जा चुका है। ऐसे में दहेज प्रताड़ना का केस नहीं बनेगा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट शिवचरण लाल वर्मा से संबंधित मामले में भी यह व्यवस्था दे चुका है। सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश मामले में बताया गया कि दोनों पार्टी की शादी 4 दिसंबर 2003 को हुई थी। शादी के बाद ही पति-पत्नी में अनबन हो गई और दोनों ही अलग-अलग रहने लगे। पत्नी ने कन्याकुमारी में थाने में पति के खिलाफ केस दर्ज कराया। आईपीसी की धारा-498 ए यानी दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज किया गया साथ ही दहेज निरोधक कानून के तहत भी केस हुआ। ट्रायल कोर्ट ने सभी को दहेज प्रताड़ना और दहेज निरोधक कानून के तहत दर्ज केस में बरी कर दिया। इस मामले में हाईकोर्ट के सामने पत्नी और पुलिस ने अपील दाखिल की। हाईकोर्ट ने पति समेत तीन ससुरालियों को दहेज प्रताड़ना केस में दोषी करार दिया। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट में आया। सुप्रीम कोर्ट में पति और अन्य की ओर से दलील दी गई कि हाईकोर्ट शादी अमान्य करार दे चुकी है। यह जजमेंट 25 फरवरी 2021 को आया था और इस तरह से दहेज प्रताड़ना का केस नहीं टिकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इसमें संदेह नहीं है कि शादी अमान्य हो चुका है और ऐसे में दहेज प्रताड़ना का केस नहीं टिकता है। जहां तक दहेज निरोधक कानून का सवाल है तो उस मामले में भी ट्रायल कोर्ट ने पूरे कारण के साथ आरोपियों को बरी किया है। ऐसे में हाई कोर्ट को ट्रायल कोर्ट आदेश में दखल नहीं देना चाहिए था। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए हाई कोर्ट के फैसले के खारिज कर दिया।

100 करोड़ में बिका राज कपूर का बंगला

मुंबई। बॉलीवुड के *शो मैन* कहे जाने वाले एक्टर और प्रोड्यूसर राज कपूर अपने पीछे कई सारी यादें छोड़कर गए। इनमें सिर्फ फिल्में ही नहीं, प्रॉपर्टी भी शुमार है। लेकिन साल दर साल, उनकी यादें मिटती जा रही हैं! कुछ साल पहले उनका आरके स्टूडियो बिक गया था, वो जगह, जहां पर कई फिल्मों की शूटिंग हुई थी। अब आरके स्टूडियो के बाद गोदरेज ग्रुप ने उनका चेंबूर वाला बंगला भी खरीद लिया है। अब इस बंगले की जगह, वहां पर प्रीमियम रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट बनेगा। राज अपने खानदान के लिए और भी कई प्रॉपर्टी छोड़कर गए, जिनकी कीमत करोड़ों में है। जानकारी के मुताबिक, राज कपूर का ये बंगला करीब 1 एकड़ में फैला हुआ था। ये मुंबई में देवनार फार्म रोड पर टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के पास स्थित है। ये एरिया सबसे प्रीमियम रेजिडेंशियल इलाकों में से एक कहा जाता है। इसी वजह से यहां पर अब प्रीमियम रेजीडेंशियल प्रोजेक्ट डेवलप होगा। इस बंगले की कीमत करीब 100 करोड़ रुपए बताई जा रही है। राज कपूर ने शायद अपने बच्चों के लिए सबसे बड़ी विरासत छोड़ी थी, मुंबई के चेंबूर इलाके में दो एकड़ में बनी आइकॉनिक बिल्डिंग, जिसे सभी आरके स्टूडियोज के नाम से जानते थे। इसमें बॉलीवुड की कई यादगार फिल्में जैसे- श्री 420 से लेकर *बॉबी* तक की शूटिंग हुई थी। कहा जाता है कि इसकी कीमत 500 करोड़ रुपए से ज्यादा थी। कपूर फैमिली ने साल 2018 में जमीन गोदरेज प्रॉपर्टीज को बेच दी थी, क्योंकि वो इसे चलाने या मेनटेन रखने में असमर्थ थे। ये आरके स्टूडियोज के ठीक पीछे स्थित है। लगभग 3 हजार स्क्वॉयर फीट के इस कॉटेज में साल 1946 से राज कपूर, उनकी वाइफ कृष्णा राज कपूर और उनके बच्चे रहा करते थे। ऋषि कपूर और नीतू से लेकर करिश्मा कपूर और संजय तक, इस कॉटेज में कई शादियां और रिसेप्शन पार्टी हुई थी। हालांकि, इस संपत्ति को 13 साल पहले राज कपूर की वाइफ और बेटी की मर्जी के खिलाफ बिक्री के लिए रखा गया था। उस समय इसकी अनुमानित कीमत 30 करोड़ रुपए थी। बिल्डर इसे एक रेजिडेंशियल कांप्लेक्स में बदलना चाहते थे। बेशकीमती संपत्ति का एक और टुकड़ा, जिसे राज कपूर अपने परिवार के लिए छोड़ गए हैं। ये पुणे में है, राज कपूर मेमोरियल के ठीक बगल में। राजबाग को अभी भी आंशिक रूप से कपूर खानदान के स्वामित्व में माना जाता है, जो अक्सर रहने के लिए बंगले पर जाते हैं।

काचुमारा में अल्पसंख्यक संग्राम परिषद की नई समिति का गठन

नगरबेड़ा (निसं)। बरपेटा जिले के चेंगा निर्वाचन क्षेत्र के दक्षिण छोर पर स्थित काचुमारा में असम अल्पसंख्यक संग्राम परिषद की दक्षिण बरपेटा जिला समिति के काचुमारा में आज मोहचरा क्षेत्रीय अल्पसंख्यक संग्राम परिषद की नई समिति का गठन किया गया। जिले समिति के सचिव छाइदुर रहमान मंडल परिचालित बैठक में छाइफुल हक को नया अध्यक्ष और आब्दुल मालेक को लेकर 31जन का पूर्ण बलशाली आंचलिक समिति गठित किया गया। सभा में जिले समिति के प्रचार सचिव बाहाज उद्दिन हाजरिका मौजूद थे। अंत में अध्यक्ष ने नवगठित समिति के पदाधिकारियों से आने वाले दिनों में संगठनात्मक गतिविधियों को पूरी निष्ठा के साथ करने का आह्वान किया।

पानीपत बम ब्लास्ट केस में आतंकी अब्दुल करीम टुंडा बरी

नई दिल्ली। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश राजकुमार यादव की कोर्ट ने कहा कि टुंडा के खिलाफ कोई सबूत नहीं है कि उसकी बम धमाकों में कोई संलिप्तता साबित हो सके। इसलिए सबूतों के अभाव में उसे बरी किया जाता है। आतंकी करीम टुंडा को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया था। वह 1996 के सोनीपत बम ब्लास्ट मामले में अजमेर सेंट्रल जेल में बंद है। पुलिस के मुताबिक, टुंडा जनवरी 1997 में रोहतक में हुए तीन बम धमाकों का मास्टरमाइंड था, जिसमें आठ लोग घायल हुए थे। रोहतक पुलिस ने 22 जनवरी, 1997 को टुंडा के खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 4, 5 और 7 और आईपीसी की 307, 120 (बी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। पुलिस ने कहा था कि टुंडा गिरोह के एक सदस्य द्वारा जिले में धमाकों के लिए देसी बमों का इस्तेमाल किया गया था। टुंडा को अगस्त 2013 में नेपाल सीमा से गिरफ्तार किया गया था।

अखिल असम अहले हदीस के 37वें वार्षिक सम्मेलन का आयोजन

नगरबेड़ा (निसं)। अखिल असम जमीयत अहले हदीस का 37वां वार्षिक सम्मेलन नगरबेड़ा कल्यानपुर एमई स्कूल मैदान (नाईटर) में दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम के साथ शुरू हुआ। कार्यक्रम के पहले दिन हाफिज आब्दुल गनी द्वारा कुरान के पाठ और अहले हदीस के अध्यक्ष मौलाना मकसूदुर रहमान मादानी द्वारा ध्वजारोहण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आल्हाज मौलाना शेख आहम्मेद अली द्वारा आयोजित जमीयत के मरे हुए कार्यकर्ताओं की आत्मा के शांति के लिए प्रार्थना के बाद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। दोपहर के समय सम्भर्धना सभा में आमंत्रित अतिथि के रूप में नगरबेड़ा चक्र अधिकारी वनश्री मालाकार, अवसर प्राप्त वन अधिकारी भवेश चंद्र दास, चमरिया खंड उन्नयन अधिकारी दीप्त कंठ चमुआ और कई अन्य आमंत्रित अतिथि मौजूद रहेंगे बोल के जानकारी दी है।

No. B/KE/Supply of Electronic Items/

CORRIGENDUM

In connection with the Tender Notice No. B/KE/ Supply of Electronic Items/1321, dtd. 16/02/2023, the items as "Supply of Electronic Items for Strengthining of IT. Infrastructure in the Office of the PCCF & HoFF, Assam". The tender received date is hereby re-fixed on 27/02/2023 at 3.00 PM instead of 09/03/2023 at 3.00 PM.

Divisional Forest Officer
Kamrup East Division, Basistha
Gwahati

-- Janasanyog / C/20290/22

पृष्ठ एक का शेष

कम उम्र में तय...

ठहराते हुए कहा कि यह अभियान 2026 के चुनाव तक चलेगा। साथ ही उन्होंने कहा था कि पिछले साल असम में 6.2 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं में से लगभग 17 प्रतिशत किशोर थीं। राज्य कैबिनेट ने हाल ही में 14 साल से कम उम्र की लड़कियों से शादी करने वाले पुरुषों पर पॉक्सो के तहत मामला दर्ज करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। कैबिनेट ने फैसला किया था कि 14-18 आयु वर्ग की लड़कियों से शादी करने वालों के खिलाफ बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत मामले दर्ज किए जाएंगे। अपराधियों को गिरफ्तार किया जाएगा और विवाह को अवैध घोषित किया जाएगा। यदि वर की आयु 14 वर्ष से कम है तो उसे सुधार गृह भेजा जायेगा। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) की रिपोर्ट के अनुसार, सबसे ज्यादा मातृ और शिशु मृत्यु दर असम राज्य की है। इसका सबसे बड़ा कारण बाल विवाह को माना गया था।

एपीपीएससी पेपर लीक...

करने की मांग को लेकर पीड़ित उम्मीदवारों और उनके माता-पिता सहित हजारों लोग सुबह-सुबह राजधानी शहर की सड़कों पर उतर आए। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पोस्टरों को क्षतिग्रस्त कर दिया, जो 20 फरवरी को दो दिवसीय दौरे पर पूर्वोत्तर राज्य में आने वाली हैं। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं नवनियुक्त सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह को स्थगित कर दिया जाए, इसी मांग को लेकर यह प्रदर्शन किया जा रहा था। समिति की मांग है कि एपीपीएससी द्वारा आयोजित सभी परीक्षाएं जिनमें प्रश्नपत्र लीक हुए थे उन्हें रद्द कर दिया जाए। साथ ही, आयोग के पूर्व अध्यक्ष, सचिव, सदस्यों और अन्य अधिकारियों की तत्काल गिरफ्तारी की जाए। साथ ही प्रदर्शनकारियों ने यह भी मांग की कि सभी पीड़ित उम्मीदवारों को वापस बुलाया जाए। प्रत्येक को पांच-पांच लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए। आईजी चुखु आपा ने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षाकर्मियों को प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े और लाठी चार्ज करने को भी मजबूर हो गए। झड़प के दौरान चार पुलिसकर्मी भी बुरी तरह घायल हो गए थे, जिसके बाद ईटानगर में पर्याप्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। आईजी का कहना है कि विरोध प्रदर्शन के दौरान भी उन लोगों को कानून व्यवस्था बनाकर रखना चाहिए था। असंतुष्ट उम्मीदवारों ने पहले राज्यपाल बी डी मिश्रा को पत्र लिखकर एपीपीएससी के नए अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति पर कड़ी आपत्ति जताई थी और उनसे शपथ ग्रहण नहीं कराने का अनुरोध किया था। मिश्रा को लद्दाख का लेफ्टिनेंट गवर्नर बनाया गया है और लेफ्टिनेंट जनरल कैवल्य त्रिविक्रम परनाइक ने गुरुवार को अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल के रूप में शपथ ली। राज्य सरकार ने कहा कि जो कुछ भी हुआ उसके लिए समिति को दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए। राज्य सरकार ने कथित प्रश्न पत्र लीक की सीबीआई जांच की सिफारिश की है और केंद्रीय एजेंसी ने जांच शुरू कर दी है।

सीबीआई को जांच ...

समिति-एपीपीएससी को आमंत्रित किया है। साथ ही अरुणाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग (एपीपीएससी) अध्यक्ष के शपथ ग्रहण समारोह को टाल दिया है। अरुणाचल प्रदेश में शुक्रवार सुबह पांच बजे बंद की शुरुआत हुई। हजारों की संख्या में परीक्षार्थी और अभिभावक सड़कों पर उतर आए। वे शुक्रवार शाम को होने वाले नए एपीपीएससी अध्यक्ष के शपथ ग्रहण को रद्द करने की मांग कर रहे थे। मौके पर वरिष्ठ अधिकारियों ने कमान संभाल रखा था। मामला बढ़ने पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। इस दौरान कई प्रदर्शनकारी और पुलिसकर्मी घायल हुए। एहतियातन इटानगर में व्यापारिक प्रतिष्ठान, बाजार, बैंक, शैक्षणिक संस्थान और कार्यालय बंद रहे। मुख्यमंत्री ने इटानगर में प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच हुई झड़प पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि आज इटानगर में कानून-व्यवस्था का मुद्दा देखा गया। अरुणाचल में शांति के लिए यह ठीक नहीं है। सरकार ने पेपर लीक के मामले को सख्ती से निपटाया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच के लिए सभी ने मांग की थी कि केस सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसी को सौंपा जाए। इसलिए, सरकार ने मामले को सीबीआई को स्थानांतरित कर दिया है।

हरविंदर सिंह संधू ...

गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की चौथी अनुसूची में शामिल किया गया है। अब तक इस सूची में कुल 54 नामित आतंकवादी को शामिल किया गया है। मालूम हो कि खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) एक उग्रवादी संगठन है, जिसका उद्देश्य पंजाब में आतंकवाद को पुनर्जीवित करना और भारत की क्षेत्रीय अखंडता, एकता, राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता को चुनौती देना है। यह संगठन पंजाब में लक्षित हत्याओं सहित आतंकवाद के विभिन्न कृत्यों को बढ़ावा देता है। जम्मू-कश्मीर गजनवी फोर्स को को घुसपैठ की कोशिशों, नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी और जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमलों को अंजाम देने में शामिल पाया गया है। यह संगठन लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, तहरीक-उल-मुजाहिदीन, और हरकत-उल-जेहाद-ए-इस्लामी जैसे कई आतंकवादी संगठनों से अपने सदस्यों को जोड़ता है।

मेघालय में सरकार...

के बिना कोई सरकारी नौकरी नहीं है। हमने उत्तर-पूर्व में राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण के लिए 5,000 करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन यहां कोई उचित राजमार्ग नहीं बनाया गया। शाह ने आगे कहा कि मुकुल सांग्मा और कोनराड सांग्मा ने गारो हिल्स के लोगों का वोट लेकर सरकार बनाई, लेकिन गारो हिल्स का विकास नहीं किया। मेघालय के अंदर भ्रष्टाचार कम करने के लिए, विकास करने के लिए भाजपा की सरकार बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जहां-जहां सरकार बनाई, सरकारी नौकरियों में भ्रष्टाचार समाप्त किया। मेघालय में भी भाजपा सरकार बनने के बाद भ्रष्टाचार खत्म कर, गरीबों को नौकरी देने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मेघालय में कई वर्षों से दो परिवारों का राज रहा है। कई वर्षों तक मुकुल सांग्मा ने राज किया और कई वर्षों तक कोनराड सांग्मा ने राज किया। दोनों परिवारों ने भ्रष्टाचार कर मेघालय के गरीबों का पैसा खाया है। अब दोनों परिवारों से मेघालय को मुक्ति दिलाने का समय आ चुका है।

हिंडनबर्ग पर अपनी...

को स्वीकार नहीं करेंगे। हम पारदर्शिता सुनिश्चित करना चाहते हैं। अगर हम आपके सुझावों को सीलबंद स्वीकार करते हैं, तो इसका मतलब है कि दूसरे पक्ष को पता नहीं चलेगा। पीठ ने कहा कि हम निवेशकों की सुरक्षा के लिए पूरी पारदर्शिता चाहते हैं। हम एक कमेटी बनाएंगे। सीजेआई ने कहा कि वर्तमान (सुप्रीम कोर्ट) जज मामले की सुनवाई कर सकते हैं और वे समिति का हिस्सा नहीं हो सकते हैं। शीर्ष अदालत ने 10 फरवरी को कहा था कि अदाणी समूह के स्टॉक रूट की पृष्ठभूमि में भारतीय निवेशकों के हितों को बाजार की अस्थिरता के खिलाफ संरक्षित करने की आवश्यकता है।

नगालैंड में शांति...

एक महत्वपूर्ण सदस्य बन गया है। मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई अपार कल्याणकारी योजनाएं जनता के लाभ और व्यापक भलाई के लिए शासन में दक्षता लाने की दिशा में एक वसीयतनामा है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने का प्रयास नगालैंड सहित क्षेत्र की प्रगति के एक शानदार युग की शुरुआत है, क्योंकि यह आने वाले भविष्य में भारत के लिए विकास का इंजन बनने के लिए तैयार है। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ नगालैंड के उपमुख्यमंत्री यानथुंगो पैटन, केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री जॉन बारला, सांसद एस फांगनोन कोन्याक समेत अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

शिंदे गुट ही ...

निशान के लिए लड़ रहे हैं। आयोग ने पाया कि शिवसेना पार्टी का वर्तमान संविधान अलोकतांत्रिक है। अगले साल ही 2024 के लिए लोकसभा के चुनाव होने हैं। उत्तर प्रदेश के बाद लोकसभा की सबसे अधिक सीटें महाराष्ट्र से ही आती हैं। कुल 48 सीटें हैं और ऐसे में उद्धव ठाकरे को एक बड़ा झटका लगा है। वहीं शिंदे गुट को बड़ी राहत मिली है। शिवसेना का नाम केवल चुनाव चिन्ह बल्कि नाम भी उन्हें मिल गया। शिवसेना जो अपने असली और पुश्तैनी होने का दावा कर रही थी। दो ये कह रही थी कि हमारे पिताजी ने पार्टी का गठन किया है। लेकिन मुट्ठी में बंद रेत की भांति धीरे-धीरे उनके हाथ से न केवल सत्ता, बल्कि संगठन से भी पकड़ छूट गई। निर्वाचन आयोग ने अपने 78 पेज के विस्तृत फैसले में बताया है कि आखिर क्यों शिवसेना उद्धव गुट को इन अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। एकनाथ शिंदे को शिवसेना का नाम और निशाना दोनों चीजें दे दी गई हैं। यानी जो लोग ये दावा करते नहीं थक रहे थे कि हमारा इस पर पुश्तैनी अधिकार है। हमारे बाप-दादाओं की संपत्ति हैं। हम इसके असली वारिस हैं। लेकिन निर्वाचन आयोग ने कहा कि पूरी प्रक्रिया को देखते हुए कहीं से ऐसा नहीं लग रहा। अंक के गणित के हिसाब से या फिर पार्टी में जो दो फाड़ हुआ है। उद्धव ठाकरे गुट को कहीं पर भी तरजीह मिलती दिखाई नहीं दी है। हालांकि उद्धव गुट ने कहा कि उन्होंने काफी हड़बड़ी में चीजें जुटाई हैं इसलिए वो संख्याबल प्रदर्शित नहीं कर पाए। निर्वाचन आयोग ने सबूत और दस्तावेज को खंगालने और तर्क व दलीलों को सुनने के बाद अपना फैसला दिया।

बीबीसी के विरुद्ध ...

विभिन्न समूह संस्थाओं द्वारा दिखाई गई आय भारत में संचालन के पैमाने के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण से यह भी पता चला है कि दूसरे कर्मचारियों की सेवाओं का उपयोग किया गया है, जिसके लिए भारतीय इकाई द्वारा संबंधित विदेशी संस्था को प्रतिपूर्ति की गई है। इस तरह के प्रेषण भी रोक कर के अधीन होने के लिए उत्तरदायी थे, जो नहीं किया गया है। इसके अलावा, प्रवक्ता ने कहा कि स्थानांतरण मूल्य निर्धारण दस्तावेज के संबंध में कई खामियां पाई गई। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण अभियान के परिणामस्वरूप कर्मचारियों के बयानों, डिजिटल साक्ष्यों और दस्तावेजों के माध्यम से महत्वपूर्ण साक्ष्यों का पता चला है, जिनकी आगे जांच की जाएगी।

पलामू में भगवान ...

एफआईआर हो चुकी है। पुलिस ने बताया कि इसमें 11 आरोपी पकड़े भी जा चुके हैं। जामा मस्जिद, पनकी के सुरक्षा प्रबंध निदेशक रामूज अंसारी ने कहा कि हम प्रशासन के साथ सहयोग कर रहे हैं। चूंकि धारा 144 लागू है, इसलिए मस्जिद का मुख्य द्वार बंद रहेगा और केवल चार व्यक्ति नमाज अदा करेंगे। वहीं, दो दिन बाद शुक्रवार को क्षेत्र में दवा की दुकानें खोली गईं। एक मेडिकल दुकान के मालिक ने एएनआई से कहा कि उन्हें कभी भी दुकान बंद करने के लिए नहीं कहा गया था, लेकिन धारा 144 के कारण ग्राहकों की अनुपस्थिति में उन्होंने इसे बंद रखा। पलामू के आईजी राजकुमार लकड़ा ने कहा कि दोनों समूहों के साथ सकारात्मक चर्चा हुई। उनकी ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। हम संतुलित तरीके से स्थिति को नियंत्रित कर रहे हैं। अगले एक-दो दिनों में स्थिति सामान्य हो जाएगी। दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं जबकि 11 लो गों को हिरासत में लिया गया है। 40 लोगों पर नामजद एफआईआर है। पांकी के राहेवीर पहाड़ी पर स्थित शिव मंदिर में हर साल महाशिवरात्रि धूमधाम से मनाई जाती है।

त्रिपुरा चुनाव : ब्रू ...

धन्यवाद करें, कम है। त्रिपुरा के राहत शिविर में रहने वाले ब्रू जनजाति के लोगों को इस बार त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में 26 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद मतदान का अधिकार मिला। मतदान करने आए लोग खासे उत्साहित दिखाई दे रहे थे। उल्लेखनीय है कि ब्रू जनजाति के लोगों को 1997 में जातीय हिंसा के बाद मिजोरम छोड़ना पड़ा था और उन्होंने त्रिपुरा में शरण ली थी। गुरुवार को बड़ी संख्या में ब्रू जानजाति के लोगों ने मतदान में हिस्सा लिया। मासा कहते हैं, इस समय हमारे जनजाति के करीब 7000 परिवार राज्य के चार जिलों में रहते हैं। करीब 14 हजार वोट हमारे हैं। यह अधिकार मिलने से हम बहुत खुश हैं। ब्रू जनजाति मूल रूप से मिजोरम के रहने वाले हैं। इनमें से ज्यादातर परिवार मामित और कोलासिब जिले में ही बसे थे। 1995 के शुरुआत में ब्रू रियांग और बहुसंख्यक मिजो समुदाय के बीच मनमुटाव शुरू हो गया। 1996 में मिजोरम में दंगे शुरू हो गए। मिजोरम के लोग इन्हें बाहरी समझते थे। 1997 में हिंसक झड़पें होने के बाद हजारों लोगों को मिजोरम से घर छोड़कर भागना पड़ा। त्रिपुरा के 60 सदस्यीय सदन के चुनाव के लिए 31 महिलाओं सहित कुल 259 उम्मीदवार मैदान में हैं, और उनमें से सबसे अधिक सत्तारूढ़ भाजपा ने 55 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं, उसके बाद भाकपा- एम (43), टिपरा मोथा पार्टी (42), तृणमूल कांग्रेस (28), और कांग्रेस के 13 उम्मीदवार मैदान में हैं, इन सबके अलावा 58 निर्दलीय उम्मीदवार और विभिन्न छोटे दलों के 14 उम्मीदवार भी चुनाव लड़ रहे हैं।

असम पहुंचा दुनिया...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को साकार किया गया है। उन्होंने कहा कि अंतर्देशीय जल परिवहन का यह वाटरशेड पल पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्रगति और विकास का द्वार खोलेगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंगा विलास क्रूज को इसी वर्ष 13 जनवरी को वाराणसी से झंडी दिखाकर रवाना किया था। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के साथ-साथ बांग्लादेश होते हुए यह क्रूज असम के धुबड़ी पहुंच गया। इसे दुनिया में सबसे लंबी नदी क्रूज के रूप में दर्ज किया गया है। गंगा विलास की यात्रा बोगीबील में 1 मार्च को पूरी होने वाली है, जब यह 51 दिनों की अपनी यात्रा पूरी तक डिब्रूगढ़ के बोगीबील में लंगर डालेगा। धुबड़ी पहुंचने पर क्रूज ने ब्रह्मपुत्र के किनारे लंगर डाला। मेहमानों को इमिग्रेशन क्लीयरेंस के लिए एमवी प्रतिमा के माध्यम से धुबड़ी सीमा शुल्क बंदरगाह पर जेट्टी तक ले जाया गया। इस ऐतिहासिक यात्रा पर निकले स्विट्जरलैंड के 32 पर्यटकों का स्वागत धुबड़ी के उपायुक्त के साथ-साथ भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) के क्षेत्रीय निदेशक के साथ-साथ आईडब्ल्यूटी और सरकार के पर्यटन विभागों के अन्य अधिकारियों ने किया। यह पर्यटक टेराकोटा से बने कलाकृतियों के उत्पादन को देखने के लिए प्रसिद्ध असारीकांदी गांव का दौरा भी करेंगे। गंगा विलास शनिवार की दोपहर धुबड़ी से ग्वालपाड़ा तक अपनी आगे की यात्रा फिर से शुरू करेगा।

धारा 370 पर ...

पिछले साल भी किया गया था और उस वक्त भी सीजेआई ने कहा था कि तारीख देंगे, लेकिन कुछ नहीं हुआ। 2019 में दायर याचिकाओं के बैच को दिसंबर 2019 में भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ को भेजा गया था। चूंकि न्यायमूर्ति रमना और न्यायमूर्ति सुभाष रेड्डी, दोनों संविधान पीठ के सदस्य हैं, सेवानिवृत्त हो चुके हैं, इसलिए एक नई संविधान पीठ का पुनर्गठन करना होगा। सेवानिवृत्त होने वाले दो न्यायाधीशों के अलावा, जस्टिस संजय किशन कौल, बीआर गवई और सूर्यकांत भी पीठ का हिस्सा थे। मार्च 2020 में पांच-न्यायाधीशों की पीठ द्वारा याचिकाओं को एक बड़ी पीठ को संदर्भित करने से इनकार करने के बाद मामला लंबित रहा। याचिकाओं में 5 अगस्त, 2019 के राष्ट्रपति के आदेश को चुनौती दी गई है, जिसने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था।

स्वर्वेद भाष्य

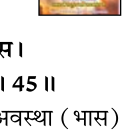

चतुर्थ मंडल **अष्टम अध्याय**

(योगाभ्यास)

एक जन्म दो जनम में, करत योग अभ्यास।
जन्म अनेक उत्थान में, जिवन्मुक्त पद भास॥ 45॥

शब्दार्थ : (उत्थान) विकास (जिवन्मुक्त) जीवन्मुक्ति अवस्था (भास) प्रकाशमान।

भाष्य : अनेक जन्मों में योग-साधन के विकास होने पर जीवन्मुक्ति की अवस्था साधक को प्राप्त होती है।

सन्त बीज विनशे नहीं, जो युग होय अनन्त।
नीच ऊँच गृह जन्म ले, बहुरि सन्त का सन्त॥ 46॥

शब्दार्थ : (बीज) कारण, बीया (बहुरि) फिर पुनः।

भाष्य : सद्गुरु का ज्ञान-बीज नष्ट नहीं होता, उसके ज्ञान-संस्कार अनंत युगों तक चित में रहते हैं और कर्मानुसार ऊंच-नीच कुल में जन्म लेकर भी सद्गुरु मिलने पर फिर संस्कार उदय होने से वह संस्कारी आत्मा सन्त हो जाता है।

विकसित भारत समाचार

तापमान
अधिकतम 30^0
न्यूनतम 16^0

शनिवार, 18 फरवरी, 2023

जोरहाट में आग से 300 से अधिक दुकानें राख

जोरहाट (हि.स.)। जिला मुख्यालय शहर जोरहाट नगर चौक बाजार में गुरुवार रात करीब 9:15 बजे लगी आग में लकड़ी आर टीन से बनीं 300 से अधिक दुकानें राख हो गई। यह दुकानें काफी पुरानी थीं। अग्निशमन विभाग की करीब 25 टीमों को आग बुझाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। शुक्रवार सुबह आग को पूरी तरह बुझा दिया गया। यह जानकारी पुलिस ने दी। पीड़ित दुकानदार और उनके परिवारों में भारी मायूसी छाई है। पुलिस के मुताबिक आग की लपटें सबसे पहले एक कपड़े की दुकान से उठीं। देखते ही देखते आग भयावह हो गई और 300 से ज्यादा दुकानें जलकर राख हो गईं। स्थानीय विधायक हितेंद्र नाथ गोस्वामी और राज्यसभा सदस्य कामाख्या प्रसाद तासा ने मौके का मुआयना किया है। स्थानीय सांसद और विधायक के मुताबिक इसके बाद एक बैठक हुई। बैठक में दुकानदारों को सरकार की ओर से हरसंभव आर्थिक मदद पहुंचाने का वादा किया गया। अधिकतर स्थानीय दुकानदारों ने आग लगने की वजह शार्ट सर्किट बताई है। कुछ दुकानदारों ने जरूर कहा है कि यह उपद्रवियों का कारनामा है। जान-बूझकर आग लगाई गई है। वार्ड मेंबर का कहना है कि दुकानों के जल जाने से करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है। जलकर राख हुई ज्यादातर दुकानों में कपड़ा और किराने का कारोबार होता था। कुछ दिन पहले पास के मारवाड़ी पट्टी में आग लगने से व्यापारिक प्रतिष्ठानों को काफी नुकसान हुआ था।

रंगिया : जनता की सेवा में समर्पित नवनियुक्त महकमाधिपति दीपन बर्मन

गुवाहाटी (निसं)। बर्ष 2015 के असम प्रशासनिक सेवा अधिकारी तथा अतिरिक्त उपायुक्त दीपन बर्मन ने 10 फरवरी को रंगिया के महकमाधिपति के रूप में पदभार संभाला। कार्यक्षेत्र में आने के बाद नवनियुक्त महकमाधिपति दीपन बर्मन ने खुद को जनता की सेवा में समर्पित कर दिया है। दीपन बर्मन रंगिया की विभिन्न समस्याओं को सुधारने में लग गए है। उन्हें लोगों के सुख-दुख में भी अहम भूमिका निभाते देखा जा रहा है। बुधवार को नवनियुक्त महकमाधिपति ने शहर के विभिन्न अंचलों का दौरा किया तथा इस दौरान फुटपाथ पर काफी लंबे समय से इधर-उधर भटक रही एक लाचार बुजुर्ग महिला को देखा और अपनी महानुभावता का परिचय देते हुए महकमाधिपति ने उस वृद्ध असहाय महिला को आश्रय गृह भेजने का एक प्रशंसनीय कदम उठाया है। महकमाधिपति के इस कदम की शहरवासियों ने काफी प्रशंसा की है।

मारवाड़ी सम्मेलन, रंगिया का शपथ विधि समारोह संपन्न

रंगिया (निसं)। अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन की अधिकृत शाखा मारवाड़ी सम्मेलन रंगिया शाखा का शपथ विधि समारोह गत बृहस्पतिवार को संपन्न हुवा। स्थानीय डूंगरमल जाजोदिया स्मृति भवन मे आयोजित समारोह की अध्यक्षता मंडल छ के मंडलिय उपाध्यक्ष अशोक नागोड़ी ने की। जिसमे मुख्य अतिथि पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल, मुख्यवक्ता के रूप मे प्रांतीय महामंत्री अशोक अग्रवाल ने भाग लिया। सभी अतिथियों का अभिनंदन के बाद सर्वप्रथम रंगिया शाखा की बागडोर प्रमोद अग्रवाल को अध्यक्ष पद की गोपनीयता की शपथ दिलायी गयी। वही उनका अभिनंदन कर मंचासीन कराया गया। साथ ही शाखा की प्रथम महिला अंजू अग्रवाल, पुर्व सचिव राजकुमार सरावगी, सकल दिगंबर जैन समाज रंगिया के सचिव प्रद्युमन जैन, विप्र महासभा के अध्यक्ष शंकरलाल शर्मा का अभिनंदन फूलाम गामोछा से किया गया। समारोह मे रंगिया शाखा के सभी आजीवन सदस्यो के साथ सत्र 2023 - 25 हेतु उपाध्यक्षद्वय राजकुमार सरावगी व योगेश कुमार शर्मा, सचिव जितेन्द्र जाजोदिया, संयुक्त सचिव बासुदेव शर्मा, सह सचिव कैलाश अगरवाल, कोषाध्यक्ष पवन कुमार जाजोदिया तथा कार्यकारिणी सदस्य क्रमश: पवन कुमार अग्रवाल, विकाश शर्मा, राजेश चौधरी, अनुप कुमार जाजोदिया व दिनेश अग्रवाल को पद व गोपनियता का शपथ पाठ करवाया गया। अतिथिजनो ने रंगिया शाखा के पूनर्गठन की बधाई व समाजहित राष्ट्रहित मे कार्य करने के लिये प्रोत्साहित किया। अध्यक्षीय संबोधन के बाद सचिव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के बाद राष्टीर गान के साथ सभा समाप्ति की घोषणा अध्यक्ष ने की।

पूर्वोत्तर की सबसे ऊंची शिव प्रतिमा का महाशिवरात्रि के दिन होगा अनावरण

नलबाड़ी (हि.स.)। देश के अन्य हिस्सों की तरह असम में आगामी शनिवार को महाशिवरात्रि के दिन शिव पूजा को लेकर विशेष तैयारी चल रही हैं। नलबाड़ी में पूरे पूर्वोत्तर की सबसे ऊंची भगवान शिव की प्रतिमा बनाई गई है। महालक्ष्मी सेविंग्स एंड लेंडिंग कोऑपरेटिव सोसाइटी ने 91 फीट ऊंची शिव मूर्ति का निर्माण किया गया है। महाशिवरात्रि को इस प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। नलबाड़ी जिले में भी शिव पूजा की व्यापक तैयारी की जा रही है। नलबाड़ी के खारजरा आश्रम के पास 91 फीट ऊंची शिव प्रतिमा का निर्माण किया गया है। शनिवार को भक्तों के दर्शनार्थ इस शिव प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। दूसरी ओर शिवसागर जिले में स्थित ऐतिहासिक शिव दौल में शुक्रवार से ही शिवरात्रि की पूजा-अर्चना आरंभ हो गयी है। शिव दौल परिसर में मेले का भी आयोजन किया जाता है, जिसमें विभिन्न हिस्सों के लोग शामिल होते हैं। शिवरात्रि की पूजा के लिए देशभर से श्रद्धालु शिवसागर पहुंच रहे हैं।

रेल अली इलाके से युवक का शव बरामद

होजाई (हि.स.)। होजाई जिला के लंका रेल अली इलाके से एक युवक का शव बरामद होने से सनसनी फैल गयी। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बीती रात लंका रेल अली इलाके में एक युवक का शव देखे जाने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची रेलवे पुलिस की टीम ने लंका रेलवे स्टेशन के समीप चार नंबर वार्ड के गोविंद नगर से सिर कटी एक युवक की लाश को बरामद किया। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि डाउन जनशताब्दी एक्सप्रेस से गिरकर युवक की मौत हुई होगी। मृत युवक की पहचान नहीं हो पाई है। मृत युवक की उम्र लगभग 24 से 25 वर्ष के आसपास पुलिस ने बताई है।

उद्घाटन हुए दस साल बीते, अब तक शुरू नहीं हुआ दुरामारी-मालीबाड़ी स्वास्थ्य केंद्र

नगरबेड़ा (निसं)। राज्य सरकार ने समय-समय पर जनकल्याण की महत्वाकांक्षी योजनाओं के तहत जनता की सेवा में करोड़ों रुपए खर्च किए हैं। आम लोगों की सुविधा के लिए धन का उपयोग किया गया है। धन का उपयोग आम लोगों को राहत देने के लिए किया गया है।दुर्भाग्य से सरकारी खजाने से करोड़ों रुपए खर्च करने के बावजूद कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए नई योजनाएं बनाई गई हैं लेकिन आश्चर्य पैदा करने के लिए बनाए गए इनमें से कई अस्पताल वर्षों बाद भी लोगों की सेवा के लिए नहीं खोले गए हैं. बोको में दुरामारी मालीबारी सूक्ष्म प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भी यही हाल है। दुरमारी की स्थापना 10 साल पहले बोको निर्वाचन क्षेत्र के दुरमारी क्षेत्र में चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए की गई थी मालीबाड़ी सूक्ष्म प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र। स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य भवन के साथ-साथ डॉक्टरों, नर्सों और अन्य कर्मचारियों के लिए आवासों का निर्माण करोड़ों रुपए की लागत से किया गया था। लेकिन यह सब स्वास्थ्य विभाग के लिए एक सरप्राइज था। निर्माण के 10 साल बाद भी स्वास्थ्य केंद्र पर एक डॉक्टर व अन्य स्टाफ की नियुक्ति नहीं हो सकी है. स्वास्थ्य विभाग ने सिर्फ नर्सों की भर्ती की।क्षेत्र के निवासियों ने कहा कि उन्होंने विधायक नंदिता दास को कई बार इस मामले से अवगत कराया था। लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। अस्पताल भवन वर्तमान में जर्जर अवस्था में है। क्षेत्रवासियों को सामान्य इलाज के लिए बोको, छयगांव व सोंटाली भागना पड़ रहा है। खासकर गर्भवती महिलाओं के लिए इलाके में काफी खतरा है। हालांकि, न तो सरकार और न ही स्वास्थ्य विभाग ने कोई हाल निकाल दिया है। क्षेत्रवासियों ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत को गुजारिश किया कि जल्द से जल्द सर्वसाधारण जनगणना को स्वास्थ्य केंद्र में डाएव अन्य कर्मचारी को भेजें और सेवा जारी रखें।

ड्रग्स समेत एक तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिला के रंगिया में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर ट्रक समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि नाजीबुल हक उर्फ धन के घर से नशीली दवाओं सहित 13.50 लाख रुपए जब्त किए गए है। जिसमें 81 ग्राम प्रतिबंधित ड्रग्स भी शामिल है। ड्रग्स का बाजार मूल्य 10 लाख रुपए आंका गया है। नजीबुल हक उर्फ धन को पहले भी कई बार मानव तस्करी, चोरी और मादक पदार्थों के कारोबार के आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका है। रंगिया पुलिस और नलबाड़ी पुलिस के संयुक्त अभियान में मादक पदार्थ सहित भारी मात्रा में नकदी भी जब्त की गई है।

नगांव में नि:शुल्क मोबाइल मेडिकल बस शिविर

LOTUS
TMT BAR
MEDICAL BUS

गुवाहाटी। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे लोगों के स्वास्थ्य की नि:शुल्क जांच करने के उद्देश्य से असम पहुंची नि:शुल्क मोबाइल मेडिकल बस शिविर का आयोजन 18 से 22 फरवरी के बीच नगांव तथा आस-पास के इलाकों में किया जाएगा। बीडीजी रमेश गोयल सेवा संस्थान की लोटस टीएमटी बार मेडिकल बस सेवा की ओर से इन शिविरों का आयोजन किया जाएगा। बीडीजी मेटल एंड पावर लिमिटेड के चेयरमैन तथा सेवा संस्थान के प्रमुख ट्रस्टी रमेश गोयल के नेतृत्व में लोटस टीएमटी बार मेडिकल सेवा की ओर से 18 फरवरी को रोहा सार्वजनिक दुर्गा पूजा मंदिर परिसर में नि:शुल्क मोबाइल मेडिकल बस शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसी तरह 19 को चापरमुख के मारवा ?ी पट्टी, 20 को नगांव के खुटीकटिया, 21 को नगांव के ही गोपाल गौशाला प्रांगण तथा 22 को कामरूप में नि:शुल्क शिविरों का आयोजन किया जाएगा। मेडिकल बस शिविर के प्रभारी संजय गुप्ता ने बताया कि संबंधित तारिख को उक्त स्थान के जरूरतमंद लोग शिविर में पहुंचकर आई टेस्टिंग एंड ट्रीटमेंट, डेंटल टेस्टिंग एंड ट्रीटमेंट, ईएनटी टेस्टिंग एंड ट्रीटमेंट, पैथोलॉजिकल लैबोरेट्री की सुविधा, जनरल ओपीडी, ईसीजी एवं एक्सरे की सुविधा का लाभ इस मोबाइल मेडिकल बस के माध्यम से नि:शुल्क ले सकते हैं। शिविर में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच आनंदलोक हॉस्पिटल के सहयोग से किया जा रहा है। मालूम हो कि पिछले 10 दिनों में इस बस सेवा के माध्यम से 8 शिविरों का आयोजन किया जा चुका है, जिसका लाभ करीब 1500 लोगों को मिल चुका है।

ठगी के आरोप में एक युवती समेत दो युवक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। चिकनी-चुपड़ी बातों में उलझाकर लोगों को ठगने के आरोप में दो युवकों और एक युवती को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया है कि गुवाहाटी में दो युवकों और एक युवती को भांगागढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवकों की पहचान गीतानगर निवासी ज्योतिष लहकर और नगालैंड निवासी राजेश मंडल शामिल है। पुलिस ने धोखाधड़ी करने वाले गिरोह को उदालबाकरा से गिरफ्तार किया है। शिकायत के मुताबिक, यह तीनों जालसाज काफी लोगों को ठग रहे थे। फिलहाल लड़की को पानबाजार महिला थाने में रखा गया है, जबकि दोनों युवकों को भांगागढ़ थाने में रखा गया है। दरअसल, कुछ दिन पहले पलटन बाजार थाने में मोबाइल चोरी के एक मामले में गिरफ्तार महिला का नाम सामने आया था। लड़की पर आरोप है कि उसने रियल एस्टेट के कारोबार में शामिल होने की बात कहकर लोगों से पैसे लिए। तीन जालसाज एक शराब की दुकान से एक लाख रुपए लेकर फरार हो गए थे। कारोबारी ॠषिराज सैकिया ने 7 फरवरी को भांगागढ़ थाने में जालसाज गिरोह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। गढ़चुक थाना, दिसपुर थाना समेत शहर के कई थानों में इस गिरोह के विरुद्ध मामले दर्ज किए गए हैं। ठगबाजों पर अन्य कई मामलों में ठगी का आरोप लगाया गया है। इन ठगबाजों पर कई व्यवसायियों के लूटने का भी आरोप लगा है।

जेसीआई, अचीवर्स के आतिथ्य में प्रेसिडेंशियल अकाडमी कार्यशाला शुरू

Welcome you to
Junior Chamber International, India
Presidential Academy 2023
MEDICITY GUWAHATI

गुवाहाटी। जेसीआई गुवाहाटी अचीवर्स के आतिथ्य में राष्ट्रीय स्तर कार्यक्रम के अंतर्गत आज से तीन दिवसीय 'प्रेसिडेंशियल अकाडमी' कार्यशाला का शुभारंभ शुक्रवार से हुआ। जेसीआई अचीवर्स के अध्यक्ष मृदुल डेका ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर की इस कार्यशाला में जोन-25 व जोन-3 से 50 से अधिक शाखाओं के अध्यक्ष इसमें हिस्सा ले रहें हैं। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य वक्ता दीपक नहार के अलावा सह वक्ता विशाल सेठ, मनिष खाटुवाला व चेयरमैन भारथ एन आचार्य, जेसीआई जोन-25 के अध्यक्ष बिजय कुमार अग्रवाल व जेसीआई जोन-3 के अध्यक्ष अभिनव चौरसिया, कार्यक्रम संयोजक कृष्णा मिमानी सहित जून 25 के पूर्व अध्यक्षों की उपस्थिति में कार्यशाला का विधिवत उद्घाटन किया गया। जेसीआई अचीवर्स के अध्यक्ष मृदुल डेका ने अपने स्वागत संबोधन में सभी अतिथियों सहित शाखा अध्यक्षों का स्वागत किया। तत्पश्चात मुख्य वक्ता दीपक नहार, चेयरमैन भारथ एन आचार्य, जेसीआई जोन-25 के अध्यक्ष बिजय कुमार अग्रवाल व जेसीआई जोन-3 के अध्यक्ष अभिनव चौरसिया ने भी उद्घाटन सत्र को भी संबोधित किया। इस इस मौके पर श्वेता सोमानी, राजेश गंगवाल, यमली पाड़ू, ॠषभ जैन, ईशा गंगवाल, गुंजन हरलालका, दीपक भजनका सहित जेसीआई के कई अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे। कार्यकर्म संयोजक मिमानी ने बताया कि जेसीआई अचीवर्स के आतिथ्य में पहली बार जोन 25 में आयोजित हो रही 'प्रेसिडेंशियल अकाडमी' कार्यशाला के दौरान उपस्थित 50 से अधिक जेसीआई शाखा अध्यक्षों को विभिन्न तरह के प्रशिक्षण के अलावा कई महत्वपूर्ण एवं बारीकी जानकारी प्रदान की जाएगी, जो आगे चलकर उनके सफल कार्यकाल की एक नई इबादत लिखने में कामयाब रहेगी। निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. सरोज तिवारी ने बताया कि इस कार्यशाला में हिस्सा लेने के लिए असम सहित पूर्वोत्तर के अलावा कोलकाता, रांची, उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न स्थानों से शाखा अध्यक्ष पहुंचे हैं। जेसीआई अचीवर्स की सचिव डॉ. रेश्मा अग्रवाल ने बताया कि समापन समारोह के मौके पर 19 फरवरी को जेसीआई इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमके कार्थिके मौजूद रहेंगे। जेसीआई अचीवर्स के कोषाध्यक्ष शुभम हरलालका ने बताया कि कार्यशाला को सफल बनाने में सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

जेएसएल-एनएफआर पूर्वोत्तर हाफ मैराथन 26 फरवरी को दार्जिलिंग में धूम मचाने को तैयार

JSL NFR NorthEast Half Marathon
26th Feb 2023, Darjeeling

गुवाहाटी (विभास)। बीते 5 फरवरी को गुवाहाटी में पहले हॉफ मैराथन दौड़ की बड़ी सफलता के बाद, जेएसएल एनएफआर नॉर्थईस्ट हॉफ मैराथन अब 26 फरवरी, 2023 को दार्जिलिंग हिल्स में धूम मचाने को तैयार है। गुवाहाटी के पूर्वोत्तर हॉफ मैराथन में पूरे भारत के साथ-साथ विदेशों से करीब 7000 धावकों ने भाग लिया। पूर्वोत्तर के विकास और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप पूसी रेल ने जेएसएल एनएफआर एनई हाफ मैराथन श्रृंखला के आयोजन के लिए इनोवेशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया है। हॉफ मैराथन का उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत में खिलाड़ियों का सशक्तिकरण और खेल के बुनियादी ढांचे का विकास करना है। दार्जिलिंग में हॉफ मैराथन की आधिकारिक घोषणा के लिए 10 फरवरी, 2023 को प्रतिष्ठित दार्जिलिंग रेलवे स्टेशन पर एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया गया था। कटिहार के मंडल रेल प्रबंधक एस. के. चौधरी ने हॉफ मैराथन के क्यूरेटर कैप्टन राहुल बाली के साथ मैराथन, पुरस्कार राशि और ट्रॉफी के बारे में जानकारी दी थी। संवाददाता सम्मेलन में प्रसिद्ध पर्वतारोही जैमलिंग तेनजिंग नोर्गे (महान तेनजिंग नोर्गे के सुपुत्र), हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट के प्राचार्य जीपी कैप्टन जय किशन, दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे के निदेशक प्रियांशु और सेलिब्रिटी मैराथन रनर तथा विकरन फाउंडेशन के संस्थापक विक्रम राय भी उपस्थित थे। पूरे पूर्वोत्तर भारत में खिलाड़ियों को सशक्त बनाने और पूर्वोत्तर भारत में खेल गतिविधियों के विकास के उद्देश्य से यह पूर्वोत्तर हॉफ मैराथन आयोजित की जा रही है। दार्जिलिंग में इस हॉफ मैराथन की खास बात यह है कि खिलाड़ियों को सशक्त बनाने के अलावा, यह माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाले पहले व्यक्ति - महान तेनजिंग नोर्गे को श्रद्धांजलि होगी क्योंकि विश्व के सर्वोच्च शिखर को जीतने के 70 साल का जश्न पूरी दुनिया मना रही है। जेएसएल एनएफआर नॉर्थईस्ट हॉफ मैराथन निश्चित रूप से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों खेल मंचों पर दार्जिलिंग को सुर्खियों में लाएगी क्योंकि भारत और दुनिया भर से बड़ी संख्या में धावकों ने पहले ही भागीदारी के लिए पंजीकरण किया है। यह उत्तर बंगाल और सिक्किम क्षेत्रों के खिलाड़ियों के लिए भी एक शानदार अवसर है। दुनिया के सभी हिस्सों से लगभग 2000 धावकों के भाग लेने की उम्मीद है। विजेताओं को ट्रॉफी, पदक और प्रशस्ति प्रमाण पत्र के अलावा 6.5 लाख रुपए के पुरस्कार दिए जाएंगे। जेएसएल एनएफआर नॉर्थईस्ट हॉफ मैराथन न केवल पूर्वोत्तर भारत के खिलाड़ियों को सशक्त बनाएगी, बल्कि उनके समग्र विकास के लिए तालमेल का सृजन करेगी। यह वास्तव में राष्ट्र निर्माण की दिशा में पूसी रेल द्वारा एक शानदार पहल है। पूर्वोत्तर हॉफ मैराथन से संबंधित एक वेबसाइट ऑनलाइन पंजीकरण के लिए तैयार की गई है।

SHORT TENDER NOTICE

Tender No. Gene/ CAMPA/22-23

Sealed Tender affixing Court Fee for Rs.8.25 (Rupees eight and paise twenty five) only are hereby invited from the reputed and experienced Government registered contractor against the following works/supply against the following item. The details may be seen in the bid document available in the office of the Genetic Cell Division, Basistha, Guwahati-29 by depositing Rs.500/-as Demand Draft pledged to the undersigned during the office hour of working day. Tender will be received by the undersigned on or before 28th Feb, 2023 up to 3.00 P.M.(IST) and will be opened in the same day in presence of Tenderers at 3.30 PM(IST).In case the date of opening of tender is a Govt. holiday the tenders will be opened on the next working day. The rates should be put including all taxes as admissible. The intending bidders shall) quote the rate in rupees (words) against the value works.

Particulars	Value (Rs.)
Creation of Study plot for selected Garcinia species at Rani, Jarasal R.f. under Western Assam Genetic Range.	**Rs. 8,00,,000.00**

Divisional Forest Officer
Genetic Cell Division, Assam
Basistha, Guwahati-29.

-- Janasanyog /C/20283/22

भारत ने चीन-पाकिस्तान सीमा के लिए लेफ्टिनेंट जनरल राशिम बाली को बनाया नया कमांडर

- दोनों देशों की उच्च ऊंचाई वाली पहाड़ी सीमा क्षेत्र की देखभाल करती है "फायर एंड फ्यूरी" कॉर्प्स
- भारतीय सेना में बड़े पैमाने पर फेरबदल, अब वाइस चीफ होंगे लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचेंद्र कुमार

RASHIM BALI

नई दिल्ली, (हि.स.)। चीन से तनाव के बीच लद्दाख में भारत ने अपना कमांडर बदल दिया है। चीन और पाकिस्तान दोनों सीमाओं की देखभाल करने वाली लेह स्थित फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स के नए कमांडर के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल राशिम बाली को नियुक्त किया गया है। इसके अलावा भारतीय सेना में बड़े पैमाने पर आंतरिक फेरबदल किया गया है। कई बड़े पदों में बदलाव किये जाने के क्रम में लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचेंद्र कुमार को भारतीय सेना का नया उप-प्रमुख नियुक्त किया गया है। लद्दाख सेक्टर में कारगिल सेक्टर और पूर्वी लद्दाख सेक्टर दोनों शामिल हैं, जहां पिछले दो दशकों में काफी आक्रामकता देखने को मिली है। लेह स्थित फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स चीन और पाकिस्तान के साथ उच्च ऊंचाई वाली पहाड़ी सीमा की देखभाल के लिए जिम्मेदार है। इस कॉर्प्स के पास सियाचिन क्षेत्र की भी जिम्मेदारी है, जो दुनिया का सबसे ऊंचा और सबसे ठंडा युद्धक्षेत्र है। सीमा विवाद को लेकर भारत और चीन लम्बे समय से सैन्य गतिरोध की स्थिति में हैं। लेफ्टिनेंट जनरल राशिम बाली को लेह, लद्दाख में मुख्यालय "फायर एंड फ्यूरी" कोर के अगले कोर कमांडर के रूप में नियुक्त किया गया है। सेना में किये गए आंतरिक फेरबदल में मौजूदा उप-प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल बीएस राजू को सेना की दक्षिण पश्चिमी कमान के कमांडर के रूप में स्थानांतरित कर दिया गया है। बीएस राजू लेफ्टिनेंट जनरल एएस भिंडर का स्थान लेंगे, जो 28 फरवरी को दक्षिण पश्चिमी सेना कमान के प्रमुख के पद से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। लेफ्टिनेंट जनरल राजू का सेना के उप-प्रमुख के रूप में कार्यकाल केवल 10 महीने का था। जनरल मनोज पांडे के सेना प्रमुख बनने के बाद उन्होंने पिछले साल एक मई को उप-प्रमुख के रूप में पदभार संभाला था। बीएस राजू की जगह पर लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचेंद्र कुमार को भारतीय सेना का नया उप-प्रमुख नियुक्त किया गया है। लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचेंद्र कुमार मौजूदा समय में सेना के उप-प्रमुख (रणनीति) हैं। इससे पहले उन्होंने जम्मू-कश्मीर में व्हाइट नाइट कोर के कमांडर सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारी संभाली है। जनरल कुमार को जून, 1985 में असम रेजिमेंट में कमीशन मिला था। इसके बाद उन्होंने 59 राष्ट्रीय राइफल्स (असम रेजिमेंट), इन्फैंट्री ब्रिगेड के साथ पाकिस्तान सीमा पर इन्फैंट्री डिवीजन की कमान संभाली। उन्होंने रक्षा मंत्रालय के थल सेना मुख्यालय में मिलिट्री इंटेलिजेंस के डायरेक्टर, अतिरिक्त महानिदेशक समेत कई अहम स्टाफ नियुक्तियों में जिम्मेदारी संभाली है। साल 2021 में उन्होंने असम रेजिमेंट और अरुणाचल स्काउट्स रेजिमेंट कर्नल ऑफ द रेजिमेंट की जिम्मेदारी भी संभाली है। इसके अलावा लेफ्टिनेंट जनरल एनएसआर सुब्रमणि को सेना के कमांडर के पद पर पदोन्नत किया गया है। वह लखनऊ में सेना की मध्य कमान के नए कमांडर होंगे। वह वर्तमान में उत्तरी कमान में चीफ ऑफ स्टाफ हैं। सुब्रमणी इन्फैंट्री अधिकारी हैं और एक सख्त टास्क मास्टर के रूप में जाने जाते हैं। मध्य कमान के पास उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा की देखभाल करने की जिम्मेदारी है।

शिवसेना विवाद में उद्धव ठाकरे गुट को फिलहाल राहत देने से संविधान बेंच का इनकार

-सुप्रीम कोर्ट में 21 फरवरी को शिवसेना विवाद के मेरिट मामले पर होगी सुनवाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान बेंच महाराष्ट्र में शिवसेना विवाद मामले में उद्धव ठाकरे गुट को फिलहाल कोई भी राहत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि वो नबाम रेबिया फैसले की तुरंत समीक्षा नहीं करेगा। कोर्ट ने नबाम रेबिया केस की समीक्षा की मांग नहीं मानी। कोर्ट ने 2016 के पांच जजों के संविधान पीठ के फैसले को सात जजों में भेजने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि मामले को सात जजों के पास भेजा जाए या नहीं, ये केस की मेरिट पर सुनवाई के दौरान तय करेंगे। कोर्ट 21 फरवरी को शिवसेना विवाद के मेरिट के मामले पर सुनवाई करेगा। कोर्ट ने 16 फरवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने 23 अगस्त, 2022 को शिवसेना का मामला 5 जजों की संविधान बेंच को सौंप दिया था। संविधान बेंच में जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस एमआर शाह, जस्टिस कृष्ण मुरारी, जस्टिस हीमा कोहली और जस्टिस पीएस नरसिम्हा शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान बेंच ने 27 सितंबर, 2022 को उद्धव गुट की याचिका खारिज करते हुए पार्टी के चुनाव चिह्न को लेकर निर्वाचन आयोग की कार्रवाई रोकने से इनकार कर दिया था। इससे पहले तत्कालीन चीफ जस्टिस एनवी रमना की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय बेंच ने कहा था कि संविधान बेंच तय करेगी कि क्या स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव लंबित हो, तो वह अयोग्यता पर सुनवाई कर सकते हैं। पार्टियों के आंतरिक लोकतंत्र और उसमें चुनाव आयोग की भूमिका पर भी संविधान बेंच विचार करे।

बजरंग दल पर झूठे आरोपों से बाज आएं, गहलौत सरकार मांगे माफी: सुरेंद्र जैन

CONSTITUTION CLUB

नई दिल्ली, (हि.स.)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय संयुक्त महासचिव डॉ सुरेंद्र जैन ने शुक्रवार को कहा है कि हरियाणा के लोहारू में एक जली हुई गाड़ी में नर कंकालों का मिलना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह आग किसी दुर्घटना में लगी है या किसी ने लगाई है, अभी इस पर जांच होनी बाकी है। गाड़ी राजस्थान की है लेकिन कंकाल किसके हैं, यह भी अभी जांच का विषय है। मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को सजा मिलनी ही चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान के भरतपुर जिले के दो गौ तस्कर लापता हैं, जिन पर गौ तस्करी के अनेक मामले पहले से चल रहे हैं। एक तस्कर के भाई ने बजरंग दल के कुछ चर्चित नामों के बारे में संदेह व्यक्त किया है। ऐसा लगता है कि बिना प्रारंभिक जांच के, राजस्थान पुलिस यह मान बैठी है कि उसके भाइयों द्वारा लिए गए नाम ही इस घटना के लिए जिम्मेदार हैं। दुर्भाग्यपूर्ण रूप से इस कांड में बजरंग दल का नाम अनावश्यक रूप से लिया जा रहा है। इस तरह के मामलों में राजस्थान सरकार की भूमिका वोट बैंक की राजनीति से हमेशा प्रभावित रही है, यह कई मामलों में पहले भी सिद्ध हो चुका है। एक राजनैतिक एजेंडे के तौर पर भी बजरंग दल का नाम अनावश्यक रूप से घसीटा जा रहा है, जिसे किसी भी तरह से उचित नहीं माना जा सकता। राजनैतिक पूर्वाग्रह से ग्रस्त राजस्थान सरकार से न्याय की अपेक्षा वहां का समाज में नहीं करता। इसलिए विहिप की मांग है कि इस मामले की सीबीआई जांच हो, जांच पूरी होने तक किसी व्यक्ति को केवल इस आधार पर गिरफ्तार न किया जाए कि उसका नाम गौ तस्कर के भाई ने लिया है, जांच पूरी होने पर दोषियों को कठोर सजा हो और बजरंग दल का नाम अनावश्यक रूप से लेने की दोषी राजस्थान सरकार इस झूठे आरोप के लिए माफी मांगे।

डीए की मांग पर धरने पर बैठे शिक्षकों को मंत्री ने दी धमकी

कोलकाता, (हि.स.)। महंगाई भत्ता (डीए) की मांग पर पिछले पांच दिनों से धरने पर बैठे शिक्षकों को ममता कैबिनेट में मंत्री उदय गुहा ने धमकी दी है। कर्मचारियों ने आगामी 20 और 21 फरवरी को दो दिनों के कार्य विराम की घोषणा की है। उस दिन राज्य भर के सरकारी दफ्तरों में कामकाज बंद रखने की चेतावनी दी गई है। इसे लेकर मंत्री उदयन गुहा ने फेसबुक पर एक पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा है कि अगर आप 20-21 को नहीं आएंगे तो 22 से घर पर बैठिएगा। उनका इशारा इस ओर था कि अगर दो दिनों का कार्य विराम होगा तो उसमें शामिल होने वाले लोगों को नौकरी से हटा दिया जाएगा। इसे लेकर आंदोलनरत शिक्षकों का और अधिक रोष बढ़ रहा है। दरअसल कोर्ट के आदेश के बावजूद ममता बनर्जी की सरकार महंगाई भत्ता नहीं दे रही। बजट में तीन फीसदी डीए देने की घोषणा की गई है लेकिन कर्मचारी इसे मानने को तैयार नहीं हैं और कह चुके हैं कि उन्हें भीख नहीं चाहिए। उसके बाद 20 और 21 फरवरी को दे दिनों के कार्य विराम की घोषणा आंदोलनरत कर्मचारियों ने की है जिसे लेकर चिंता बढ़ रही है।

अर्पिता और कुंतल का दावा : पार्थ ही हैं शिक्षक नियुक्ति भ्रष्टाचार के मास्टरमाइंड

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित शिक्षक नियुक्ति भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी ही पूरी साजिश के मास्टरमाइंड हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की पूछताछ में इस मामले में पार्थ के साथ ही गिरफ्तार उनकी महिला मित्र अर्पिता मुखर्जी और हाल ही में गिरफ्तार तृणमूल युवा नेता कुंतल घोष दोनों ने यही दावा किया है। इस संबंध में ईडी ने अपनी चार्जशीट में पहले ही बताया था कि अर्पिता ने केंद्रीय एजेंसी की पूछताछ में स्वीकार कर लिया है कि उसके घर से बरामद हुए 50 करोड़ रुपये और पांच किलो से अधिक सोने के गहने किसी और के नहीं बल्कि पार्थ चटर्जी के ही हैं। इधर एक दिन पहले ही कुंतल से एक बार फिर ईडी अधिकारियों ने पूछताछ की थी। उसने भी बताया है कि कम से कम 15.5 करोड़ रुपये पार्थ चटर्जी के पीए को दिया है। जो 50 करोड़ रुपये नगदी पार्थ और अर्पिता के संयुक्त फ्लैट से बरामद किए गए थे उसमें से 15.5 करोड़ वही थे जो कुंतल ने दिए थे। ईडी सूत्रों ने बताया है कि एक बार फिर पार्थ चटर्जी से इस बारे में पूछताछ होगी। गिरफ्तारी के समय पार्थ चटर्जी तृणमूल कांग्रेस के राज्य महासचिव थे और पार्टी के फंड तथा वित्तीय लेनदेन की जिम्मेदारी भी उन्हीं की थी। यह भी पता चला है ना केवल पार्थ बल्कि तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को इस बारे में पता था कि शिक्षक नियुक्ति मामले में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। सभी की सहमति और मिली-जुली की वजह से नियुक्ति भ्रष्टाचार की साजिशे रची गई है और उसी साजिश के अनुसार अतिरिक्त पद सृजित कर लोगों को शिक्षक के तौर पर नियुक्त किया गया है।

मोदी सरकार ने छोटे, मध्यम और मझौले उद्योग का नुकसान पहुंचाया, जिससे देश में बेरोजगारी बढ़ी: कांग्रेस

अपने पूंजीपति मित्रों को पहुंचाया गया लाभ

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस ने मोदी सरकार पर आरोप लगाया है कि सरकार ने देश में छोटे, मध्यम और मझौले उद्योग की मदद न कर देश में बेरोजगारी की समस्या बढ़ा ली है। कांग्रेस ने दावा किया है कि पूंजीपतियों को ज्यादा फायदा करने लिए सरकार ने इस क्षेत्र के उद्योगों का नुकसान किया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया है कि, मोदी सरकार ने अपने मित्र पूंजीपतियों को ज्यादा फायदा करने के लिए देश के 12 करोड़ लोगों को रोजगार देने वाले माइक्रो, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को नुकसान पहुंचाया है। परिणाम आपके सामने हैं कि देश में पिछले 9 सालों में बेरोजगारी की समस्या बढ़ी है और करोड़ों परिवारों को आर्थिक चोट लगी है।

जयराम ने रिपोर्ट साझा की, जिसमें दावा किया गया है कि कंसोर्टियम ऑफ इंडियन एसोसिएशंस (सीआईए) के सर्वे में शामिल 72 फीसदी उद्यमियों ने कहा कि बीते पांच साल में उनका कारोबार या तब स्थिर रहा या उसमें गिरावट आई। सर्वे में शामिल करीब 1 लाख उद्यमियों में से सिर्फ 28 प्रतिशत ने कहा कि बिजनेस बढ़ रहा है। वहीं 76 फीसदी उद्यमियों ने कहा कि वे मुनाफा नहीं कमा पा रहे हैं। 45 फीसदी की राय है कि एमएसएमई पर केंद्र सरकार के फोकस के बावजूद उनके लिए बिजनेस आसान नहीं हुआ। हालांकि 21 प्रतिशत ने ये भी कहा कि कोविड के दौरान मोदी सरकार ने एमएसएमई को पर्याप्त सपोर्ट किया। उद्यमियों ने बिजनेस न बढ़ने के जो बड़े कारण दिए उसमें, 79 फीसदी उद्यमियों के मुताबिक बैंकों से लोन मिलना अब भी बड़ी चुनौती है।

एयर इंडिया को 470 विमानों के लिए 6,500 से ज्यादा पायलटों की होगी जरूरत

नई दिल्ली/मुंबई, (हि.स.)। निजी क्षेत्र की विमानन कंपनी एयर इंडिया को आने वाले समय में 6,500 से अधिक पायलटों की जरूरत होगी। एयरलाइंस कंपनी एयरबस और बोइंग से 470 विमानों को खरीदने जा रही है। एयरलाइन ने अपने संचालन और बेड़े का विस्तार के लिए कुल 840 विमानों का ऑर्डर दिया है, जिसमें 370 विमानों को खरीदने का विकल्प शामिल है। यह किसी एयरलाइन कंपनी का दिया गया सबसे बड़ा विमान ऑर्डर है। सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया को आने वाले समय में 6,500 से अधिक पायलटों की जरूरत होगी। एयरलाइन ने अपने संचालन और बेड़े के विस्तार के लिए कुल 840 विमानों का ऑर्डर दिया है, जिसमें 370 विमानों को खरीदने का विकल्प शामिल है। फिलहाल एयर इंडिया के पास अपने 113 विमानों के बेड़े को संचालित करने के लिए करीब 1,600 पायलट हैं। जानकारी के मुताबिक एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, विस्तारा और एयरएशिया इंडिया के पास कुल मिलाकर 220 विमानों के संयुक्त बेड़े को संचालित करने के लिए 3,000 से ज्यादा पायलट हैं। उल्लेखनीय है कि इसी हफ्ते एयर इंडिया ने फ्रांस की विमान निमार्ता कंपनी एयरबस से 250 विमान खरीदने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। एक ऑनलाइन बैठक के दौरान हुए समझौते पर सहमति के बाद टाटा सन्स के प्रमुख एन चंद्रशेखरन ने इसकी जानकारी दी थी। इस बैठक में अन्य लोगों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों भी मौजूद थे। टाटा समूह ने पिछले साल जनवरी में एयर इंडिया का अधिग्रहण किया था, जिसके बाद से एयरलाइन कंपनी को आगे बढ़ाने के लिए कवायद कर रही है। हाल के दिनों में चालक दल की कमी के कारण उड़ानें रद्द या विलंबित होने की खबरें सामने आई हैं।

महरौली में डीडीए विध्वंस से कई लोग प्रभावित

अजय त्यागी

नई दिल्ली। महरौली में हाल ही में डीडीए के विध्वंस अभियान से प्रभावित परिवारों के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मदद के हाथ बढ़ाए हैं। उन्होंने दक्षिण जिला प्रशासन को विध्वंस अभियान से प्रभावित परिवारों को टेंट भोजन और अन्य जरूरी सुविधाएं प्रदान करने का निर्देश दिया है। वहीं उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दो दिन पहले दिल्ली विकास प्राधिकरण को अगले आदेश तक महरौली और लाधा सराय गांवों में विध्वंस रोकने का निर्देश दिया है। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि सीएम केजरीवाल ने प्रभावित परिवारों को टेंट भोजन और कंबल के साथ अन्य मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने जिला प्रशासन को तुरंत कार्रवाई करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि किसी भी परिवार को परेशानी न हो। राजस्व मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि लाधा सराय में महरौली पुरातत्व पार्क के सीमांकन का मामला तब सामने आया जब उन्हें क्षेत्र के दो निवासियों द्वारा हस्ताक्षरित एक ज्ञापन मिला। उन्होंने कहा कि मैंने 10 फरवरी को डीएम (दक्षिण) के साथ एक बैठक की जब मुझे सूचित किया गया कि सीमांकन दिसंबर 2021 में डीडीए के अनुरोध पर किया गया था। मंत्री ने कहा कि उन्हें यह भी बताया गया कि प्रभावित लोगों को सीमांकन के बारे में सूचित नहीं किया गया था।अधिकारियों के मुताबिक डीडीए ने कथित अतिक्रमणों को गिराने के लिए राजस्व विभाग के सीमांकन को आधार बनाया था। दिल्ली सरकार ने 11 फरवरी को क्षेत्र में एक नए सीमांकन अभ्यास की घोषणा की।

वहीं भाजपा ने आम आदमी पार्टी द्वारा किए गए सीमांकन को लेकर कैलाश गहलोत से इस्तीफे की मांग की। बता दें कि डीडीए ने 10 को महरौली पुरातत्व पार्क क्षेत्र में विध्वंस अभियान चलाया था जिसके बाद स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था। विध्वंस अभियान दक्षिण दिल्ली में प्रस्तावित जी20 बैठक से एक महीने पहले आया था। अधिकारियों के अनुसार इस क्षेत्र में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण राज्य पुरातत्व विभाग और डीडीए के संरक्षण में लगभग 55 स्मारक हैं।

पूर्व राज्यपाल डॉ. अजीज कुरैशी को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं, हाई कोर्ट जाने को कहा

- उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामला

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड के पूर्व राज्यपाल डॉ. अजीज कुरैशी को कोई राहत नहीं दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कुरैशी को अपने खिलाफ यूपी में दर्ज एफआईआर रद्द करने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट जाने को कहा। अजीज कुरैशी ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तुलना शैतान से की थी, जिसके बाद रामपुर में एफआईआर दर्ज हुई थी। कुरैशी ने इसी एफआईआर को निरस्त करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इसके पहले अजीज कुरैशी ने एफआईआर निरस्त करने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कुरैशी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट से याचिका वापस ले ली थी और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट ने कुरैशी को दोबारा इलाहाबाद हाईकोर्ट जाने को कहा है।

अमेरिकी उद्यमी जॉर्ज सोरोस के बयान की भाजपा ने की कड़ी आलोचना

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता व केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने शुक्रवार को अमेरिकी अरबपति के म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में दिए बयान की कड़ी आलोचना की। उन्होंने देशवासियों से अपील की कि भारतीय लोकतंत्र में हस्तक्षेप की गलत मंशा के खिलाफ खड़े हों। केन्द्रीय मंत्री ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि अंतरराष्ट्रीय उद्यमी जॉर्ज सोरोस ने भारतीय लोकतंत्र प्रक्रिया में गलत मंशा के साथ हस्तक्षेप करने की घोषणा की है। उनकी यह मंशा स्पष्ट बताती है कि वे भारतीय लोकतंत्र को ध्वस्त कर अपने चुने हुए नुमाइंदों से देश चलाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सोरोस जिन्हें अपने हिसाब से चलाने के लिए बढ़ावा देना चाहते हैं, उन्हें स्पष्ट संदेश है कि देश ने औपनिवेशिक जालसाजी को पहले भी परास्त किया है और आगे भी करेगा। ईरानी ने कहा, आज एक नागरिक के रूप में मैं प्रत्येक व्यक्ति, संगठन और समाज से आह्वान करती हूं कि वे इस व्यक्ति की मंशा की निंदा करें जो अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए हमारे लोकतांत्रिक हितों को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज जॉर्ज सोरोस को हम एकसुर में यह जवाब दें कि लोकतांत्रिक परिस्थितियों में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार और हमारे प्रधानमंत्री ऐसे गलत इरादों के सामने सिर नहीं झुकाएंगे। हमने विदेशी ताकतों को पहले भी हराया है, आगे भी हराएंगे। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को सोरोस ने भविष्यवाणी की कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद अडानी समूह के कथित पतन और गौतम अडानी के साथ प्रधानमंत्री मोदी के कथित संबंध के चलते सरकार कमजोर हो जाएगी, जो देश में एक लोकतांत्रिक पुनरुद्धार के लिए दरवाजा खोलेगी।

मप्र में शासकीय चिकित्सकों की हड़ताल समाप्त, मंत्री सारंग के आश्वासन के बाद सभी डॉक्टर काम पर लौटे

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश में आज से शुरू हुई शासकीय चिकित्सकों की अनिश्चित कालीन हड़ताल समाप्त हो गई है। शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को हड़ताल कर रहे चिकित्सा महासंघ के पदाधिकारियों से मुलाकात की।मंत्री विश्वास सारंग ने जानकारी दी कि उन्होंने तय समय सीमा में मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया गया है। इसके लिए एक हाई पावर कमेटी बनाई जाएगी। इस आश्वासन के बाद डॉक्टरों ने प्रदेशव्यापी हड़ताल खत्म करने का निर्णय लिया है। दरअसल, प्रदेशभर में 13 हजार शासकीय डॉक्टर आज से हड़ताल पर चले गए थे। हड़ताल के कारण राजधानी भोपाल सहित अन्य सभी जगहों पर चिकित्सा व्यवस्था चरमरा गई। स्थिति को बिगड़ता देख राज्य सरकार तत्काल एक्शन में आई और मंत्री विश्वास सारंग महासंघ के प्रतिनिधियों से बात करने पहुंचे। मुलाकात के दौरान मंत्री सारंग ने आश्वासन दिया है कि समिति महासंघ की मांग को लेकर सुझाव देगी। सरकार समय सीमा में सभी सुझावों पर विचार कर लागू करेगी। इस समिति में महासंघ में शामिल सभी विभागों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। डॉक्टरों से मुलाकात के बाद मंत्री सारंग ने कहा, "मैं चिकित्सा महासंघ को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने हड़ताल को खत्म करने का फैसला लिया है। चिकित्सा महासंघ के पदाधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान हाई पावर समिति के गठन का निर्णय लिया गया है। यह समिति चिकित्सकों की मांगों पर विचार कर सरकार को रिपोर्ट सौंपेगी। सरकार समिति के सुझावों पर विचार कर समयसीमा में निर्णय लेगी। उन्होंने बताया कि समिति में चिकित्सा महासंघ के तीन प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। महासंघ में विभिन्न विभागों का प्रतिनिधित्व भी रहेगा। इस वजह से हाई पावर समिति में महासंघ के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार संवाद करने वाली सरकार है। कोरोना के समय में डॉक्टरों ने बहुत अच्छा काम किया था। प्रदेश की चिकित्सा व्यवस्था में कहीं कोई दिक्कत नहीं आई है। सभी डॉक्टर काम कर रहे हैं। मरीजों का इलाज निरंतर जारी है। महासंघ की मांगों को लेकर हम हाईपावर कमेटी बना रहे हैं। कमेटी जो भी सुझाव देगी उसे माना जाएगा। मध्य प्रदेश शासकीय /स्वशासी चिकित्सक महासंघ के मुख्य संयोजक राकेश मालवीय ने कहा कि अभी तक हमारी सरकार से बातचीत नहीं हो पाई थी, लेकिन आज हमारी चिकित्सा शिक्षा मंत्री से बातचीत हुई है। उन्होंने हमारी एक मीटिंग मुख्यमंत्री के साथ भी फिक्स करवाई है। हमें आश्वासन मिला है कि आज शाम तक हाई पावर कमिटी के लिए ऑर्डर जारी कर दिए जाएंगे। 1-2 हफ़्ते में कमेटी का निर्माण भी हो जाएगा। हमारी जो दो मुख्य माँगे हैं पहली डीएसीपी और दूसरी सरकारी प्रतिनिधियों का दखलंदाजी, उन दोनों पर कमेटी के निर्माण की सहमति बनी है। इसलिए हड़ताल स्थगित की जा रही है। हम इंतजार करेंगे कि हमारी माँगे कब तक पूरी होती है।

भाजपा सरकार जनता का ध्यान भटका रही : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने मुख्यमंत्री योगी के हिन्दू राष्ट्र वाले बयान पर पलटवार किया है। मायावती ने शुक्रवार को अपने अधिकारिक ट्वीटर हैंडल से ट्वीट कर उन्होंने कहा कि देश के अति-मानवतावादी संविधान पर गर्व व उस पर निष्ठापूर्वक अमल करके जनकल्याण करने के बजाए भाजपा का यूपी निकाय चुनाव से पूर्व इसके हिन्दू राष्ट्र होने सम्बंधी बयान बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई आदि की भीषण समस्याओं व सरकारी विफलताओं से लोगों का ध्यान बांटने का छल/छलावा करने वाला है। उन्होंने आगे कहा कि संविधान की शपथ लेकर उच्च संवैधानिक पद पर बैठने वाले लोगों को ऐसी घोर स्वार्थ की राजनीति शोभा नहीं देती। जो सरकार संविधान के मान-मयार्दा की परवाह न करके अपने शपथ का खुल्लमखुल्ला उल्लंघन करे उस राज में जनहित व जनसंतोष कैसे संभव? चुनावी स्वार्थ की अति राजनीति घातक होती है। मायावती ने इस बीच, यूपी में बीएसपी को हर स्तर पर मजबूत करने तथा पार्टी के जनाधार को शहर-शहर व गांव-गांव में बढ़ाने के साथ ही यहां स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारी आदि के सम्बंध में पिछले कई दिनों से हो रही कुछ मण्डलों की समीक्षा बैठकों में कमियों को दूर करने के जरूरी दिशा-निर्देश दिए हैं। विदित हो कि हिन्दू राष्ट्र वाला यह बयान मुख्यमंत्री योगी ने एक चैनल के शिखर सम्मेलन में दिया था। जिसके बाद इस पर सियासी बयानबाजी शुरू हो गई है।

मुख्यमंत्री और राज्यपाल ने पुष्प एवं शाकभाजी प्रदर्शनी का किया शुभारम्भ

– राजभवन में शुरू हुई तीन दिवसीय 54वीं शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने शुक्रवार को राजभवन प्रांगण में शुक्रवार को शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने स्मारिका का विमोचन किया। इसके बाद उत्कृष्ट खेती करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शाकभाजी की खेती में किसान अधिक कमाई कर सकते हैं। यहां ऐसे किसान भी मौजूद हैं जिन्होंने एक हेक्टेयर में 19 लाख रुपये की कमाई की है। यह सामान्य बात नहीं है। कृषि जीडीपी में भी हमारे किसानों का बड़ा योगदान है। उप्र कृषि प्रधान राज्य है। प्रदेश के पास देश की 11 फीसदी कृषि योग्य भूमि है। अन्न की पैदावार देश का 20 फीसदी है। यह प्रदर्शनी किसानों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर है। उद्यान विभाग को धन्यवाद और राज्यपाल का हृदय से आभार एवं अभिनंदन करता हूं। उल्लेखनीय है कि यह प्रदर्शनी राजभवन में हर साल लगाई जाती है। तीन दिवसीय प्रदर्शनी के पहले दिन मदन पाण्डेय, पुष्पेन्द्र सिंह, रमन सिंह, जयदेव सिंह, सुमन देवी, सुधीर कुमार, कु. ईशा, भगवत किशोर, विश्वनाथ यादव जैसे प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजभवन और शासन के अधिकारी व अन्य लोग मौजूद रहे।

केजीएमयू के जनरल सर्जरी विभाग का 111वां स्थापना दिवस समारोह शनिवार को

लखनऊ, (हि.स.)। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के जनरल सर्जरी विभाग का स्थापना दिवस समारोह शनिवार को अटल बिहारी बाजपेई कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जायेगा। जनरल सर्जरी विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनव अरुण सोनकर ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि एनएमसी द्वारा अनुमत पीजी सीटों में 15 से 24 तक की वृद्धि हमारे विभाग के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि विभाग ने पिछले वर्ष 9000 से अधिक रोगियों के प्रवेश के साथ ओपीडी में 50 हजार से अधिक रोगियों की सेवा की है। इसके अलावा हमने पिछले वर्ष लगभग 5000 बड़ी सर्जरी और 5000 छोटी प्रक्रियाएं की हैं। डा. अभिनव अरूण सोनकर ने बताया कि केजीएमयू के सभी विभागों की सर्जरी पहले इसी विभाग में होती थी। यह केजीएमयू का सबसे पुराना विभाग है। इसके अलावा विभाग में उन्नत लेप्रोस्कोपिक, थोरैकोस्कोपिक और एंडोरोलॉजिकल सर्जरी की जा रही है। डॉ. सोनकर ने बताया कि मिनिमल एक्सेस सर्जिकल ट्रेनिंग सेंटर के रूप में सर्जरी विभाग कार्यरत है। स्थापना दिवस समारोह में जूनियर रेजिडेंट्स और स्टाफ सदस्यों को उनके अनुकरणीय कार्य के लिए प्रशंसा पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। समारोह में विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य, निवासी, छात्र, नर्स और कर्मचारी भाग लेंगे।

सीएम नीतीश ने बिहार के नवनियुक्त राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर की अगवानी की

पटना, (हि.स.)। बिहार के नवनियुक्त राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर के शुक्रवार को पटना पहुंचने पर सीएम नीतीश ने अगवानी की। स्टेट हैंगर में बिहार के नवनियुक्त राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। गार्ड ऑफ ऑनर के पहले बिहार के नवनियुक्त राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर की अगवानी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने की तथा फूलों का गुलदस्ता भेंटकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर बिहार विधान परिषद् के सभापति देवेश चन्द्र ठाकुर, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी, उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, शिक्षा मंत्री चन्द्रशेखर, बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा, बिहार विधान परिषद् में नेता प्रतिपक्ष सम्राट चौधरी सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

अमित शाह पर टिप्पणी मामले में राहुल गांधी को हाई कोर्ट से राहत बरकरार

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अंबुजनाथ की कोर्ट में शुक्रवार को कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने उनके फिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक के आदेश को विस्तार दिया है। पिछली सुनवाई में अदालत ने राहुल गांधी को रांची सिविल कोर्ट द्वारा जारी नोटिस पर रोक लगा दी थी। राहुल गांधी की ओर से अधिवक्ता पीयूष चित्रेश और अधिवक्ता दीपांकर राय ने पक्ष रखा। इस मामले के याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विनोद साहू ने पक्ष रखा। उल्लेखनीय है कि यह मामला वर्ष 2019 में कांग्रेस के अधिवेशन में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ राहुल गांधी की टिप्पणी से जुड़ा है। इसमें राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस में कोई हत्यारा राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बन सकता है। यह भाजपा में ही संभव है। इसके बाद भाजपा नेता नवीन झा ने लीगल नोटिस देकर राहुल गांधी से माफी मांगने को कहा था। राहुल गांधी के माफी नहीं मांगने पर नवीन झा ने रांची सिविल कोर्ट में शिकायतवाद दर्ज कराई थी।

हमारी शुगर मिलें अब चीनी के साथ ग्रीन ईंधन का भी बन रहीं श्रोत : योगी

-चीनी उद्योग के 120 वर्ष पूरे होने के अवसर पर कार्यक्रम में बोले मुख्यमंत्री

-छह वर्षों में गन्ना किसानों को एक लाख 97 हजार करोड़ रुपये का भुगतान किया गया

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चीनी उद्योग की 120 वर्षों की यात्रा नए भविष्य की ओर अग्रसर हो रही है। हमारी चीनी मिलें केवल चीनी ही नही उगलेंगी, अब ग्रीन ईंधन का स्रोत बनने जा रही हैं। चीनी उद्योग के 120 वर्ष पूरे होने के अवसर पर शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश की पहली चीनी मिल 120 वर्ष पहले गोरखपुर मंडल के देवरिया में लगी थी। आज सबसे ज्यादा चीनी मिलें उत्तर प्रदेश में हैं। सबसे ज्यादा उत्पादन इसी प्रदेश में है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज सबसे ज्यादा एथेनॉल उत्पादन करने वाला राज्य है। इसी को देखते हुए आज टोयटा ने अपनी एथेनॉल युक्त कार लॉन्च की। इसका एवरेज बैकअप बेहतरीन है। उत्तर प्रदेश अकेला राज्य है जिसने कोरोना संकट में हर जनपद में ऑक्सीजन प्लांट लगाए। आज उत्तर प्रदेश में 550 से अधिक ऑक्सीजन प्लांट क्रियाशील हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गन्ने की पर्चियों में शिकायतें खत्म हो गयी हैं। स्वयंसेवी महिला समूहों की महिलाएं आज स्वावलंबी हुई हैं। चीनी मिल नहीं होती तो गन्ना किसान प्रदेश से खत्म हो गया होता। हमारी सरकार ने खांडसारी उद्योग के लिए लाइसेंस फ्री किया है। वर्तमान में प्रदेश में 84 डिस्टलरी प्लांट चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि चीनी उद्योग की इस शानदार यात्रा को आगे जारी रखने की आवश्यकता है। अब तो एथेनॉल भी इसमें जुड़ चुका है। मेरी अपील है कि अन्नदाता किसान के जीवन में उन्नति लाने का प्रयास करना होगा। आज प्रदेश की 100 चीनी मिलें ऐसी हैं जिनमें गन्ना मूल्य का भुगतान समयबद्ध तरीके से हो रहा है। बाकी बची 17,18 मिलों को भी ऐसे ही कार्य करना चाहिए। अधिकारियों को नसीहत भी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपको अपने एटीट्यूड में बदलाव लाना होगा। अन्नदाता किसान खुश रहेगा तो प्रदेश उन्नति करेगा। किसानों की आय को दोगुनी करने के लिए प्रधानमंत्री के सिद्धांत को उत्तर प्रदेश ने अमल किया है। हमने पिछले छह वर्षों में गन्ना किसानों को एक लाख 97 हजार करोड़ रुपये गन्ना मूल्य का भुगतान किया है। यह एक रिकॉर्ड है। मुख्यमंत्री ने गन्ना विभाग और चीनी मिल मालिकों से अपील करते हुए कहा कि जिस दिन गन्ने मूल्य का दो लाख करोड़ रुपया भुगतान हो, उस दिन आपको एक और समारोह करना चाहिए।

हिंदुस्तान का हिंदू ही हिंदू राष्ट्र को कुबूल नहीं करेगा : सपा सांसद

संभल (ईएमएस)। यूपी के संभल से सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हिंदू राष्ट्र वाले बयान पर अपनी प्रतक्रिया देकर कहा कि यह बयान गलत हैं। बर्क ने कहा कि हिंदुस्तान न हिंदू राष्ट्र था, न है और न कभी रहेगा। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान का हिंदू ही इस बात को कुबूल नहीं करेगा, तब मुसलमान के मानने का सवाल ही नहीं उठता। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी ने ट्वीट कर कहा था कि ह्य भारत हिन्दू राष्ट्र है, क्योंकि यहां रहने वाला हर नागरिक हिंदू है। भारत हिंदू राष्ट्र था, हिंदू राष्ट्र है और हिंदू राष्ट्र रहेगा। सपा सांसद ने कहा कि योगी जी को वे बहुत अच्छी तरह जानते हैं। वे हमारे अच्छे दोस्त भी हैं। चार बार हमारे साथ हाउस में सांसद रहे हैं। लेकिन वे ये बात गलत कह रहे हैं कि भारत हिंदू राष्ट्र होगा। भारत न हिंदू राष्ट्र था, न है और न रहेगा। हिंदुस्तान का हिंदू ही हिंदू राष्ट्र को कुबूल नहीं करेगा। मुसलमान के कुबूल करने का सवाल ही नहीं उठता। जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर के बयान पर सांसद ने कहा महामंडलेश्वर नहीं जानते इस्लाम। इस्लाम देता है अल्लाह का पैगाम। महामंडलेश्वर को इस्लाम के मुतालिक फतवे का कोई हक नहीं।

मत्स्य पालन अनुदान के लिए इस साल पांच लोगों ने किए आवेदन

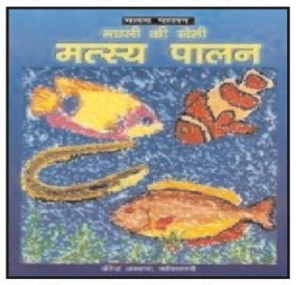

कानपुर, (हि.स.)। मत्स्य पालन के अनुदान लेने के लिए इस साल मात्र पांच लोगों ने ऑनलाइन आवेदन किया है। जबकि पिछले साल 2022 में यह संख्या 36 से अधिक थी। उप्र सरकार प्रदेश के मत्स्य पालन सेक्टर के लिए मछली पालकों को 40 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराए जाने की योजना लागू की गयी है। लेकिन इस वर्ष अनुदान के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे हैं, जिसकी 16 फरवरी अन्तिम तिथि निर्धारित की गई थी। कानपुर नगर में अब तक मात्र पांच लोगों ने आवेदन किया है। जबकि वर्ष 2022 में आवेदन की संख्या लगभग तीन दर्जन से अधिक थी। सहायक निदेशक मत्स्य एन.के. अग्रवाल ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि मछली पालन के कारोबार से जुड़े लोगों को बहुत तकनीक की जानकारी नहीं है। हालांकि लगातार इसका प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। वर्ष 2023 के लिए राज्य सरकार ने प्रदेश के मत्स्य पालन सेक्टर के मत्स्य पालकों को प्रथम वर्ष निवेश एवं मत्स्य बीज बैंक की स्थापना के लिए योजना लागत 4.00 लाख प्रति हेक्टेयर की दर से योजना की डीपीआर के अनुसार आवेदन के लिए निर्धारित अवधि में आवेदन करने वाले एवं चयनित तथा डीएलसी से अनुमोदित लाभार्थी द्वारा कार्य पूर्ण पर योजना लागत के सापेक्ष सभी वर्गों के लाभार्थियों को योजना लागत 4.00 लाख प्रति हेक्टेयर पर 40 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराये जाने की योजना लागू की गई है। योजना में लाभ प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन आवेदन सात फरवरी से प्रारम्भ होकर 16 फरवरी तक तिथि निर्धारित की गई थी। इस बार अब तक पांच लोगों ने आवेदन किया है। उनके आवेदन की जांच पूरी हो जाने के बाद उन्हें अनुदान उपलब्ध कराया जा सकता है। अब तक जो तिथि निर्धारित की गई तो वह तो समाप्त हो चुकी। यदि शासन से तिथि आगे बढ़ाई जाएगी तो पुनः लोगों तक इसकी जानकारी दी जाएगी।

बेगूसराय में दिनदहाड़े महिला की गोली मारकर हत्या

बेगूसराय,(हि.स.)। बिहार के बेगूसराय में पुलिस प्रशासन की लाख कड़ाई के बावजूद गोलीबारी का सिलसिला लगातार जारी है। शुक्रवार को भी दिनदहाड़े बेखौफ अपराधियों ने एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना बखरी-खगड़िया मुख्य पथ के जोकियाही पुल के समीप की है। मृतिका बलिया थाना क्षेत्र के बरबीघी निवासी प्रशांत कुमार पोद्दार की पत्नी मोना कुमारी थी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई तथा पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि प्रशांत कुमार पोद्दार अपने पत्नी मोना कुमारी एवं चार वर्षीय पुत्र आदर्श कुमार के साथ शुक्रवार को बुलेट मोटरसाइकिल से बाबा हरीगिरी धाम गढ़पुरा पूजा-अर्चना करने जा रहा था। इसी बीच बगरस से आगे बढ़ते ही जोकियाही पुल के समीप मोटरसाइकिल सवार दो अपराधियों ने ओवरटेक कर उसे रोका और लूटपाट करने की कोशिश की। विरोध करते हुए प्रशांत ने जब हल्ला किया तो आसपास के लोग दौड़े। इसी बीच अपराधी मोना कुमारी के सिर में गोली मारकर फरार हो गए, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। भागने के दौरान अपराधियों ने महिला के हाथ से मोबाइल भी ले लिया। बताया जा रहा है कि प्रशांत अपने रिश्तेदार डॉ. प्रभात कुमार के खगड़िया में स्थित जीवन केयर हॉस्पिटल में काम करता था। वह दिल्ली निवासी अपने पत्नी और पुत्र के साथ वहीं रहता था। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय जिला पार्षद अमित कुमार देव सहित बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए।

कोरोना काल में ली गई फीस का 15 प्रतिशत स्कूलों को वापस करना होगा

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के अभिभावकों के लिए अच्छी खबर है। कोरोना काल में स्कूलों द्वारा ली गई फीस की 15 प्रतिशत धनराशि विद्यालयों को वापस करना होगा। योगी सरकार ने इसके लिए शासनादेश जारी कर दिया है। शासनादेश में कहा गया है कि प्रदेश के स्कूलों को यह धनराशि वर्तमान शैक्षिक सत्र में विद्यार्थियों की फीस में समायोजित करनी होगी। वहीं जो विद्यार्थी पढ़ाई पूरी करने के बाद विद्यालय को छोड़कर चले गये हैं, उन्हें यह धनराशि वापस की जायेगी। इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश के बाद शासन की तरफ से इस आशय का शासनादेश जारी कर दिया गया है। दरअसल उप्र सरकार ने कोरोना काल में प्रदेश के सभी बोर्ड के स्कूलों को फीस नहीं बढ़ाने का निर्देश दिया था। उस समय जारी शासनादेश में यह भी कहा गया था कि यदि किसी विद्यालय ने सत्र 2020-21 में शुल्क वृद्धि करते हुए बढ़ी हुई दर से फीस ले ली है तो बढ़े हुए अतिरिक्त शुल्क को उसे आगामी महीनों के शुल्क में समायोजित करना होगा।

इस बीच कोरोना काल में स्कूलों द्वारा ली गई फीस को लेकर कुछ अभिभावकों ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में याचिकाएं दाखिल कर दी थीं। इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने पिछले माह आदेश दिया था कि कोरोना काल में स्कूलों द्वारा ली गई फीस का 15 प्रतिशत विद्यार्थियों की फीस में समायोजित किया जाये। योगी सरकार ने हाई कोर्ट के इसी आदेश के क्रम में यह शासनादेश जारी किया है।

सुलतानपुर में 24 घंटे बाद बहाल हुआ रेल यातायात

सुलतानपुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर रेलवे स्टेशन पर लगभग 24 घंटे बाद रेल यातायात बहाल हो गया है। लखनऊ-वाराणसी वाया सुलतानपुर रेलखंड पर अप और डाउन रूट पर यात्री गाड़ियों का संचालन शुरू हो गया। जिसे लेकर रेल प्रशासन के साथ पैसेंजर्स ने राहत की सांस ली है। गुरुवार सुबह सुलतानपुर जंक्शन के दक्षिणी केबिन के निकट आमने-सामने दो मालगाड़ियों की टक्कर में 8 डिब्बे पटरी से उतर गये थे। उच्च स्तरीय टीम ने मामले की तकनीकी जांच शुरू की। सबसे पहले एक ट्रैक चालू हुआ। जिस पर 8:40 बजे मालगाड़ी को वाराणसी के लिये रवाना किया गया। इसी तरह एक घंटे बाद 9:40 बजे दूसरी मालगाड़ी को रवाना किया गया। शुक्रवार तड़के यात्री गाड़ी भी रवाना की गई। जिसमें महाकाल एक्सप्रेस, महामना एक्सप्रेस, श्रमजीवी एक्सप्रेस व साकेत एक्सप्रेस ट्रेन निकाली गई। लखनऊ से आए मंडल अधिकारियों की मौजूदगी में रातभर विशेष अभियान चलाया गया। स्टेशन अधीक्षक ने रेल संचालन बहाल होने की पुष्टि की है। उत्तर रेलवे महाप्रबंधक आशुतोष गंगल ने बताया कि सिग्नल के कारणों के चलते यह हादसा प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है। उच्चस्तरीय अधिकारियों के निर्देशन में इंक्वायरी सेटअप की गई है। इंक्वायरी रिपोर्ट के आधार पर अगला एक्शन हम लेंगे। रिपोर्ट के आधार पर हादसे को रोकने के प्रयास और भविष्य में इसके निराकरण की दिशा में हम आगे बढ़ेंगे। गौरतलब है कि लखनऊ-वाराणसी पर सुलतानपुर रेलखंड पर गुरुवार सुबह लगभग 5:30 बजे बड़ा हादसा हुआ था। वाराणसी से सुलतानपुर आ रही मालगाड़ी उसी ट्रैक पर खड़ी विपरीत दिशा में आ रही मालगाड़ी से टकरा गई थी। आनन-फानन में दुर्घटना राहत ट्रेन को लखनऊ से सुल्तानपुर भेजा गया था। 15 घंटे की जद्दोजहद के बाद डाउन लाइन को शुरू कर दिया गया है। जीएम उत्तर रेलवे आशुतोष गंगवार देर शाम सुलतानपुर जंक्शन पहुंचे जहां उन्होंने मंडल रेल प्रबंधक समेत अन्य अधिकारियों के साथ घटनास्थल का जायजा किया। अधिकारियों को जल्द से जल्द रेल यातायात बहाल करने के बारे में दिशा निर्देश दिए थे।

देवघर में जिला प्रशासन के तय रास्ते से ही निकलेगी शिव बारात : हाई कोर्ट

रांची, (हि.स.)। देवघर में शिव बारात पर झारखंड हाई कोर्ट ने फैसला सुना दिया है। कोर्ट ने देवघर उपायुक्त को निर्देश दिया है कि वह स्थिति स्पष्ट करें। हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में शुक्रवार को सुनवाई के दौरान देवघर डीसी से मोबाइल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बात भी की गई। कोर्ट ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा देवघर में शिव बारात निकाले जाने का रास्ता नहीं बदला जा सकता है। क्योंकि, जिला प्रशासन ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से वर्षों से यह रास्ता तय कर रखा है। केवल कोविड के तीन वर्षों के दौरान यह रास्ता नहीं लिया गया था। इसलिए याचिककर्ता की ओर से शिव बारात का रास्ता बदलने के आग्रह पर कोर्ट हस्तक्षेप नहीं कर सकता है। डीसी ने कोर्ट को मोबाइल पर बताया गया कि धारा 144 शिव बारात के रास्ते पर सुरक्षा के दृष्टिकोण से लगाया गया है। शिव बारात के सुरक्षा को लेकर देवघर जिला प्रशासन को कुछ आउटपुट मिला था, इसे लेकर धारा 144 लगाया गया। ऐसा नहीं है कि पूरे देवघर में धारा 144 होने से पांच या छह आदमी एक साथ एकत्रित नहीं हो सकते हैं। कोर्ट ने समाचार पत्रों एवं अन्य संचार माध्यमों के माध्यम से देवघर डीसी को आज से ही यह जानकारी प्रसारित करने को कहा है कि देवघर में कहीं भी सीमित संख्या में लोगों के रहने को लेकर धारा 144 जैसा आदेश लागू नहीं है। साथ ही कोर्ट ने कहा है कि महाशिवरात्रि पर निकलने वाले शिव बारात के दौरान प्रशासन की ओर से लगाई गयी धारा 144 आम लोगों पर लागू नहीं होगी। हालांकि, प्रशासन ने जो रूट तय किया है, उसी रूट से शिव बारात निकलेगी। यह जानकारी डॉ. निशिकांत दुबे के वकील प्रशांत पल्लव ने दी। उन्होंने बताया कि प्रशासन के पास इंटेलिजेंस इनपुट है कि जिस रूट से शिव बारात निकलती रही है, उस रूट पर कुछ गड़बड़ी हो सकती है। इसलिए रूट में बदलाव किया गया है। दरअसल, इस जनहित याचिका में सांसद निशिकांत ने देवघर जिला प्रशासन द्वारा महाशिवरात्रि पर शिव बारात को लेकर धारा 144 लगाने एवं शिव बारात का मार्ग बदलने का विरोध किया है। जिला प्रशासन के इस आदेश को निरस्त करने का आग्रह किया है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव एवं पार्थ जालान पैरवी की। उल्लेखनीय है कि देवघर में एसडीओ दीपांकर चौधरी ने आदेश जारी कर महाशिवरात्रि के दिन पूरे देवघर अनुमंडल क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। साथ ही शिव बारात निकालने को निर्धारित रूट के संबंध में आदेश जारी किया है।

संपादकीय

लिव-इन से हत्या तक

लिव इन संबंध अवैध, असांस्कृतिक, लैंगिक शोषण और सहज यौन संबंधों के माध्यम हैं। बेशक अदालतों ने इन्हें 'कानूनी' करार दिया है और घरेलू हिंसा, संतान और आर्थिक मुआवजे के संदर्भ में, लडक़ी के लिए, सुरक्षित माना है, लेकिन लिव-इन का यथार्थ कितना खौफनाक और डरावना है, यह श्रद्धा टुकड़े-टुकड़े हत्याकांड से समझा जा सकता है। अब एक और श्रद्धा बनते-बनते निक्की यादव बच गई, लेकिन उसकी भी ज़िंदगी छीन ली गई। इस प्रकरण में भी प्रेमी-प्रेमिका और लिव-इन संबंध मौजूद थे। वह प्यार नहीं, शारीरिक आकर्षण मात्र था! वह कैसा प्यार था कि कथित प्रेमी साहिल गहलोत ने अपनी ही लिव-इन प्रेमिका निक्की की गला घोंट कर हत्या कर दी! शुक्र है कि वह निक्की के शव के टुकड़े-टुकड़े नहीं कर पाया, क्योंकि वक्त नहीं मिला, क्योंकि अगले ही दिन उसकी शादी तय थी। प्यार का अजीब प्रकरण था! एक लडक़ी के साथ प्रेम-संबंध और दूसरी के साथ शादी... ! ऐसा शख्स प्रेम और मानवीय रिश्तों के प्रति ईमानदार और गंभीर कैसे हो सकता है? दरअसल गलतियां हमारी बेटियां भी करती रही हैं। माता-पिता उन्हें पढ़ाई या नौकरी के लिए घर-परिवार और शहर से बाहर भेजते हैं। कमोबेश यह लैंगिक स्वतंत्रता उनका अधिकार भी है, लेकिन सब कुछ पीछे छूट जाता है। मां-बाप को उसके लिव-इन रिश्ते की भनक तक नहीं होती। बेटियां यह भी तर्क देने लगती हैं कि अब वह 'बालिग' हो गई है, लिहाजा अपने फैसले लेने को कानूनन स्वतंत्र है। जवानी के खोखले आकर्षणों में माता-पिता भी पीछे छूट जाते हैं और बेटी बिना कुछ समझे-जाने, किसी कथित प्रेमी के साथ, लिव-इन में रहने लगती है। संबंधों की तमाम मर्यादाएं और सामाजिक मान्यताएं तोड़ दी जाती हैं। यदि बालिग बेटी परिपक्व होती, तो अंततः ऐसे संबंधों की परिणति हत्या न होती! हम ऐसे कई उदाहरण देख चुके हैं। लिव-इन की सहमति न बन पाए, तो सामूहिक बलात्कार और हत्या की बर्बरताएं सामने आती हैं। ऐसा 'निर्भया कांड' देश भर में गूंजा था। जनता बहुत आक्रोशित भी हुई थी। सडक़ों और इंडिया गेट पर 'मोमबत्ती मार्च' आयोजित किए गए थे। संसद का विशेष सत्र बुलाकर कानून में संशोधन किया गया था। देश के प्रधान न्यायाधीश रहे जस्टिस जेएस वर्मा और जस्टिस लीला सेठ ने नए कानून का प्रारूप तय किया था। यौन शोषण, छेड़छाड़, बलात्कार और सारांश में यौन संबंधों को नए तरीके से परिभाषित भी किया गया था, लेकिन 'निर्भया कांड' में इंसाफ 7 लंबे सालों के बाद मिला था। टुकड़े-टुकड़े श्रद्धा का मामला भी अदालत में न जाने कब न्याय की दहलीज़ छू पाएगा? यह इंसाफ अभी मिलना है और निक्की की अमानवीय हत्या का मामला सामने आ गया है। अदालतें कानूनी तौर पर किस सुरक्षा का दावा करती रही हैं? ज़िंदगी बचेगी, तो सुरक्षाओं की मांग भी की जाएगी। एक मृत शरीर तो पत्थर है। भारत में शिक्षित और स्वतंत्र बेटी बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं है। दरअसल ऐसे प्यार की उम्र भी ऐसी होती है कि बेटियां भी बहक जाती हैं। हालांकि उनके माता-पिता समझाते भी होंगे कि हमारी संस्कृति में शादी के बिना कोई भी संबंध बेमानी और अवैध है। लिव-इन पाश्चात्य समाज और संस्कृति का प्रतीक है। यह हमारे समाज में स्वीकार्य नहीं है, लेकिन दैहिक और यौन आकर्षण, अंततः, बेटियों को हत्या की दहलीज़ तक धकेल देते हैं। और ऐसी ज्यादातर घटनाएं राजधानी दिल्ली, उसके आसपास और महानगरों में हो रही हैं, लिहाजा अब संसद की पहल ही जरूरी है। अदालतें तो संसद के कानून का ही पालन करती हैं। संसद को लिव-इन का एक कठोर और बेटी-समर्थक कानून बनाना चाहिए। कमोबेश निरंकुश लडक़ों के संदर्भ में यह प्रावधान अनिवार्य किया जाना चाहिए कि यदि वे किसी के साथ लिव-इन रिश्ते में हैं, तो वे दूसरी शादी नहीं कर सकते।

> मां-बाप को उसके लिव-इन रिश्ते की भनक तक नहीं होती। बेटियां यह भी तर्क देने लगती हैं कि अब वह 'बालिग' हो गई है, लिहाजा अपने फैसले लेने को कानूनन स्वतंत्र है। जवानी के खोखले आकर्षणों में माता-पिता भी पीछे छूट जाते हैं और बेटी बिना कुछ समझे-जाने, किसी कथित प्रेमी के साथ, लिव-इन में रहने लगती है। संबंधों की तमाम मर्यादाएं और सामाजिक मान्यताएं तोड़ दी जाती हैं। यदि बालिग बेटी परिपक्व होती, तो अंततः ऐसे संबंधों की परिणति हत्या न होती! हम ऐसे कई उदाहरण देख चुके हैं। लिव-इन की सहमति न बन पाए, तो सामूहिक बलात्कार और हत्या की बर्बरताएं सामने आती हैं। ऐसा 'निर्भया कांड' देश भर में गूंजा था। जनता बहुत आक्रोशित भी हुई थी। सडक़ों और इंडिया गेट पर 'मोमबत्ती मार्च' आयोजित किए गए थे। संसद का विशेष सत्र बुलाकर कानून में संशोधन किया गया था। देश के प्रधान न्यायाधीश रहे जस्टिस जेएस वर्मा और जस्टिस लीला सेठ ने नए कानून का प्रारूप तय किया था। यौन शोषण, छेड़छाड़, बलात्कार और सारांश में यौन संबंधों को नए तरीके से परिभाषित भी किया गया था, लेकिन 'निर्भया कांड' में इंसाफ 7 लंबे सालों के बाद मिला था। टुकड़े-टुकड़े श्रद्धा का मामला भी अदालत में न जाने कब न्याय की दहलीज़ छू पाएगा? यह इंसाफ अभी मिलना है और निक्की की अमानवीय हत्या का मामला सामने आ गया है।

बोध कथा

इसलिए क्षमा करने वाला ही नहीं मांगने वाला भी श्रेष्ठ

क्षमा सभी धर्मों का आधार है। क्षमा नफरत का निदान है। क्षमादान और क्षमा याचना दोनों ही महानता की निशानी हैं। क्षमा देने वाले की भांति क्षमा मांगने वाला भी श्रेष्ठ है। अपनी गलती पर क्षमा मांगने से उसके हृदय में विनयशीलता का जो भाव उपजता है, इससे उसका कद पहले की अपेक्षा और अधिक बढ़ जाता है। नीति में क्षमा का स्थान बहुत ऊंचा है। क्षमा भाव नीति का ही अंग है। यह अहंकार के त्याग का सूचक है। क्षमा के धरातल पर दो व्यक्तित्व उभरते हैं एक आप और एक सामने वाला। अहं के वशीभूत होकर जब हम अपनी गलती नहीं स्वीकारते तो क्षमा के विषय में संकोच करते हैं। यह भी संभव है कि समय-समय पर ग्लानि की अनुभूति हृदय में हो, पर अहं इसको उजागर होने से रोक देता है। इस पीड़ा की प्रतीति हर मनुष्य को होती है। इसी प्रकार सामने वाला भी सोचता होगा कि हम क्षमा मांगें और वह क्षमा कर देगा। यह द्वंद्व निरंतर चलता है और इसका निराकरण क्षमा से हो जाता है। क्षमा में लेशमात्र भी कायरता नहीं है। सहिष्णुता, समता, सहनशीलता, मैत्रीभाव और उदारता जैसे सामर्थ्य युक्त गुण, पुरुषार्थहीन या धैर्यहीन लोगों में उत्पन्न नहीं हो सकते। क्षमा ही दुखों से मुक्ति का द्वार है। क्षमा मन की कुंठित गांठों को खोलती है और दया, सहिष्णुता, उदारता, संयम और संतोष को विकसित करती है। क्षमाभाव मानवता के लिए वरदान है। विनयी, क्षमाशील और उदारमना साधक के पास सकल दैव अनुकूलताएं, ईश्वरीय अनुग्रह और आनंद जैसी दिव्यताएं स्वयं प्रकट होने लगती हैं। इसलिए अभिमान के त्याग का अभ्यास सतत होते रहना चाहिए। जब सहिष्णुता, क्षमा, दीनता और अभिमान का त्याग हमारे स्वभाव में आने लगता है तब हमारा प्रत्येक कर्म और विचार पवित्र होने लगता है। इससे स्वभाव में सरलता आने लगती है और जीवन पवित्रता की ओर अग्रसर होने लगता है। अनियंत्रित कामना, अक्षमता और अज्ञानता की उत्पत्ति है क्रोध। इसलिए विवेक के जरिए आत्मनियंत्रण और अंतर्मुखी अवस्था अर्जित की जा सकती है। क्रोध से क्रोध ही बढ़ता होता है। क्षमा के स्वभाव को आवृत्त करने वाले क्रोध को पहले जीतना आवश्यक है। अक्रोध से क्रोध को जीता जाता है, क्योंकि क्रोध का अभाव ही क्षमा है। जिसके पास आत्मबल नहीं होता वह दूसरों को क्षमा नहीं कर सकता। समर्थ ही क्षमा करना जानता है। जो दुर्बल है वह कभी क्षमा नहीं कर सकता।

> क्षमा के धरातल पर दो व्यक्तित्व उभरते हैं एक आप और एक सामने वाला। अहं के वशीभूत होकर जब हम अपनी गलती नहीं स्वीकारते तो क्षमा के विषय में संकोच करते हैं। यह भी संभव है कि समय-समय पर ग्लानि की अनुभूति हृदय में हो, पर अहं इसको उजागर होने से रोक देता है। इस पीड़ा की प्रतीति हर मनुष्य को होती है। इसी प्रकार सामने वाला भी सोचता होगा कि हम क्षमा मांगें और वह क्षमा कर देगा। यह द्वंद्व निरंतर चलता है और इसका निराकरण क्षमा से हो जाता है।

कांग्रेस की ओर से इस अवसर का उपयोग एक तीसरे उद्देश्य के लिए किया गया लगता है

राहुल की यात्रा, राष्ट्रपति का अभिभाषण

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर संसद में धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया जाता है। यदि सत्ता पक्ष और विपक्ष में संख्या का अंतर बहुत ही कम हो तो कई बार विपक्ष जोड़-तोड़ करता है और धन्यवाद भाषण पर इस आशा में मतदान करवाता है कि शायद सरकार गिर जाए। लेकिन यदि अंतर ज्यादा हो और सरकार मज़बूत हो तो विपक्ष प्रायः अभिभाषण के मुद्दों पर चर्चा करता है। लेकिन इस बार कांग्रेस की ओर से इस अवसर का उपयोग एक तीसरे उद्देश्य के लिए किया गया लगता है। सब जानते हैं कि संसद में विपक्ष बुरी तरह बिखरा हुआ है। संख्या के हिसाब से भी और रणनीति के हिसाब से भी। कांग्रेस के सांसदों की संख्या और अन्य विपक्षी दलों की कुल जमा संख्या से कम है। यदि सभी विपक्षी दलों के लोक सभा सदस्यों को भी मिला दिया जाए और वे सचमुच मिल भी जाएं, तब भी वे सत्ता पक्ष से काफी दूर हैं। लेकिन न मिल पाने का एक अन्य कारण भी है। कांग्रेस को अभी भी भ्रम है कि वह यूपीए काल की तरह सारे विपक्षी दलों की धुरी बन सकती है और दूसरे दलों को यह बात स्वीकार कर लेनी चाहिए। लेकिन दूसरे विपक्षी दलों का मानना है कि कांग्रेस अभी भी अपने भूतकाल में आ रही है। इक्कीसवीं शताब्दी की राजनीति समझने के लिए उसे सबसे पहले भूतकाल से निकल कर वर्तमान काल में आना पड़ेगा। लेकिन कांग्रेस को फिलहाल यह स्वीकार नहीं है। इसलिए विपक्ष के स्थान पर हम यहां केवल कांग्रेस की ही बात करेंगे। कांग्रेस ने धन्यवाद प्रस्ताव के इस अवसर का प्रयोग कैसे और क्यों किया। कांग्रेस की इस समय सबसे बड़ी समस्या राहुल गांधी हैं। कांग्रेस में इतना तो अलिखित रूप से तय है कि उसकी नकेल सदा नेहरु-गान्धी राजपरिवार के हाथ में ही रहेगी। वह भी शायद राज परिवार के पुरुष सदस्य के पास। यह अलग बात है कि इस राज परिवार ने इन्दिरा गान्धी के बाद अपने नाम से नेहरु शब्द हटा दिया है जिसकी ओर व्यंग्य से नरेन्द्र मोदी ने भी संकेत किया था। इस गणित से इस राज परिवार में गद्दी के हकदार राहुल गान्धी ठहरते हैं। लेकिन इसे राज परिवार का दुर्भाग्य ही कहना होगा कि राहुल गान्धी बढ़ती उम्र के साथ परिपक्व नहीं हो रहे हैं। यही कारण था कि

वे भारतीय राजनीति में पप्पू के नाम से प्रसिद्ध हो गए। अब यदि किसी व्यक्ति की छवि उस प्रकार की बन जाए तो उसके गले में माला डाल कर कोई भी पार्टी चुनाव के मैदान में कैसे उतर सकती है? इसलिए पार्टी के पास दो काम थे। जब तक पप्पू सयाना नहीं हो जाता, तब तक पार्टी का प्रधान किसी 'अपने' व्यक्ति को बना दिया जाए। सत्ता काल में तो सभी व्यक्ति राज परिवार के 'अपने' व्यक्ति बनने को लालायित रहते थे, लेकिन अब अन्धकार काल में लोग इस काम से कन्नी कतराने लगे हैं। राजस्थान के अशोक गहलोत ने तो मुख्यमंत्री पद का त्याग कर राजपरिवार का 'अपना व्यक्ति' बनने से सार्वजनिक रूप से इन्कार कर दिया। तब विवशता में लगभग जीवन की चौथ में पहुंचे मल्लिकार्जुन खडग़े को 'अपने' आदमी की भूमिका में उतारा गया। वैसे इसके लिए चुनाव बगैरह के सभी सांसारिक कर्मकांड भी पूरे कर लिए गए। राज परिवार ने पहला काम तो जैसे तैसे निपटा दिया। वैसे पार्टी में सभी को उनकी हैसियत बताने के लिए वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने इसके लिए 'राम की खड़ाऊं' वगैरह का उदाहरण भी दिया। इसके साथ ही राहुल गान्धी कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक की पद यात्रा करने के लिए घर से निकले। इसका भी उद्देश्य यही था कि लोग राहुल गान्धी को भी गंभीरता से लें। गंभीर और गहरा बनने के लिए यात्रा से पूर्व रिहर्सल वगैरह भी की ही होगी। लेकिन इस सबके बावजूद वे कहीं कहीं ऐसी बातें कहते थे जिनकी व्याख्या करने के लिए दरबारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ रही थी। उदाहरण के लिए यात्रा में एक जगह कहने लगे, राहुल गान्धी मर गया है। जिसे तुम देख रहे हो वह राहुल गान्धी नहीं है। वह राहुल गान्धी कब का मर चुका है। मैं मैं नहीं हूं। राहुल गान्धी तुम्हारे दिमाग में है, बाहर वह है ही नहीं। इस प्रकार के 'नाव में नदिया डूबी जाए' टाईप बयानों को सार्थक बनाने के लिए प्रवक्ताओं के पसीने छूटते थे। फिर भी लम्बी यात्रा पूर्ण हुई। लेकिन लाभ के नाम पर यात्रा से केवल यह मिला कि लोग शायद पप्पू के स्थान पर बोलचाल में भी राहुल गान्धी कहने लगे। अब राज परिवार के सामने तीसरा काम पड़ा था। नए राहुल गान्धी को लोकसभा में लांच करना ताकि विपक्ष समझ ले कि अब राज परिवार का मुखिया सचमुच विपक्ष का नेता बनने योग्य हो गया है। इसलिए सारे विपक्ष को उसका नेतृत्व स्वीकार कर लेना चाहिए। और देश के लोग समझ लें कि अब राहुल गान्धी उनका प्रधानमंत्री बनने के काबिल हो गया है। ये दोनों उद्देश्य ध्यान में रखकर राहुल गान्धी धन्यवाद प्रस्ताव पर बोले। लेकिन लगता है इस बार भी राहुल गान्धी को तैयार करने वाले किसी 'भीतरी' ने उनके हाथ हिंडनबर्ग की विदेश मार्का फुलझड़ी देकर मैदान में उतार दिया। वे भी किसी अच्छी तरह सिधाए व्यक्ति की तरह राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा करने की बजाय हिंडनबर्ग की फुलझड़ी जला कर स्वयं ही प्रसन्न होते रहे। शायद इसीलिए अब कांग्रेस के भीतर ही सवाल उठने लगे हैं कि कहीं हजारों किलोमीटर की यह पद्यात्रा बेकार ही तो नहीं चला गई। राहुल गान्धी तो अब भी वहीं खड़े लगते हैं जहां यात्रा से पहले फुलझडियां चलाया करते थे। बेचारे सलमान खुर्शीद अभी भी खड़ाऊं लेकर खड़े हैं। परिपक्व हुए बिना भारतीय राजनीति में बड़ा स्थान बनाना मुश्किल है। हालांकि इस बार पद्यात्रा में राहुल गांधी ने सेना का हौसला जरूर बढ़ाया और उसका मान बढ़ाकर जरूर यह कहा कि सेना के किसी अभियान पर किसी तरह के सबूत की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन फिर भी कई बातें उन्होंने ऐसे कर दी कि वह मैच्योर नजर नहीं आए। उनकी माता सोनिया गांधी अब बुजुर्ग हो चली हैं, इसलिए जरूरत इस बात की है कि कांग्रेस की कमान संभालने के लिए राहुल गांधी को जल्द से जल्द मैच्योर होना है।

> वैसे पार्टी में सभी को उनकी हैसियत बताने के लिए वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने इसके लिए 'राम की खड़ाऊं' वगैरह का उदाहरण भी दिया। इसके साथ ही राहुल गांधी कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक की पद यात्रा करने के लिए घर से निकले। इसका भी उद्देश्य यही था कि लोग राहुल गांधी को भी गंभीरता से लें। गंभीर और गहरा बनने के लिए यात्रा से पूर्व रिहर्सल वगैरह भी की ही होगी। लेकिन इस सबके बावजूद वे कहीं-कहीं ऐसी बातें कहते थे जिनकी व्याख्या करने के लिए दरबारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ रही थी। उदाहरण के लिए यात्रा में एक जगह कहने लगे, राहुल गांधी मर गया है। जिसे तुम देख रहे हो वह राहुल गांधी नहीं है। वह राहुल गांधी कब का मर चुका है। मैं मैं नहीं हूं। राहुल गांधी तुम्हारे दिमाग में है, बाहर वह है ही नहीं।

भ्रष्टाचार के बदलते स्वरूप

जब जनतंत्र बाजार-तंत्र में बदल जाता है तो सरकार के स्वतंत्र रूप से नीति निर्माण करने के पक्ष पर भी प्रश्नचिह्न लग जाता है। सरकार किसके हित में नीतियों का निर्माण करती है, जैसे सवाल महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं। इसलिए आवश्यकता है कि कुछ सवालों पर समय रहते चिंतन-मनन किया जाए, ताकि आर्थिक असमानता को सीमित किया जा सके और समग्र विकास आकार ले सके। एक अच्छा लोकतंत्र वह है, जिसमें राजनीतिक और सामाजिक न्याय के साथ-साथ आर्थिक न्याय की व्यवस्था भी है। इसमें नागरिक सर्वोपरि होता है। पर वर्तमान में पूंजीवाद के विस्तार के कारण बाजार सर्वोपरि हुआ है, जिसने नवउदारवादी व्यवस्था को उत्पन्न किया जो हस्तक्षेप की नीति की समर्थक है और राज्य के कल्याणकारी चरित्र को देश के आर्थिक विकास में बाधक मानती है। नवउदारवादियों का तर्क है कि राज्य को आर्थिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए, बल्कि मुक्त व्यापार या खुले बाजार का समर्थन करना चाहिए। जब बाजार स्वतंत्र होगा तो देश का विकास भी तीव्र गति से होगा। राज्य का कार्य केवल नीति निर्माण करना है, सेवा कार्य करना नहीं। यानी सड़क, रेल, पानी, बिजली, स्वास्थ्य जैसे सेवा कार्य राज्य के कार्य नहीं हैं, क्योंकि ऐसा करने के लिए वह समर्थ लोगों या पूंजीपतियों, व्यापारियों पर कर लगाते हैं और उससे एकत्र धन को असमर्थ या गरीब लोगों के कल्याण और उत्थान पर खर्च करते हैं। राज्य को इस कार्य के लिए अपने और जनता के बीच मध्यस्थ की जरूरत होती है, परिणामस्वरूप प्रशासन-तंत्र का उभार होता है। प्रशासन-तंत्र जैसी औपचारिक व्यवस्था के कारण लालफीताशाही उत्पन्न होती है, जो भ्रष्टाचार का एक स्वरूप है। इन सबके कारण देश का विकास अवरुद्ध हो जाता है। इसलिए नवउदारवादी व्यक्ति की स्वतंत्रता और कल्याणकरी राज्य की आलोचना करते हैं। इसमें भी कोई संदेह नहीं है कि अपनी इन्हीं विशेषताओं के कारण वे पूरे विश्व को एक बाजार के रूप में देखते हैं। विशेष रूप से सोवियत संघ के विघटन के बाद या 1991 के बाद से उदारवाद, निजीकरण और वैश्वीकरण की प्रक्रियाओं ने बाजार केंद्रित विचारधारा को मजबूती प्रदान कर दी। वैश्विक गांव, वैश्विक बाजार, वैश्विक राजनीति की अवधारणाओं ने सभी देशों और सभी राज्यों के बीच की भौगोलिक सीमाओं को ही समाप्त कर दिया। अब जब बाजार स्वतंत्र है तो व्यक्ति और राज्य का नियंत्रण में होना स्वाभाविक है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि बाजार के गैर-नियंत्रणकारी चरित्र ने आर्थिक असमानता में वृद्धि की है। हाल में आई आक्सफैम इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार भारत की एक प्रतिशत जनसंख्या के पास अब देश की कुल संपत्ति का चालीस प्रतिशत से भी अधिक हिस्सा है। जबकि नीचे की पचास फीसद आबादी के पास कुल संपत्ति का केवल तीन प्रतिशत हिस्सा है। या कहें कि 2022 तक भारत में अरबपतियों की संपत्ति में 121 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। यह दलील भी दी जाती है कि अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई और समाज में आर्थिक असमानता के लिए राज्य का कल्याणकारी चरित्र जिम्मेदार है। इसलिए राज्य को आर्थिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। अप्रत्यक्ष रूप से यह व्यवस्था निजीकरण का समर्थन करती नजर आती है। आज हर क्षेत्र में निजीकरण अपने पैर प्रसार भी रहा है, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, निर्माण कार्य, बिजली आदि। बाजार केंद्रित अर्थव्यवस्था का यह कहना है कि प्रशासन-तंत्र के कारण भ्रष्टाचार पनपा, इसलिए अब प्रशासन-तंत्र की जरूरत नहीं है। अब तो ऐसा समय आ गया है जब भ्रष्टाचार के अनेक स्वरूप उभर कर आए हैं। उदाहरण के लिए हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद की तस्वीर देखी जा सकती है। एक तरफ आर्थिक असमानता, गरीबी और बेरोजगारी बढ़ रही है तो फिर कुछ लोगों की संपत्ति में इतना ज्यादा इजाफा कैसे हो रहा है? इसी तरह वर्ष 2016 में पनामा पेपर्स मामला सामने आया था, जिसमें भारत समेत दुनिया भर के रईसों की करमुक्त देशों में मौजूद संपत्तियों की जानकारी दी गई थी। बड़े पूंजीपतियों और उद्योगपतियों द्वारा विदेश में छद्म कंपनियां खोलने और कर बचाने का खेल भ्रष्टाचार का ही एक रूप है। न जाने कितने और पूंजीपति अरबों-खरबों का घोटाला करके देश छोड़ कर भाग गए। भारत जैसे एक लोकतांत्रिक और कल्याणकारी राज्य में अपने नागरिकों को आधारभूत सुविधाएं देना सरकार का दायित्व है, पर जो कुछ दिया उसके बदले में मौन की संस्कृति अपनाने की स्थितियां बनाने को क्या कहा सकता है? शिक्षण संस्थाओं का मुख्य दायित्व लोगों को शिक्षित करना, समाज का सक्रिय सदस्य बनाना, शोषण से मुक्त करने के लिए जागरूक करना और देश के विकास में सहयोग देना है, लेकिन आज के दौर में शिक्षा अपनी इस भूमिका का निर्वाह न करके कुछ और ही कर रही है। शिक्षकों और विद्यार्थियों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगा देना, परीक्षा करवाना, आवेदन जमा करना, अनेक समितियों में काम करना, मतदाता पत्र बनाने के लिए शिविर लगवाना, कुछ दिवस मनाना आदि कार्य करवाए जाते हैं, जिनका ज्ञान व्यवस्था से कोई प्रत्यक्ष सरोकार नहीं है। अब शिक्षण संस्थानों में पढ़ने-पढ़ाने के अलावा बहुत कुछ होता है, बस अध्यापन और शोध कार्य बहुत कम होता है। नतीतन, जब शिक्षण कार्य ही नहीं होता तो प्रश्नपत्र बाहर आने जैसे मामले भ्रष्टाचार के एक स्वरूप में उभरते हैं। इतना ही नहीं, बाल अपराध बढ़ रहा है, हिंसक अश्लीलता एक नए किस्म के अपराध को उत्पन्न कर रही है। इसे रोकने के लिए कोई प्रभावी कदम दिखाई नहीं देता, क्योंकि इससे बाजार को लाभ मिलता है। बाजार सर्वोपरि हो गया है और समाज हाशिये पर आ गया है। अब वास्तव में राज्य का कल्याणकारी चरित्र हाशिये पर दिखाई देता है। सवाल है कि क्या लोकतंत्र की व्याख्या बिना भ्रष्टाचार होने की गुंजाइश बची है? देश के विभिन्न राजनेताओं और अधिकारियों से क्या नियमित स्वरूप में पूछा या जांचा जाता है कि जब उन्होंने राजनीति या प्रशासन में प्रवेश किया था, तब उनकी संपत्ति कितनी थी और अब कितनी है? अगर उनकी संपत्ति में कम समय में अकूत वृद्धि दिखाई देती है तो कैसे? दरअसल, व्यवस्था के अंदर इतने छेद हो गए हैं कि हर जगह भ्रष्टाचार नजर आता है। उच्च पद पाने या सरकार का संरक्षण पाने के लिए संविधान की व्याख्या करने वाले ही अगर संविधान का उल्लंघन करने लगे और गलत निर्णय देने लगें तो संवैधानिक मूल्यों की रक्षा कैसे होगी, यह सोचने का विषय है। जब जनतंत्र बाजार-तंत्र में बदल जाता है तो सरकार के स्वतंत्र रूप से नीति निर्माण करने के पक्ष पर भी प्रश्नचिह्न लग जाता है। सरकार किसके हित में नीतियों का निर्माण करती है, जैसे सवाल महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं। इसलिए आवश्यकता है कि कुछ सवालों पर समय रहते चिंतन-मनन किया जाए, ताकि आर्थिक असमानता को सीमित किया जा सके और समग्र विकास आकार ले सके। क्या कारपोरेट भ्रष्टाचार को स्वीकृति दी जा सकती है? क्या आर्थिक विसंगतियों को दूर करने में समाज वैज्ञानिक एक माध्यम बन सकते हैं? क्या समाज विज्ञान जनमत निर्माण का एक सशक्त माध्यम बन सकता है? आज जिस तरह से बाजार केंद्रित कौशल और तकनीकी ज्ञान को महत्त्व दिया जा रहा है, कहीं ऐसा तो नहीं कि लोगों को सामाजिक आंदोलनों से दूर करने के लिए सामाजिक विज्ञानों की उपेक्षा की जा रही है।

> विशेष रूप से सोवियत संघ के विटघन के बाद या 1991 के बाद से उदारवाद, निजीकरण और वैश्वीकरण की प्रक्रियाओं ने बाजार केंद्रित विचारधारा को मजबूती प्रदान कर दी। वैश्विक गांव, वैश्विक बाजार, वैश्विक राजनीति की अवधारणाओं ने सभी देशों और सभी राज्यों के बीच की भौगोलिक सीमाओं को ही समाप्त कर दिया। अब जब बाजार स्वतंत्र है तो व्यक्ति और राज्य का नियंत्रण में होना स्वाभाविक है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि बाजार के गैर-नियंत्रणकारी चरित्र ने आर्थिक असमानता में वृद्धि की है। हाल में आई आक्सफैम इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार भारत की एक प्रतिशत जनसंख्या के पास अब देश की कुल संपत्ति का चालीस प्रतिशत से भी अधिक हिस्सा है। जबकि नीचे की पचास फीसद आबादी के पास कुल संपत्ति का केवल तीन प्रतिशत हिस्सा है। या कहें कि 2022 तक भारत में अरबपतियों की संपत्ति में 121 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। यह दलील भी दी जाती है कि अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई और समाज में आर्थिक असमानता के लिए राज्य का कल्याणकारी चरित्र जिम्मेदार है। इसलिए राज्य को आर्थिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

नागरिक बोध

मेहनत की सिसकियाँ, नक़ल माफिया और राजनीतिक बैसाखियाँ

उत्तराखंड में देश का सबसे सख्त ₹नकल विरोधी कानून₹ लागू हो गया है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने उत्तराखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम और रोकथाम के उपाय) अध्यादेश 2023 को मंजूरी दे दी है।'नकल विरोधी कानून' के तहत नकल करने वाले उम्मीदवारों को दंडित किया जाएगा और उन पर 10 साल का प्रतिबंध लगाया जाएगा। नकल माफिया को उम्रकैद या 10 साल की जेल के साथ 10 करोड़ का जुर्माना लगाने का प्रावधान है। इसके अलावा नकल माफिया की संपत्ति कुर्क करने का भी प्रावधान है। यह यूकेपीएससी पेपर लीक के बाद आया है, जिसके कारण लगभग 1.4 लाख सरकारी नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों की परीक्षा रद्द कर दी गई थी। टी-कॉपीइंग एक्ट, 1992 भारतीय जनता पार्टी के कल्याण सिंह की अध्यक्षता वाली उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 1992 में अधिनियमित एक भारतीय कानून था। राजनाथ सिंह, हालांकि उस समय की सिंह सरकार में शिक्षा मंत्री थे, इस विचार का श्रेय स्वयं मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को दिया गया था। कानून का उद्देश्य राज्य में स्कूल और विश्वविद्यालय परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर नकल की प्रथा को रोकना है। इस अधिनियम ने परीक्षाओं में अनुचित साधनों के उपयोग को एक संज्ञेय अपराध बना दिया और यह गैर-जमानती था और कथित तौर पर पुलिस को जांच करने के लिए परीक्षा परिसर में प्रवेश करने की अनुमति दी। हालांकि, मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी की सरकार, जो 1993 में सत्ता में आई थी, ने अगले वर्ष इसे निरस्त कर दिया। निष्पक्ष और नकलविहीन भर्ती परीक्षा कराने के लिए उत्तराखंड में देश का सबसे कड़ा नकल विरोधी कानून लागू हो गया है. यह यूकेपीएससी पेपर लीक के बाद आया है, जिसके कारण लगभग 1.4 लाख सरकारी नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों की परीक्षा रद्द कर दी गई थी। कानून परीक्षाओं की शुचिता में बाधा डालने, अनुचित साधनों के प्रयोग, प्रश्न पत्रों के लीक होने और अन्य अनियमितताओं से संबंधित अपराधों को रोकने के लिए है।

देश दुनीया से

बेहतर चिकित्सा हो

विभागीय कार्यशैली और ढांचागत विकास में सकारात्मक दिशा उन जरूरतों पर तय होती है, जहां जनता के लिए सरकार का स्पर्श अपनी गुणवत्ता के साथ दर्ज हो। सुक्खू सरकार के अब तक के अंदाज में विभागीय पड़ताल के साथ कुछ नए कदम व करने का नया एहसास सामने आ रहा है। इसी दिशा में चिकित्सा को खंड स्तर पर परिष्कृत और परिमार्जित करने का संकल्प सामने आया है। बतौर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू चिकित्सा के हर खंड में एक नई प्रणाली विकसित करने का नक्शा बना रहे हैं, जहां 50 से 100 बिस्तरों की क्षमता में ऐसे अस्पताल सामने आएंगे जो स्थानीय स्तर पर उपचार के हर कौशल से संपन्न होंगे। इसके साथ सरकार कुछ क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों में भी आपातकालीन सेवाओं का ढांचा फिर से लिख रही है। इस तरह तीन लेयर में स्वास्थ्य सेवाओं का मुकम्मल होना, न केवल विभागीय कार्यशैली को बेहतर बनाएगा, बल्कि अस्पतालों के वर्गीकरण से मेडिकल कालेजों को कुशलता के साथ अति श्रेष्ठ बनाने में सहयोग करेगा। खंड स्तर पर अस्पतालों की दशा बदलते हुए एक तरह से सिटी अस्पतालों की सार्वजनिक शृंखला सामने आएगी। प्रदेश में पिछले दो दशक में बेशक मेडिकल कालेजों ने अपनी एक अलग पहचान बनानी शुरू की है, लेकिन स्वास्थ्य शिक्षा और चिकित्सा प्रणाली अभी तक विश्वसनीयता के साथ कर्मठ संस्कृति पैदा नहीं हुई। हालांकि हिमाचल ने मेडिकल यूनिवर्सिटी भी स्थापित कर दी, लेकिन न सामान्य अस्पताल का ढर्रा बदला और न ही चिकित्सा अध्ययन व शोध की परिपाटी से मेडिकल कालेज अलग नजर आए। अब तक हो यह रहा है कि मेडिकल कालेज स्थापित करते-करते प्रदेश के कई सिविल, क्षेत्रीय व जोनल अस्पताल अपना अक्स खो बैठे। मसलन टीएमसी के आगे धर्मशाला का अस्पताल, तो नेरचौक मेडिकल कालेज के सामने मंडी का जोनल अस्पताल शहीद हो गए। भारतीय चिकित्सा परिषद के निरीक्षणों ने मेडिकल कालेजों की परिधि में आने वाले कई अस्पतालों को अस्थायी सी व्यवस्था से जोड़ दिया। मेडिकल कालेजों की शृंखला ने सर्वप्रथम आईजीएमसी से छीन कर टीएमसी को नवाजा। फिर टीएमसी से छीनकर नेरचौक, नाहन, चंबा और हमीरपुर मेडिकल कालेज चले और अंत में इन्हीं से डाक्टर छीनकर बिलासपुर के एम्स ने आंखें खोलीं। आश्चर्य यह कि जिस तीव्रता से नए मेडिकल कालेज खुले, उससे भी अधिक रफ्तार में निजी अस्पतालों की जरूरत बढ़ती देखी जा रही है। इतना ही नहीं, आज भी पीजीआई के अलावा चंडीगढ़, जालंधर, पठानकोट व लुधियाना के निजी अस्पतालों पर हिमाचली जनता का भरोसा कम नहीं हुआ। इस हकीकत के बीच सुक्खू सरकार का व्यवस्था परिवर्तन का रथ अगर खंड स्तर पर उत्कृष्ट चिकित्सा का खाका बना रहा है, तो सुधार की यह दिशा कारगर सिद्ध होगी। साधारण चिकित्सा की अहम भूमिका में निचले स्तर के चिकित्सा संस्थान अगर सक्षम हो जाएं, तो निश्चित रूप से रैफरल सिस्टम सशक्त होगा। खंड स्तर पर बेहतर चिकित्सा के लिए सुविधाओं के अलावा डाक्टरी पेशे की प्रतिबद्धता को सुनिश्चित करना होगा। सरकार जिन आठ जिला, क्षेत्रीय या जोनल स्तर के अस्पतालों को क्रिटीकल केयर यूनिट से जोड़ रही है, वहां डाक्टरों और विशेषज्ञों के पूर्व निर्धारित पदों को बढ़ाने की बहुत आवश्यकता है। ये अस्पताल एक तरह से मेडिकल कालेजों के सहयोगी संस्थान रहे हैं, अतः इनकी क्षमता को बरकरार रखते हुए सरकार मेडिकल टूरिज्म का आगाज कर सकती है। इतना ही नहीं, जिला मुख्यालयों के क्षेत्रीय या जोनल अस्पतालों को किसी न किसी रोग विशेष के राज्य स्तरीय मेडिकल इंस्टीच्यूट का दर्जा देते हुए, चिकित्सा संबंधी चुनौतियों को स्थायी रूप से हल किया जा सकता है।

> बतौर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू चिकित्सा के हर खंड में एक नई प्रणाली विकसित करने का नक्शा बना रहे हैं, जहां 50 से 100 बिस्तरों की क्षमता में ऐसे अस्पताल सामने आएंगे जो स्थानीय स्तर पर उपचार के हर कौशल से संपन्न होंगे। इसके साथ सरकार कुछ क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों में भी आपातकालीन सेवाओं का ढांचा फिर से लिख रही है। इस तरह तीन लेयर में स्वास्थ्य सेवाओं का मुकम्मल होना, न केवल विभागीय कार्यशैली को बेहतर बनाएगा, बल्कि अस्पतालों के वर्गीकरण से मेडिकल कालेजों को कुशलता के साथ अति श्रेष्ठ बनाने में सहयोग करेगा। खंड स्तर पर अस्पतालों की दशा बदलते हुए एक तरह से सिटी अस्पतालों की सार्वजनिक शृंखला सामने आएगी। प्रदेश में पिछले दो दशक में बेशक मेडिकल कालेजों ने अपनी एक अलग पहचान बनानी शुरू की है, लेकिन स्वास्थ्य शिक्षा और चिकित्सा प्रणाली अभी तक विश्वसनीयता के साथ कर्मठ संस्कृति पैदा नहीं हुई।

सियासी उथल-पुथल के अंदेशे से परेशान शहबाज शरीफ ने चली नई चाल

इस्लामाबाद।

देश में राजनीतिक उथल-पुथल की बढ़ती आशंका के बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अपने नेतृत्व वाले सत्ताधारी गठबंधन को एकजुट रखने की कोशिश में जुट गए हैं। पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के नेता शरीफ ने इस सिलसिले में बुधवार को पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता और विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी से लंबी बातचीत की। उसके बाद भुट्टो-जरदारी ने कहा कि पीपीपी देश के सभी राजनीतिक दलों से संपर्क करेगी, ताकि राजनीतिक व्यवहार को लेकर आम सहमति तैयार की जा सके। उन्होंने कहा- 'हमें ऐसी आम सहमति बनानी होगी, ताकि आपसी टकराव में हम लक्ष्मण रेखा ना लांघे, तभी देश इस एक साथ आ खड़े हुए कई संकटों का सामना कर सकेगा।

लेकिन सत्ताधारी नेताओं की यह उम्मीद पूरी होने के संकेत नहीं हैं। शहबाज शरीफ सरकार ने बुधवार को जल्दबाजी में नेशनल असेंबली की बैठक बुलाई, जिसमें मिनी बजट पेश किया गया। इसके एक दिन पहले राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने इस बजट को अध्यादेश के जरिए लागू करने से इनकार कर दिया था। मिनी बजट के जरिए सरकार ने 170 अरब रुपये का राजस्व जुटाने का प्रावधान किया है। इसका पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने जोरदार विरोध किया है। उन्होंने एलान किया है कि उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) नेशनल असेंबली में मिनी बजट का विरोध करेगी।

अर्थ जगत के जानकारों ने भी नए कर प्रस्तावों की आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि इससे महंगाई और बढ़ेगी, जबकि देश के लोग पहले से ही अभूतपूर्व महंगाई झेल रहे हैं। पर्यवेक्षकों के मुताबिक टैक्स बढ़ाने के प्रस्ताव से सत्ताधारी गठबंधन के अंदर भी हलचल है। इसी को देखते हुए शहबाज शरीफ ने सहयोगी दलों के नेताओं से बातचीत शुरू की है।

शरीफ सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) को संतुष्ट करने के लिए नए टैक्स लगाए हैं। आईएमएफ ने शर्त लगा रखी है कि जब तक पाकिस्तान सरकार अपनी राजकोषीय सेहत बहाल नहीं करेती, वह मंजूर हो चुके लगभग सात बिलियन डॉलर के ऋण की किस्तें देना शुरू नहीं करेगा। मिनी बजट रखने जाने के बाद इमरान खान ने वीडियो लिंक के जरिए अपने समर्थकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नए कर प्रस्तावों से महंगाई बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि सेल्स टैक्स बढ़ाया गया है, जिससे ईंधन और महंगा होगा और साथ ही लगभग सभी जरूरी चीजों की कीमतें बढ़ेंगी।

पर्यवेक्षकों के मुताबिक सत्ताधारी नेताओं को इस बात का अंदाजा है कि हाल में बिजली और पेट्रोलियम की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद अब नए टैक्स लगाने के प्रस्ताव से लोगों में गुस्सा फैलेगा, जिसका फायदा पीटीआई को मिल सकता है। इसलिए अब उन्होंने आर्थिक संकट के समाधान के मामले में आम सहमति बनाने की बात की है। बिलावल भुट्टो-जरदारी ने कहा कि पीपीपी एक समिति बनाएगी, जो सभी राजनीतिक दलों से संपर्क करेगी। समिति उन दलों के सामने एक आचार संहिता और साझा एजेंडा पेश करेगी।

न्यूज ब्रीफ

अरुणाचल प्रदेश को बताया भारत का अभिन्न अंग, अमेरिकी सांसदों ने पेश किया द्विदलीय विधेयक

वॉशिंगटन। अमेरिका के दो सांसदों ने अरुणाचल प्रदेश के मुद्दे पर भारत का समर्थन करते हुए अमेरिकी संसद में द्विदलीय विधेयक पेश किया है। इस विधेयक में अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न अंग बताया गया है। यह विधेयक ओरेगोन से सांसद जेफ मर्कले और बिल हागेर्टी ने पेश किया है। बता दें कि चीन, भारतीय प्रदेश अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा करता है। जिसके चलते चीन अब एलएसी पर पूर्वी सेक्टर में आक्रामकता दिखा रहा है। बीते दिनों भारत और चीन की सेनाओं के बीच हिंसक झड़पें भी हुईं थी। इन्हीं सब घटनाओं के बीच अमेरिकी सांसदों ने यह विधेयक पेश किया है। अमेरिकी कांग्रेस की कांग्रेसनल एग्जीक्यूटिव कमीशन ऑन चाइना के सह अध्यक्ष सीनेटर जेफ मर्कले ने कहा कि अमेरिका पूरी दुनिया में स्वतंत्रता और कानून आधारित पद्धति का समर्थन करता है। यह प्रस्ताव साफ कर देता है कि अमेरिका अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न अंग मानता है, ना कि पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना का। विधेयक में अमेरिकी सरकार से सहयोगी देशों के साथ संबंध और मजबूत करने के लिए कहा गया है और चीन की आक्रामकता की आलोचना की गई है। सीनेटर बिल हागेर्टी के अनुसार, ऐसे समय जब चीन लगाातर हिंद प्रशांत महासागर में आजादी के लिए खतरा बना हुआ है। तब अमेरिका को अपने रणनीतिक साझेदारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होना चाहिए। खासकर भारत के साथ। बिल होगेर्टी ने कहा कि अमेरिका और भारत की रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बनाया जाए। क्वाड में सहयोग को बढ़ाया जाए, जिससे हिंद महासागर में मुक्त आवाजाही सुनिश्चित हो सके।

मानवीय चूक हो सकती है पोखरा विमान दुर्घटना की वजह, प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में खुलासा

काठमांडू। नेपाल में पिछले महीने हुई विमान दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। बताया जा रहा है कि रिपोर्ट में मानवीय चूक की वजह से हादसा होने की आशंका जताई गई है। नेपाल के पर्यटन, संस्कृति और नागरिक उड्डयन मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की गई है। 'यति एयरलाइंस' के 9एन-एएनसी एटीआर-72 विमान ने पिछले महीने 15 जनवरी को पूर्वाह्न 10 बजकर 33 मिनट पर काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। पोखरा हवाई अड्डे पर उतरते वक्त विमान पुराने हवाई अड्डे और नए हवाई अड्डे के बीच सेती नदी के तट पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। दुर्घटना के समय चालक दल के चार सदस्यों समेत 72 लोग विमान में सवार थे। इनमें 55 नेपाली नागरिक, पांच भारतीय सहित 15 विदेशी नागरिक शामिल थे। बचाव अधिकारियों को 71 शव मिले हैं, जबकि अन्य लापता यात्रियों को भी मृत माना जा रहा है। भारतीयों की पहचान अभिषेक कुशवाहा (25), विशाल शर्मा (22), अनिल कुमार राजभर (27) सोनू जायसवाल (35) और संजय जायसवाल के तौर पर हुई थी। ये सभी उत्तर प्रदेश के निवासी थे।

कनाडा की संसद में गूंजा राम मंदिर पर हमले का मामला, सांसद ने हिंदूफोबिया को लेकर सरकार को चेताया

ओंटारियो। कनाडा के मिसिसॉगा में स्थित राम मंदिर पर भारत विरोधी नारे लिखने का मामला कनाडा की संसद में भी गूंजा है। दरअसल भारतीय मूल के कनाडा के सांसद चंद्रा आर्य ने इस घटना की कड़ी निंदा की और कनाडा में बढ़ते हिंदू विरोध पर भी चिंता जाहिर की। चंद्रा आर्य ने कनाडा सरकार से इन घटनाओं में कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। आर्य ने कहा कि कनाडा में हिंदू मंदिर घृणा अपराध का निशाना बन रहे हैं। चंद्रा आर्य ने कनाडा की संसद में दिए अपने बयान में कहा कि बड़े दुख और नाराजगी के साथ बताना पड़ रहा है कि हिंदू विरोध और भारत विरोध का ताजा निशाना मिसिसॉगा का राम मंदिर बना है। हाल के समय में भारत विरोधी और हिंदू विरोधी संगठनों द्वारा कनाडा में कई हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया गया है। इन संगठनों ने पहले सोशल मीडिया पर हिंदू कनाडाई नागरिकों को निशाना बनाया और हिंदूफोबिया फैलाने की कोशिश की। अब वह हिंदू मंदिरों पर हमले कर रहे हैं। ऐसी खबरें आई हैं कि कई हिंदुओं पर भी हमले हुए हैं। चंद्रा आर्य ने कहा कि कनाडा को इन घटनाओं को गंभीरता से लेने की जरूरत है। एक कनाडाई होने के नाते हम सभी धार्मिक मान्यताओं और धार्मिक आस्थाओं के साथ शांतिपूर्वक रहते हैं और आगे भी इसे बनाए रखने की कोशिश हमें करनी चाहिए।

यूक्रेन पर रूस ने बढ़ाए मिसाइल हमले, कई क्षेत्रों से यूक्रेनी सेना को पीछे धकेलने का दावा

कीव।

रूस द्वारा यूक्रेन पर किए गए हमले की बरसी से ठीक एक सप्ताह पहले रूसी सेना एक बार फिर आक्रामक हो उठी है। उसने पूर्वी यूक्रेन में दो मजबूत रक्षा पंक्तियों को खत्म कर बढ़त बनाने का दावा किया है, जबकि पश्चिमी देश जवाबी हमले की तैयारी में कीव को हथियार देने के लिए सैन्य मदद बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। संकेत हैं कि रूस इस हमले की पहली वर्षगांठ के पूर्व एक बड़े आक्रमण की तैयारी कर रहा है।

गुरुवार को रूसी सेना ने दक्षिणी और पूर्वी यूक्रेन में एक के बाद एक कई मिसाइलें दागीं। यूक्रेनी उप रक्षा मंत्री हन्ना मलयार ने कहा कि दुश्मन ने पूर्वी शहरों में 24 घंटे का युद्ध छेड़ दिया है। हालात तनावपूर्ण हैं, लेकिन हमारे लड़ाके रूसियों से डटकर मुकाबला कर रहे हैं। इससे पहले रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेनी सेना लुहांस्क क्षेत्र में हमारे अभियानों के सामने पीछे हट गई है। उसने बताया, रूसी हमले के दौरान यूक्रेनी सैनिक पहले से कब्जे वाली लाइनों से 3 किमी तक पीछे हट गए हैं। अब यूक्रेन की दूसरी पंक्ति भी रूसी सैनिकों को रोक नहीं पाएगी। दोनेस्क व दोनबास क्षेत्रों में आंशिक रूप से रूस के कब्जे की खबरें हैं। रूस ने बखमुत शहर पर भी हमले बढ़ा दिए हैं। यहां यूक्रेन को नुकसान हुआहै। यूक्रेनी बलों ने कहा, यहां 15 से ज्यादा कस्बों और गांवों पर गोलीबारी हुई है। लुहांस्क व कई क्षेत्रों से यूक्रेनी सेना को पीछे धकेलने का रूस ने किया दावा। युद्ध शुरू होने की बरसी से एक हफ्ते पहले बड़े हमले की तैयारी में जुटा रूस। जर्मनी के संघीय सांख्यिकी कार्यालय ने बताया कि 2022 में करीब 11 लाख लोग यूक्रेन से जर्मनी पहुंचे। गत वर्ष मार्च से मई में यूक्रेन पर हमले के बाद प्रथम 3 माह में यूक्रेन से दो तिहाई अप्रवासी पहुंचे। इस बीच, गत एक साल में लाखों यूक्रेनी विस्थापित हुए हैं।

रूस ने कीव पर छोड़े 6 गुब्बारे, अधिकांश मार गिराए - जासूसी गुब्बारों को लेकर अमेरिका-चीन में जारी तनाव के बीच अब रूस ने भी यूक्रेन की राजधानी कीव के ऊपर छह घातक गुब्बारे छोड़े हैं। हालांकि, यूक्रेनी सेना ने अधिकांश गुब्बारों को मार गिराने का दावा किया है। यूक्रेनी प्रशासन ने गुब्बारों में कॉर्नर रिफ्लेक्टर और टोही उपकरण लगे होने की आशंका जताई है। यूक्रेनी वायु सेना के प्रवक्ता यूरी इहनाट ने भी पुष्टि की है कि हवाई हमले के सायरन राजधानी में उड़ रहे गुब्बारों के कारण बज रहे थे।

यूक्रेन में 36 क्रूज और अन्य मिसाइलों से ताबड़तोड़ हमले - रूस ने 36 क्रूज और अन्य मिसाइलों के साथ यूक्रेन पर ताबड़तोड़ हमला बोला है। यूक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि उनमें से कम से कम 16 को यूक्रेनी वायु रक्षा इकाइयों ने नष्ट कर दिया। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख ने कहा कि देश के उत्तर, पश्चिम और दक्षिण में लक्ष्यों को निशाना बनाया गया। स्थानीय गवर्नर सेरही लिसाक ने बताया कि पूर्वी शहर पावलोह्राद में मिसाइलों के हमले में 79 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और कम से कम सात अन्य लोग घायल हो गए। पश्चिमी यूक्रेन के एक क्षेत्रीय गवर्नर मैक्सिम कोजित्स्की ने कहा कि लवीव प्रांत में एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे में आग लग गई।

टीटीपी और हिजबुल मुजाहिदीन बने रहेंगे वैश्विक आतंकी संगठन, अमेरिका ने दर्जा बदलने से किया इनकार

वॉशिंगटन। हिजबुल मुजाहिदीन और तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान का वैश्विक आतंकी संगठन का दर्जा बरकरार रहेगा। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने कहा कि समीक्षा के दौरान ऐसा कोई कारण नहीं मिला, जिसके चलते इन आतंकी संगठनों के दर्जे में कोई बदलाव किया जाए। बता दें कि गुरुवार को विदेशी आतंकी संगठनों जैसे तहरीक ए तालिबान, हिजबुल मुजाहिदीन और आर्मी ऑफ इस्लाम आदि के दर्जे को लेकर समीक्षा बैठक हुई। बैठक में इन आतंकी संगठनों के दर्जे में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला किया गया। एंटनी ब्लिंकेन ने कहा कि प्रशासनिक दस्तावेजों की समीक्षा और अटॉर्नी जनरल, वित्त मंत्री से सलाह के बाद यह फैसला किया गया है। वैश्विक आतंकी संगठन घोषित होने के बाद आतंकी संगठनों को फंडिंग पाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

समझने की कोशिश में जुटा नेपाल, बड़े देशों से क्यों मिल रही है इतनी अहमियत

काठमांडो।

हाल के हफ्तों में अमेरिका के तीन बड़े अधिकारियों ने नेपाल की यात्रा की। इसी बीच भारत के विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा भी दो दिन की यात्रा पर नेपाल आए। इन यात्राओं को लेकर यहां कूटनीतिक और राजनीतिक हलकों में गरमागर्म चर्चा जारी है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में अचानक नेपाल को मिल रही असाधारण अहमियत के कारणों को समझने की यहां कोशिश की जा रही है।

अमेरिका की विदेश उप मंत्री विक्टोरिया नुलैंड, यूएसएड की प्रमुख समांत पॉवर और अमेरिकी विदेश मंत्रालय में दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों की प्रभारी आफरीन अख्तर ने तीन हफ्तों के अंदर नेपाल का दौरा किया है। अख्तर इसी बुधवार को दो दिन रहने के बाद यहां से रवाना हुई हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बारे में कहा है- 'अमेरिकी अधिकारियों ने खुद हमसे उन्हें आमंत्रित करने को कहा। हमने आमंत्रण नहीं भेजा था। वे अपनी सुविधा से यहां आए और अपनी चिंताओं और शिकायतों की जानकारी हमें दी। एक रिपोर्ट के मुताबिक यहां सरकारी अधिकारियों के साथ अपनी बैठक के दौरान अमेरिकी अधिकारियों ने पूछा कि नेपाल अमेरिका के स्टेट पार्टनरशिप प्रोग्राम (एसपीपी) में शामिल क्यों नहीं हुआ। एसपीपी में शामिल ना होने का फैसला पूर्व शेर बहादुर देउबा सरकार के समय किया गया था। इसके अलावा अमेरिकी अधिकारियों ने परोक्ष रूप से चीन को लेकर आगाह भी किया। नुलैंड ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि नेपाल को पड़ोसी देशों से संबंध बनाते वक्त अपनी संप्रभुता की रक्षा करनी चाहिए। साफ तौर पर उनका इशारा चीन की तरफ था।

इसके अलावा अमेरिकी अधिकारियों ने यूक्रेन युद्ध समेत कई अंतरराष्ट्रीय मसलों पर नेपाल का समर्थन मांगा। इस बारे में नेपाल के अधिकारियों ने मीडिया से कहा है कि संयुक्त राष्ट्र में लाए जाने वाले प्रस्तावों आदि जैसे मसलों पर किसका समर्थन या विरोध किया जाए, इस बारे में फैसला नेपाल अपनी कसौटियों के आधार पर करता है।

इस बीच ऐसे संकेत हैं कि जल्द ही अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में दक्षिण एशिया मामलों के वरिष्ठ निदेशक रियर एडमिरल एलीन लौबेचर भी नेपाल आएंगे। नेपाल के कूटनीतिक विशेषज्ञों के मुताबिक नेपाल में नई सरकार बनने के कारण अमेरिकी अधिकारी लगातार काठमांडू की यात्रा कर रहे हैं।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार, लाहौर पुलिस पहुंची इमरान खान के घर

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को पुलिस गिरफ्तार कर सकती है। बताया जा रहा है कि लाहौर पुलिस इमरान को गिरफ्तार करने के लिए उनके आवास पर पहुंच गई है। इमरान के समर्थकों ने उनके आवास को घेरा हुआ है। इससे पहले चुनाव आयोग के दफ्तर के सामने हुए प्रदर्शन मामले में कोर्ट ने बुधवार को उनकी अंतरिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। पाकिस्तान की एक आतंकवाद निरोधी अदालत ने संबंधित मामले की सुनवाई में शामिल न होने पर इमरान खान की याचिका को खारिज कर दिया था। कोर्ट के जज राजा जवाद अब्बास ने संबंधित मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि मेडिकल आधार पर इमरान खान को अदालत में पेश होने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था, लेकिन वह ऐसा करने में विफल रहे। हालांकि, इमरान खान के वकील बाबर अयान ने कहा कि इमरान खान पिछले साल उन पर हुए हमले से उबर नहीं पाए हैं और उन्हें कोर्ट में पेश होने के लिए एक अंतिम मौका दिया जाना चाहिए। इसके बाद कोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए टिप्पणी की कि अदालत एक आम व्यक्ति को ऐसी राहत नहीं दे सकती है, ऐसे में इमरान खान जैसे शक्तिशाली व्यक्ति को भी राहत नहीं दी जा सकती है। पिछली सुनवाई में अदालत ने इमरान खान की ओर से वर्चुअल सुनवाई के अनुरोध को खारिज कर दिया था। कोर्ट ने इमरान खान को 15 फरवरी को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए कहा था। हालांकि, इमरान खान अदालत के सामने पेश नहीं हुए। बीते साल प्रतिबंधित फंडिंग मामले में चुनाव आयोग ने इमरान खान को आयोग्य घोषित कर दिया था। इसके बाद तहरीक-ए-इंसाफ के कार्यकर्ताओं ने पूरे देश में चुनाव आयोग के दफ्तरों के बाहर विरोध प्रदर्शन किया था। इस मामले में बीते साल अक्तूबर में पुलिस ने आतंकवाद विरोधी कानूनों के तहत एक मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

अलबामा में ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, हादसे में टेनेसी नेशनल गार्ड के दो सदस्यों की मौत

अलबामा।

अमेरिका में अलबामा के हंट्सविले के पास हाईवे 53 के नजदीक एक प्रशिक्षण उड़ान के दौरान टेनेसी नेशनल गार्ड से संबंधित एक ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में चालक दल के दो सदस्यों की मौत हो गई। सीएनएन ने बुधवार को यह जानकारी दी। सीएनएन के अनुसार, औपचारिक रूप से यूएच-60 के रूप में जाना जाने वाला हेलीकॉप्टर दोपहर लगभग तीन बजे (स्थानीय समय) अलबामा के हंट्सविले में हाईवे 53 और बुरवेल रोड के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। संघीय और स्थानीय अधिकारी दुर्घटना की जांच कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में कोई अन्य सेवा सदस्य या नागरिक घायल नहीं हुए हैं।

सहायक जनरल ब्रिगेडियर जनरल वार्नर रॉस ने एक बयान में कहा कि हम दो टेनेसी नेशनल गार्ड्समैन की मौत से बहुत दुखी हैं और इस दिल दहला देने वाली त्रासदी के दौरान हमारी प्रार्थना उनके परिवारों के साथ है। उन्होंने कहा कि हम टेनेसी के लोगों से इस अकल्पनीय दु:ख के समय में उनके परिवारों का समर्थन करने में हमारे साथ शामिल होने की अपील करते हैं।

हंट्सविले इमरजेंसी मेडिकल सर्विसेज, इंक के साथ डॉन वेबस्टर ने सीएनएन को बताया कि जब दमकलकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे तो हेलीकॉप्टर पूरी तरह से आग की लपटों में घिर चुका था। उन्हें हेलीकॉप्टर के अंदर दो लोगों के शव मिले। इस बीच, अलबामा कानून प्रवर्तन एजेंसी ने कहा कि उसके हाईवे पेट्रोल डिवीजन के सैनिकों और मैडिसन काउंटी शेरिफ कार्यालय के डेप्युटी ने दुर्घटनास्थल का दौरा किया है। मैडिसन काउंटी शेरिफ कार्यालय के एक प्रवक्ता ब्रेंट पैटरसन ने बुधवार को सीएनएन को दुर्घटना की पुष्टि की और कहा कि हादसे में कोई जीवित नहीं बचा है।

वेबस्टर ने कहा, कई एजेंसियों के पास क्षेत्र में हेलीकॉप्टर हैं, इसलिए अधिकारियों को यह निर्धारित करने में कुछ समय लगा कि हेलीकॉप्टर का मालिक कौन है। उन्होंने कहा कि हेलीकॉप्टर पर कोई निशान नहीं था क्योंकि वह पूरी तरह से जल चुका था, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो गया था।

अलबामा के कांग्रेस सदस्य डेले डब्ल्यू स्ट्रॉन्ग ने दुर्घटना में जान गंवाने वाले नेशनल गार्ड के सदस्यों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए एक ट्वीट किया।स्ट्रॉन्ग ने ट्वीट में कहा, मैडिसन काउंटी में आज हुई घातक हेलीकॉप्टर दुर्घटना से मैं बहुत दुखी हूं। इस दुखद घटना में जान गंवाने वालों और उनके परिवारों के लिए मेरा दिल दुखी है।

ब्रिटिश सांसद ने बांधे पीएम मोदी की तारीफों के पुल, खुद को भाजपा समर्थक बताया; पाकिस्तान को चेताया

लंदन।

ब्रिटेन के सांसद बॉब ब्लैकमेन ने कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कमाल का काम किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। ब्रिटिश सांसद ने भारतीय जनता पार्टी को उनकी पार्टी कंजरवेटिव पार्टी की प्राकृतिक सहयोगी पार्टी बताया। इसके अलावा ब्लैकमेन ने पाकिस्तान को भी आड़े हाथों लिया और उसे आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने की सलाह दे डाली।

प्रधानमंत्री की तारीफ में कही बड़ी बात

ब्रिटेन की कंजरवेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमेन ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को बदलने के लिए कमाल का काम किया है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश बनने वाला है और यह दुनिया का सबसे लोकतंत्र भी है। उन्होंने कहा कि जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को आर्थिक शक्ति बनाया और अब वह बतौर प्रधानमंत्री देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत कर रहे हैं।

बीजेपी को बताया साझेदार

बॉब ब्लैकमेन ने बातचीत में भारतीय जनता पार्टी को अपनी पार्टी कंजरवेटिव पार्टी की प्राकृतिक सहयोगी बताया और दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों की वकालत की। ब्लैकमेन ने कहा कि जहां तक मुझे लगता है, मैं भाजपा का लंबे समय से समर्थक रहा है। मुझे लगता है कि भाजपा और ब्रिटेन की कंजरवेटिव पार्टी सहयोगी हैं। जिस तरह ब्रिटेन में कंजरवेटिव पार्टी है, उसी तरह भारत में भाजपा है।

पाकिस्तान को लेकर कही बड़ी बात

बॉब ब्लैकमेन ने भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान और खराब आर्थिक हालत को लेकर भी बातचीत की। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि पाकिस्तान को अपनी जमीन पर चल रहे आतंकी कैंपों को खत्म करना होगा। ब्लैकमेन ने पीओके को गैरकानूनी रूप से कब्जा किया गया कश्मीर कहकर संबोधित किया। ब्लैकमेन ने कहा कि पाकिस्तान को पहले अपनी जमीन पर चलने वाले आतंकी कैंपों को खत्म करना होगा। खासकर गैरकानूनी रूप से कब्जाए कश्मीर से आतंकी कैंपों को खत्म करना होगा, उसके बाद ही शांति हो सकती है।

ब्लैकमेन ने कहा कि अफगानिस्तान से सेना वापस बुलाने का अमेरिका का फैसला भी एक गलती थी। ब्रिटिश सांसद ने कहा कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान गैरकानूनी ड्रग्स के व्यापार का हिस्सा हैं। पाकिस्तान की खराब आर्थिक स्थिति पर ब्लैकमेन ने कहा कि मेरी पाकिस्तान को सलाह है कि उन्हें आईएमएफ की बात सुननी चाहिए। उन्हें अपनी अर्थव्यवस्था को सही करना होगा और दुनिया भर में पैसे और समर्थन की मांग करने से कोई फायदा नहीं होगा।

बता दें कि बॉब ब्लैकमेन साल 2010 से ब्रिटेन की हारौ ईस्ट सीट से सांसद हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति का मेडिकल चेकअप हुआ, डॉक्टर बोले- 80 साल की उम्र में बाइडेन

वॉशिंगटन। अमेरिका में अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अभी से तैयारियां तेज हो गई हैं। 80 साल के राष्ट्रपति जो बाइडेन फिर से चुनावी मैदान में कूदने को तैयार हैं। इसके लिए अब उनके डॉक्टर ने भी मंजूरी दे दी है। व्हाइट हाउस की तरफ से बाइडेन का रूटीन मेडिकल हेल्थ चेकअप कराया गया। इसके बाद बाइडेन के चिकित्सक डॉ. केविन सी ओकॉनर ने कहा, राष्ट्रपति अभी अपने काम के लिए बिल्कुल फिट हैं और बिना किसी मदद या छूट के अपनी सभी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं। वह स्वस्थ्य और फुर्तीले हैं। बाइडेन की ये मेडिकल रिपोर्ट काफी अहम मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि बाइडेन अगले साल होने वाले चुनाव में फिर से अपने प्रतिद्वंदी डोनाल्ड ट्रम्प का मुकाबला करने के लिए तैयार हो रहे हैं। मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, अभी राष्ट्रपति बाइडेन नॉर्मल वेंट्रिकुलर रिस्पॉन्स, हाइपरलिपिडिमिया, गैस्ट्रोओसोफेगल रिफ्लक्स, मौसमी एलर्जी, रीढ़ की हड्डी में गठिया और पैरों के हल्के संवेदी परिधीय न्यूरोपैथी के साथ ए-फाइब की दिक्कत है। इसके लिए, वह दवाओं की तीन सामान्य प्रिस्क्रिप्शन और दो सामान्य ओवर-द-काउंटर दवाएं लेते हैं। बाइडेन का परीक्षण करने वाले डॉक्टर ओकॉनर ने कहा, राष्ट्रपति बाइडेन एक स्वस्थ, ऊर्जावान 80 वर्षीय पुरुष बने हुए हैं। जो मुख्य कार्यकारी, राज्य के प्रमुख और कमांडर इन चीफ के रूप में राष्ट्रपति पद के कर्तव्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए फिट हैं।

अजमेर में गैस टैंकर-ट्रेलर में टक्कर, तीन लोग जिंदा जले

अजमेर (राजस्थान), (हि.स.)। अजमेर के नेशनल हाइवे-8 पर रानी बाग रिसोर्ट के पास गुरुवार आधीरात बाद 12:30 बजे गैस टैंकर और ट्रेलर की टक्कर में तीन लोग जिंदा जल गए। यह टक्कर इतनी भयावह थी कि 500 मीटर का क्षेत्र आग का गोला बन गया। हाइवे से गुजर रहे दो ट्रक और कई दोपहिया वाहन भी आग की चपेट में आ गए। साथ ही मिश्रीपुरा और गरीब नवाज कॉलोनी सहित आसपास फैली आग ने 10 से अधिक मकानों को भी चपेट में ले लिया। मृतकों में गैस टैंकर का चालक और मार्बल ब्लॉक लेकर जा रहे ट्रेलर का चालक शामिल है। चार लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना है। इनमें से तीन को जेएलएन अस्पताल, अजमेर रेफर किया गया है। सूचना मिलते ही रात एक बजे कलेक्टर अंशदीप और एसपी चूनाराम जाट मौके पर पहुंचे। हादसे के बाद हाइवे पर जाम लग गया। सुराना पोल फैक्टरी के चौकीदार और हादसे के प्रत्यक्षदर्शी हुसैन ने बताया कि दोनों वाहनों की टक्कर के बाद हुए धमाके की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी। आग लगने से आसपास के घरों में दरारें आ गईं। आग से प्रभावित करीब 10-12 घरों को खाली करा लिया गया है। बताया जा रहा है कि मुंबई से दिल्ली के लिए अनाज भरकर जा रहे ट्रेलर ड्राइवर नोखा निवासी सुंदर पुत्र मुनीराम अजमेर रोड पुलिया के समीप से गुजर रहा था कि अचानक उसके ट्रेलर से एलपीजी से भरा टैंकर टकरा गया और आग लग गई। इस हादसे में सुंदर की मौत हो गई। पुलिस अन्य मृतकों और घायलों की जानकारी जुटा रही है। बताया गया है कि आग की लपटों की चपेट में सोयाबीन से लदा एक ट्रक भी आ गया। लपटों में घिरे तीनों वाहन जल गए। डाबर सदर थाना पुलिस के मुताबिक जाम लगने के बाद शुक्रवार सुबह तक रूट डायवर्ट रहा। मौके पर पुलिस तैनात है। नगर परिषद सभापति नरेश कनोजिया ने बताया कि दमकल विभाग ने आग पर काबू पा लिया है।

पानी के टैंक में मिलाया केमिकल, पंद्रह लोगों की बिगड़ी तबीयत

CRIME SCENE

जोधपुर, (हि.स.)। शहर के बालसमंद रॉयल्टी नाका के पास में चल रहे पानी के प्लांट में टैंक में केमिकल अथवा डीजल मिला देने से जहरीला हो गया। इस पानी को पीने वाले पंद्रह मजदूर बीमार हो गए। जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। प्लांट मालिक ने एक व्यक्ति पर संदेह जताते हुए उसके खिलाफ रिपोर्ट दी है। संदेह है कि प्रतियोगी भावना के चलते यह वारदात की गई है। मंडोर पुलिस ने बताया कि घटना में खोखरिया बेरा निवासी विनोद पुत्र खेमसिंह गहलोत ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसका एक पानी का प्लांट बालसमंद रोड रॉयल्टी नाका के पास में चल रहा है। जहां से पानी के कैंपर आदि सप्लाई होते है। यहां पर रात के समय किसी शख्स ने पानी के टैंक में केमिकल अथवा डीजल डाल दिया। जिससे वहां काम करने वाले उसके पंद्रह बीस मजदूरों ने पानी को पी लिया, जिससे उनकी तबीयत बिगड़ गई और उल्टी दस्त की शिकायत पर अस्पताल लाया गया। प्लांट मालिक विनोद ने इस संबंध में कुलदीप नाम के एक शख्स पर संदेह जाहिर करते हुए उसके खिलाफ रिपोर्ट दी है। कुलदीप भी पानी का काम करता है। जोकि उससे प्रतिस्पर्धा की भावना रखता है। फिलहाल मंडोर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर तफ्तीश आरंभ की है।

लाखों की चोरी के मामले में एक और गिरफ्तार

झालावाड़, (हि.स.)। जिले के खानपुर कस्बे में गत 12 फरवरी को हुई लाखों रुपए की चोरी की वारदात में शामिल तीसरे सहयोगी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। खानपुर थानाधिकारी सीआई हरिसिंह मीणा ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर खानपुर कस्बे में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने फरियादी सलाम बैग के भांजे कनवास थाने के दरा गांव निवासी सोहेल पुत्र अहमद व पप्पू खारवाल पुत्र अनार सिंह को 14 फरवरी को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने सोहेल खान से 2 लाख 89 हजार व आरोपी पप्पू के पास से 50 हजार रुपए बरामद किए थे। वही चोरी के तीसरे सहयोगी आरोपी दरा गांव निवासी नरेंद्र पुत्र चौथमल के कब्जे से 10 हजार रुपए और चुराए गए सोने चांदी के सारे जेवरात बरामद करने में सफलता मिली है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी सोहेल खान व पप्पू को कोर्ट में पेश करने पर पुलिस रिमांड लिया था, इस दौरान पुलिस ने पूछताछ कर चोरी किए गए 3 लाख 60 हजार के सोने चांदी के गहने तीसरे आरोपी नरेंद्र नायक के पास रखने की बात बताई थी। इस पर पुलिस ने आरोपियों को डिटेन कर कोर्ट में पेश कर 1 दिन का पुलिस रिमांड लिया, तीनों आरोपियों से नगदी व जेवर बरामद कर लिए है।

तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा के प्रोविजनल ई प्रवेश पत्र जारी

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर
Rajasthan Staff Selection Board, Jaipur

जयपुर, (हि.स.)। प्रदेश की सबसे बड़ी तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा के प्रोविजनल ई प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं। अभ्यर्थी राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ऑफिशियल वेबसाइट से अपना एप्लीकेशन नंबर और डेट ऑफ बर्थ डालकर एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे। इसके अलावा बोर्ड ने अभ्यर्थी के आवेदन पत्र में दर्ज किए गए मोबाइल नंबर के व्हाट्सएप पर राजस्थान स्टेट रिक्रूटमेंट पोर्टल के नंबर (9461062046) से एडमिट कार्ड डाउनलोड करने की भी व्यवस्था की है। तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा-2022 के लिए 9 लाख 64 हजार 965 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। इसमें लेवल-1 में कुल 2 लाख 12 हजार 259 और लेवल-2 में 7 लाख 52 हजार 706 अभ्यर्थी पंजीकृत हुए हैं। इन अभ्यर्थियों में विशेष शिक्षा के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या 16 हजार 418 है। 25 फरवरी से एक मार्च तक आयोजित होने वाली इन परीक्षाओं के आयोजन के लिए 11 जिलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। राजधानी जयपुर में सबसे ज्यादा अभ्यर्थी अपना भाग्य आजमाएंगे। ऐसे में परीक्षा के आयोजन के दौरान कानून व्यवस्था और यातायात के सफल संचालन के लिए जयपुर शहर में 4 अस्थाई बस स्टैंड बनाये जा रहे हैं।

जिला कलक्टर के निर्देश ट्रांसपोर्ट नगर रोडवेज बस स्टेण्ड, टोंक रोड स्थित तारों की कूंट, अजमेर रोड स्थित बदरवास नारा विहार तिराहा, सीकर रोड स्थित विद्याधर नगर स्टेडियम पर अस्थाई बस स्टैंड बनाए जा रहे हैं। पुलिस आयुक्तालय को अस्थाई बस स्टैंड्स पर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था, जयपुर विकास प्राधिकरण को जरूरी प्रबंध करने के लिए निर्देशित किया गया है, तो एसडीएम, उप पंजीयक और नायब तहसीलदार स्तर के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। यहां अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए चिकित्सा विभाग और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों की ड्यूटी भी अस्थाई बस स्टैंड पर लगाई गई है। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर परीक्षा से 1:30 घंटे पहले उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही विज्ञप्ति में स्पष्ट किया गया है कि परीक्षा शुरू होने से ठीक एक घंटे पहले तक ही प्रवेश के लिए अनुमति होगी। इसके बाद परीक्षा केंद्र का प्रवेश द्वार बंद कर दिए जाएंगे और किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। नकल रोकने के लिए परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों की तलाशी के बाद ही उन्हें परीक्षा कक्ष में एंट्री दी जाएगी। इसे ध्यान में रखते हुए अभ्यर्थियों को निर्धारित परीक्षा समय से डेढ़ घंटे पहले उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

जिले के 109 गांवों में बनेंगी ई-लाइब्रेरी, जिम और महिला संस्कृति केंद्र

फतेहाबाद, (हि.स.)। जिले के 109 गांवों में ई-लाइब्रेरी, जिम और महिला संस्कृति केंद्र बनाए जाएंगे। इन पर कुल 13 करोड़ 44 लाख रुपये की लागत आएगी। जिला परिषद की सामान्य बैठक में इन कार्यों पर विचार विमर्श किया गया। शुक्रवार को जिला परिषद की सामान्य बैठक जिला परिषद प्रधान सुमन खिचड़ की अध्यक्षता में हुई। बैठक में फतेहाबाद के विधायक दुड़ा राम और रतिया के विधायक लक्ष्मण नापा भी मौजूद रहे। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कुलभूषण बंसल ने बैठक का संचालन करते हुए जिला परिषद के एजेंडा वाइज कार्यवाही शुरू की। परिषद ने जिला परिषद भवन व मीटिंग हॉल के सौंदर्यीकरण के प्रस्ताव को भी पारित किया। इसके अलावा जिला परिषद की कंडम हो चुकी गाड़ी की नीलामी कर सरकार से नई गाड़ी की मांग का प्रस्ताव भेजा गया। बैठक में सभी जिपं सदस्यों से तीन दिन में महिला संस्कृति केंद्र, जिम व ई-लाइब्रेरी के लिए प्रस्ताव मांगे गए और पंचायती राज विभाग के कार्यकारी अभियंता को निर्देश दिए गए कि वे जिला परिषद सदस्यों द्वारा दिए गए प्रस्ताव पर जल्द कार्यवाही करें।गांवों में बनने वाले महिला संस्कृति केंद्र, जिम व ई-लाइब्रेरी की देखरेख के लिए जिला परिषद ने गांव में एक पांच सदस्सीय कमेटी बनाने का प्रस्ताव भी पास किया। इस कमेटी में तीन सदस्य ग्राम पंचायत, एक सदस्य संबंधित जिला परिषद प्रतिनिधि व एक सदस्य गांव के एक्स-सर्विसमैन व बुद्धिजीवी को शामिल किया जाएगा। बैठक में जिला परिषद सदस्यों के साइन बोर्ड बनाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। इसके अलावा 15वें वित्त आयोग की 91 लाख रुपये की अनटाइड ग्रांट के लिए सभी जिप सदस्यों से पांच-पांच लाख रुपये के प्रस्ताव मांगे गए। बैठक में जिला परिषद की उप प्रधान कैलाशो देवी, जिला परिषद सदस्य रमेश गढ़वाल, अनूप कुमार, गगन गोदारा, सीमा भोडिया खेड़ा, मंजू समैण, अंजू सिहाग, पूजा भाल सिंह, प्रवीण कुमार, राकेश चोयल, रोडवेज जीएम शेर सिंह, कार्यकारी अभियंता देवेंद्र सिंह, लेखाधिकारी दलीप सिंह चहल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

भिवानी के करीब 300 वर्ष पुराने शिव मंदिर के महंत ने बताया शिवरात्रि का महत्व

भिवान (हि.स.)। महाशिवरात्रि पर्व 28 फरवरी को देश भर में धूमधाम से मनाया जाएगा। छोटी कांशी भिवानी में महाशिवरात्रि पर्व को लेकर खासी चहल-पहल रहेगी। देवो के देव महादेव भगवान शिव जुडे इस त्यौहार को लेकर छोटी कांशी भिवानी के लोगों में भी बड़ी श्रद्धा है। भिवानी के सबसे बड़े शिव मंदिर जोगी वाला मंदिर में भगवान शिव को विशेष जलाभिषेक व कावड़ चढ़ती है। जोगी वाला मंदिर के महंत वेदनाथ महाराज ने बताया कि शहर का जोगीवाला मंदिर करीबन 300 वर्ष पुराना है। बाबा मस्तनाथ के शिष्य बाबा मेहू नाथ ने इस मंदिर में भगवान शिव की प्रतिमा स्थापित की थी। इसके पीछे कहाने का जिक्र करते हुए महंत वेदनाथ महाराज ने बताया कि 300 वर्ष पहले एक गाड़ीवान भगवान शिव की मूर्ति को बाहर से लाकर जींद के लिए लेकर जा रहा था। रात्रि विश्राम के लिए जोगीवाला मंदिर में ठहरे गाड़ीवान जब सुबह चलने लगे तो गाड़ी धंस गई तथा नहीं चल पाई। इस पर बाबा मेहूनाथ ने गाड़ीवान से प्रार्थना कर इस मूर्ति को यही पर स्थापित करवा लिया। शिवरात्रि पर भगवान शिव की पूजा के बारे में जिक्र करते हुए महंत वेदनाथ महाराज ने बताया कि भगवान शिव की अराधना नित नियम से, तन-मन से की जाती है। संसार में भगवान शिव के आदि-अनादि रूप की पूजा चरणामृत से की जाती है। चरणामृत में दूध, दही, घी, शक्कर, शहद पांच पदार्थो का प्रयोग होता है। श्रद्धाभाव से चरणामृत से शिवलिंग का मृदन किया जाता है। उसके बाद बेलपत्र, धूपा व ओउम नमोः शिवाय मंत्र से धूप-दीप के साथ भगवान शिव की पूजा-अर्चना की जाती है। वही भिवानी निवासी मेहुल सर्राफ ने बताया कि भगवान शिव हर व्यक्ति की मनोकामना पूर्ण करते है। शिवरात्रि के पर्व पर देश भर में भगवान शिव को जलाभिषेक किया जाता है। जिससे श्रद्धालुओं की मनोकामना पूर्ण होती है। विशेष तौर पर हर सोमवार को भगवान शिव की विशेष पूजा हर शिवभक्त करता है।

हत्या के आरोपी सुखविंद्र की जमानत याचिका खारिज

हिसार (ईएमएस)। गोवा के मापुसा की अदालत में गुरुवार को भाजपा नेत्री एवं टिक-टॉक स्टार सोनाली फोगट की हत्या केस की सुनवाई हुई। अदालत ने आरोपी सुखविंद्र की जमानत याचिका खारिज कर दी। इससे पहले 10 जनवरी को हुई सुनवाई पर सीबीआई ने जमानत का विरोध किया था और जवाब दायर कर कहा था कि जमानत मिलने पर आरोपी गवाहों को प्रभावित कर सकता है। वहीं आरोपी के वकील सुखवंत सिंह डांगी ने अदालत में दलील देकर कहा था कि सुखविंद्र को झूठा फंसाया गया है। सीबीआई अपनी चार्जशीट दायर कर चुकी है। उसमें कहीं पर सीबीआई हत्या का मकसद नहीं दिखा पाई है। इसलिए यह हत्या नहीं है और उनके मुवक्किल को साजिश के तहत फंसाया गया है। गौरतलब है कि सोनाली फोगट की 23 अगस्त 2022 को गोवा में हत्या की गई थी। उस समय गोवा में सोनाली के साथ उसका पीए सुधीर सांगवान और एक अन्य सुखविंद्र थे। मृतका के परिवार का आरोप है कि सुधीर और सुखविंद्र ने नशे की ओवरडोज देकर उसकी हत्या की है। सुधीर सोनाली की प्रॉपर्टी हड़पना चाहता है। सोनाली के भाई रिंकू ने गोवा पुलिस को शिकायत देकर सुधीर और सुखविंद्र के खिलाफ हत्या का केस दर्ज करवाया था। सोनाली की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसके शरीर पर चोट के निशान मिले थे। पुलिस इस मामले में सुधीर व सखविन्द्र समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

जम्मू-कश्मीर में अगले 24 घंटों के दौरान शुष्क मौसम के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में शुक्रवार सुबह से ही मौसम बादलों वाला बना हुआ है हालांकि इस दौरान जम्मू में धूप निकल तो रही है लेकिन धूप में गर्मी न के बराबर है। मौसम विभाग ने भी जम्मू एवं कश्मीर में अगले 24 घंटों के दौरान शुष्क मौसम और आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि अगले 24 घंटों के दौरान जम्मू-कश्मीर में आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ मुख्य रूप से शुष्क मौसम रहने की संभावना है। इस बीच श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस, पहलगाम में शून्य से नीचे 0.9 और गुलमर्ग में 0.2 डिग्री दर्ज किया गया। जम्मू में 12.9 डिग्री, कटरा में 12.2, बटोत में 8.7, बनिहाल में 5.2 और भद्रवाह में 6.4 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। लद्दाख के द्रास में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 6.4 डिग्री, कारगिल में शून्य से नीचे 6.6 डिग्री और लेह में शून्य से नीचे 2.8 डिग्री नीचे दर्ज किया गया।

निदेशालय की लापरवाही के कारण करीब एक लाख शिक्षकों का वेतन रूकाः दलबीर पंघाल

हिसार, (हि.स.)। हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन (हसला) ने शिक्षा विभाग में कार्यरत लगभग 1.5 लाख कर्मचारियों का वेतन रोके जाने पर रोष जताया है। संगठन का आरोप है कि यह सब शिक्षा निदेशालय की लापरवाही के कारण हुआ है। हसला के राज्य वरिष्ठ उपप्रधान दलबीर पंघाल ने शुक्रवार को कहा कि एचआरएमएस पोर्टल पर सरकारी कर्मचारियों का डाटा अपडेट नहीं होने के कारण कई विभागों के कर्मचारियों का वेतन रूक गया है। इसमें शिक्षा विभाग के करीब एक लाख शिक्षक भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा निदेशालय व अधिकारियों की लापरवाही का परिणाम शिक्षकों व कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है। इसके कारण बैंक लोन की किश्तें टूटने से लगे जुमार्ने का भुगतान शिक्षकों को करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसमें शिक्षकों की कोई खामी नहीं है, यह लापरवाही निदेशालय स्तर पर हुई है। शिक्षकों के ई-पोस्टिंग डाटा को समय रहते निदेशालय ने वित्त विभाग को नहीं भेजा, जिसके कारण लगातार दो माह से सभी शिक्षकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। राज्य वरिष्ठ उपप्रधान दलबीर पंघाल ने पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के तहत 19 फरवरी को मुख्यमंत्री आवास के घेराव को सफल बनाने के लिए सभी विभागों के कर्मचारियों से इसमें बढ़ चढकर भाग लेने का आह्वान किया।

सूरजकुंड मेले में लगी डालसा जेल की स्टॉल

फरीदाबाद, (हि.स.)। 36वें अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुंड मेले में लगाई गई डालसा की स्टॉल पर शुक्रवार को अंबाला की जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरजा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि मेले में अद्भुत कला और कल्चर के बीच हरियाणा विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा लोगों को निशुल्क में भारतीय संविधान के कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों की विस्तृत जानकारियां निशुल्क में दी जा रही हैं। हरियाणा विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा भारत सरकार के कानून मंत्रालय द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रंखला में लोगों को कला और संस्कृति की अमिट छाप के जरिए कानूनी रूप से भी जागरूक किया जा रहा है। वहीं इसके लिए प्रशासन और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संयुक्त रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से लेकर पंपलेट व किताबों के वितरण करके लोगों को अधिकारों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। बता दें कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन वाई.एस. राठौर तथा उपायुक्त विक्रम सिंह के कुशल मार्गदर्शन में लोगों को जागरूक करने का कार्य डीएलएसए और जिला प्रशासन द्वारा आपसी तालमेल करके चलाया जा रहा है। सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सुकिर्ती गोयल तथा सीजेएम पलवल कुनाल गर्ग के मार्गदर्शन में विभिन्न देशों, प्रदेशों के बुजुर्गों, युवाओं महिलाओं को सांस्कृतिक कार्यक्रमों और कला के जरिए जागरूक किया जा रहा है। मेले में स्टॉल नंबर-826 व 827 में एक छोटी सी चौपाल का रूप देकर लोगों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम और निजी काउंस्लिंग के साथ कानूनी रूप से जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में मेले में शुक्रवार को अंबाला की जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरजा की अध्यक्षता में कला और संस्कृति के कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को कानूनी रूप से जागरूक किया गया। वहीं शिक्षा विभाग के राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल बल्लभगढ़ की छात्राओं द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और लोगों के कानूनी अधिकारों व मौलिक कर्तव्यों के बारे में प्रस्तुति देकर बताया गया। राधा-कृष्ण आइडियल पब्लिक स्कूल अगवानपुर के विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति का नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करके उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने के लिए और नशे का विरोध करने के लिए बनाए गए कानूनों के बारे में जागरूक किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सुकीर्ति गोयल और पलवल के सीजेएम कुनाल गर्ग ने संयुक्त रूप से बताया कि 36 वें अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुंड क्राफ्ट मेले में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की स्टॉल का मुख्य थीम मध्यस्थता है, ताकि मध्यस्ता करके अधिक से अधिक लोगों को कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूक किया जा सके।

जेसीआई जालंधर का किया गया पुनर्ठन, अध्यक्ष बने कूरियोग्राफर राजन स्याल

जालंधर (ईएमएस)। कई वर्षों से निष्क्रिय जूनियर चैंबर ऑफ इंडिया (जेसीआई) जालंधर का पुनर्गठन किया गया है। संस्था को नए सिरे से सक्रिय करने के साथ ही कोरियोग्राफर राजन स्याल को इसका अध्यक्ष घोषित किया गया है। जेसीआई को फिर से गठित करने में जेसीआई जालंधर के पूर्व अध्यक्षों की अहम भूमिका रही है। उद्योगपति भूपिंदर सिंह जौली, एडवोकेट पीपी सिंह आहलूवालिया तथा कारोबारी हरप्रीत सिंह ओबरॉय में कहा कि युवाओं के व्यक्तित्व विकास तथा नैतिक जिम्मेदारियों से अवगत करवाने में जेसीआई जालंधर की भूमिका अहम रही है। उन्होंने बताया कि कोरोना कॉल के बाद जेसीआई जालंधर का चैप्टर पूरी तरह से निष्क्रिय हो गय़ा था। जिसे नए सिरे से सक्रिय किया जा रहा है। उन्होंने कहा शुरूआत में केवल पदाधिकारी बनाए गए हैं। लिहाजा आने वाले दिनों में सदस्यता अभियान चलाकर विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर कार्य कर रहे युवाओं को क्लब के साथ जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा युवाओं की पसंद तथा विभिन्न माध्यमों से युवाओं को प्रेरित कर रहे राजन स्याल को इस साल की अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह जशप्रीत कौर को सचिव, शारु जैन को कोषाध्यक्ष, रेनू स्याल को उपाध्यक्ष, राज डाबर को उपाध्यक्ष कम्युनिटी, जैस्मीन को उपाध्यक्ष ट्रेनिंग, गगनदीप सिंह को चेयरमैन नॉमिनेशन कमेटी बनाया गया है। इस दौरान नई टीम के पदाधिकारियों को सम्मानित भी किया गया। राजन स्याल ने इस वर्ष युवाओं के व्यक्तित्व विकास के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास करने का विश्वास दिलाया।

पुरानी पेंशन बहाली के मुद्दे पर संयुक्त संघर्ष का निर्णय सराहनीयः एमएल सहगल

हिसार, (हि.स.)। अखिल भारतीय राज्य कर्मचारी परिसंघ के राष्ट्रीय चेयरमैन एमएल सहगल ने प्रदेश के सभी कर्मचारी संगठनों द्वारा पुरानी पेंशन बहाली के मुद्दे पर संयुक्त संघर्ष किए जाने के निर्णय का स्वागत किया है।

उन्होंने परिसंघ की ओर से इस संघर्ष को पूर्ण समर्थन दिए जाने की भी घोषणा की है। एमएल सहगल ने शुक्रवार को कहा कि पुरानी पेंशन बहाली के मुद्दे पर संयुक्त संघर्ष से निर्णायक नतीजों की उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2004 में केंद्र की तत्कालीन भाजपा सरकार ने 150 वर्ष पुरानी पेंशन प्रणाली को समाप्त कर नई पेंशन योजना के नाम पर सेवानिवृति उपरांत कर्मचारी की पारिवारिक सुरक्षा कवच के साथ धोखाधड़ी करने का काम किया।

इसी राह पर चलते हुए हरियाणा की सरकार ने भी अप्रैल 2006 के बाद भर्ती कर्मचारियों पर पुरानी पेंशन नीति को बंद कर नई पेंशन योजना बिना किसी नोटिस अथवा विकल्प के लागू करने का काम किया।

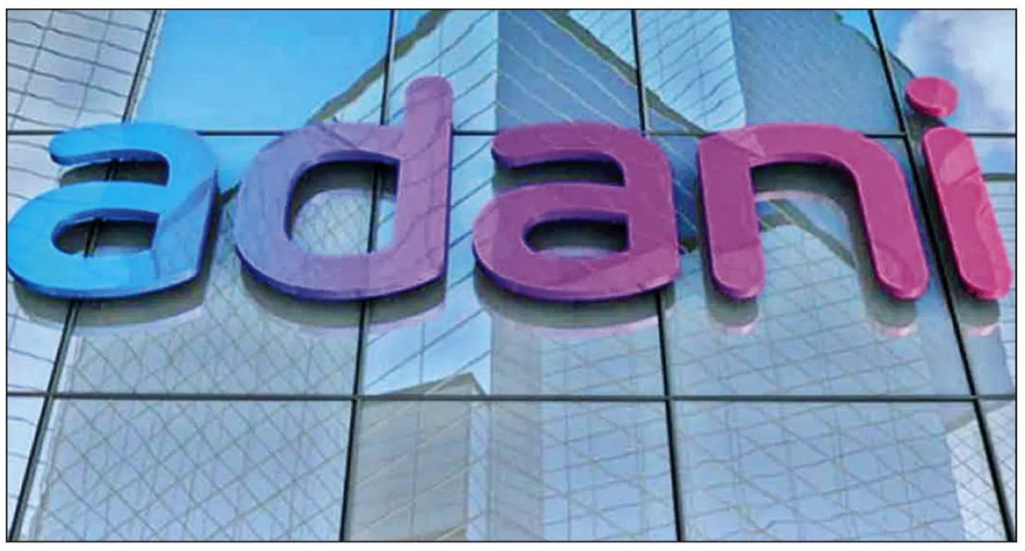

अडाणी ग्रुप-हिंडनबर्ग मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई : केंद्र सरकार एक्सपर्ट कमेटी के मेंबर्स की लिस्ट कोर्ट को देगी, अब तक 4 जनहित याचिकाएं दायर

नई दिल्ली।

अडाणी ग्रुप-हिंडनबर्ग मामले में दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा। पिछली सुनवाई में केंद्र सरकार ने कोर्ट के सुझाव पर एक्सपर्ट कमेटी बनाने को तैयार हो गई थी। कमेटी यह देखेगी कि स्टॉक मार्केट के रेगुलेटरी मैकेनिज्म में फेरबदल की जरूरत है या नहीं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता कोर्ट को सील बंद लिफाफे में कमेटी मेंबर्स के नाम देंगे। इस मामले में अभी तक 4 जनहित याचिकाएं दायर की जा चुकी हैं। एडवोकेट एम एल शर्मा, विशाल तिवारी, कांग्रेस नेता जया ठाकुर और सोशल वर्कर होने का दावा करने वाले मुकेश कुमार ने ये याचिकाएं दायर की हैं। इस मामले में पहली सुनवाई चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला ने शुक्रवार (10 फरवरी) को की थी। दूसरी सुनवाई सोमवार (13 फरवरी) को हुई।

रिपोर्ट से निवेशकों को नुकसान - याचिकाओं में दावा किया गया है कि हिंडनबर्ग ने शेयरों को शॉर्ट सेल किया जिससे निवेशकों को भारी नुकसान%हुआ। इसमें ये भी कहा गया है कि रिपोर्ट ने देश की छवि को धूमिल किया है। यह अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। इसके साथ ही रिपोर्ट पर मीडिया प्रचार ने बाजारों को प्रभावित किया और हिंडनबर्ग के फाउंडर नाथन एंडरसन भी भारतीय नियामक सेबी को अपने दावों का प्रमाण देने में विफल रहे। मनोहर लाल शर्मा ने याचिका में सेबी और केंद्रीय गृह मंत्रालय को हिंडनबर्ग रिसर्च के फाउंडर नाथन एंडरसन और भारत में उनके सहयोगियों के खिलाफ जांच करने और एफआईआर करने के लिए निर्देश देने की मांग की है। विशाल तिवारी ने स्ष्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता वाली एक कमेटी बनाकर हिंडनबर्ग रिपोर्ट की जांच की मांग की। तिवारी ने अपनी याचिका में लोगों के उन हालातों के बारे में बताया जब शेयर प्राइस नीचे गिर जाते हैं। जया ठाकुर ने मामले में भारतीय जीवन बीमा निगम और भारतीय स्टेट बैंक की भूमिका पर संदेह जताया है।

न्यूज ब्रीफ

भारत में ट्विटर के 3 में से 2 ऑफिस बंद: अब केवल 3 इम्प्लॉई बचे; सिर्फ बेंगलुरु में काम होगा, दिल्ली-मुंबई के कर्मचारियों को घर भेजा

नई दिल्ली। ट्विटर ने शुक्रवार को भारत में 3 में से 2 ऑफिस बंद करने का ऐलान किया। ये दो ऑफिस दिल्ली और मुंबई के हैं। बेंगलुरु में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का ऑफिस पहले की तरह चलता रहेगा। एक रिपोर्ट पब्लिश की है। इसमें बताया गया कि जब कर्मचारी ऑफिस पहुंचे तो उन्हें घर भेज दिया गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्विटर की इंडियन टीम में अब केवल 3 इम्प्लॉइ बचे हैं। नवंबर में मस्क ने भारत में अपने 90प्रतिशत (करीब 200) स्टाफ को निकाल दिया था। एलन मस्क ट्विटर की फाइनेंशियल हेल्थ को सुधारने के लिए लगातार कॉस्ट कटिंग कर रहे हैं। कर्मचारियों की छंटनी के साथ वो दुनियाभर में अपने ऑफिसेज को भी बंद कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्विटर की इंडिया टीम में जो 3 कर्मचारी बचे हैं, उनमें से एक कंट्री लीड है। अन्य दो में से एक के पास नॉर्थ एंड ईस्ट और एक के पास साउथ एंड वेस्ट रीजन की जिम्मेदारी है। ये सभी वर्क फ्रॉम होम पर रहेंगे। वहीं, बेंगलुरु ऑफिस में वे कर्मचारी काम करेंगे जो सीधे अमेरिका ऑफिस में रिपोर्ट करते हैं और इंडिया टीम का हिस्सा नहीं हैं। मस्क 2023 के अंत तक ट्विटर को फाइनेंशियल रूप से मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने रेवेन्यू बढ़ाने के लिए ब्लू सब्सक्रिप्शन जैसी कुछ सर्विस को मॉडिफाई भी किया है। भारत में इस सर्विस का मंथली सब्सक्रिप्शन 650 रुपए है। पिछले साल छंटनी के बाद मस्क ने एक ट्वीट किया था- 'जब कंपनी को रोजाना 40 लाख डॉलर का नुकसान हो रहा है, तो हमारे पास कर्मचारियों को हटाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। जिन्हें भी निकाला गया है, उन्हें 3 महीने का सेवरेंस दिया गया है, जो कि कानूनी तौर पर दिए जाने वाले अमाउंट से 50प्रतिशत ज्यादा है।

विदेश से पैसे भेजने वालों के नाम, पता और मूल देश की देनी होगी जानकारी, एनईएफटी और आरटीजीएस प्रणाली में बदलाव

Internet Banking
NEFT
RTGS
IMPS

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक ने गुरुवार को विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) से जुड़े लेनदेन को लेकर एनईएफटी और आरटीजीएस प्रणालियों में जरूरी बदलाव किया है। निर्देश 15 मार्च, 2023 से प्रभाव में आएंगे। आरबीआई ने सर्कुलर में कहा, गृह मंत्रालय की मौजूदा आवश्यकताओं के संबंध में ऐसे लेनदेन में दानकर्ता के नाम, पता, मूल देश, रकम, मुद्रा और पैसे भेजने के उद्देश्य समेत सभी विवरण दर्ज करना जरूरी है। साथ ही, केंद्रीय बैंक ने बैंकों से एनईएफटी और आरटीजीएस के जरिये एसबीआई को विदेशी दान भेजते समय संबंधित विवरण प्राप्त करने के लिए आवश्यक परिवर्तन करने को कहा है। हाल ही में गृह मंत्रालय ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को विदेश से पैसे भेजने वालों की दैनिक आधार पर रिपोर्ट देने के निर्देश दिया है। इसके बाद ही आरबीआई ने यह कदम उठाया है। एफसीआरए के तहत विदेशी चंदा एसबीआई की नई दिल्ली मुख्य शाखा के एफसीआरए खाते में ही आना चाहिए। विदेशी बैंकों से एफसीआरए खाते में योगदान स्विफ्ट (सोसायटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकम्युनिकेशंस) एवं भारतीय बैंकों से एनईएफटी (नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर) और आरटीजीएस (रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट) के जरिये भेजा जाता है।

भारतीय मूल के नील मोहन यूट्यूब के नए सीईओ बने: 2008 में गूगल ज्वाइन किया था, 2013 में मिला था 544 करोड़ का बोनस

नई दिल्ली। भारतीय मूल के नील मोहन को यूट्यूब का नया सीईओ बनाया गया है। इससे पहले नील मोहन यूट्यूब के सीपीओ थे। उन्हें प्रमोट कर ये जिम्मेदारी दी गई है। नील मोहन गूगल के साथ 2008 से काम कर रहे हैं। साल 2013 में कंपनी ने उन्हें 544 करोड़ रुपए का बोनस दिया था। वे पूर्व सीईओ सूसन डायने वोज्स्की की जगह लेंगे। सूसन ने हाल ही में अपने पद से इस्तीफा दिया है। 54 साल की वोज्स्की ने कहा था कि वह अपने परिवार के साथ ज्यादा समय बिताना चाहती हैं। साथ ही अपनी सेहत और व्यक्तिगत जीवन पर ध्यान देना चाहती हैं। इसलिए पद छोड़ रही हैं। वे साल 2014 में यूट्यूब की सीईओ बनी थीं।

गांवों में महंगाई के मुकाबले नहीं बढ़ रही मजदूरी, लोगों को सरकारी समर्थन जरूरी

नई दिल्ली ।

गांवों में मजदूरी में वृद्धि की दर बढ़ती महंगाई के मुकाबले कम है। ऐसे में सरकार को छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की मदद के लिए समर्थन जारी रखना चाहिए। साख के बारे में सूचना देने वाली कंपनी क्रिफ हाई मार्क ने एक रिपोर्ट में कहा कि ग्रामीण इलाकों में मजदूरी महंगाई के हिसाब से नहीं बढ़ रही है। महंगाई बढ़ने से गांवों में वास्तविक मजदूरी घटी है। इससे खपत और मांग सुस्त हुई है। ऐसे में सरकार व नीति निर्माताओं के लिए जरूरी है कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में समर्थन देना जारी रखें।

सरकारी योजनाओं से विकास को मिली गति

उत्तरदाताओं में से 70 फीसदी ने कहा, सरकारी नीतियों व योजनाओं ने 2022 में ग्रामीण विकास को गति दी। 2020-21 की तुलना में 2021-22 में ग्रामीण कर्ज वितरण मूल्य के हिसाब से 26प्रतिशत व मात्रा के लिहाज से 64 फीसदी बढ़ा है।

दलहन में आत्मनिर्भरता की ओर भारत, 275 लाख टन उत्पादन

दलहन के क्षेत्र में देश आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। देश का किसान चना और मूंग का उत्पादन मांग से अधिक कर रहा है, जबकि अरहर, मसूर और उड़द के उत्पादन में मांग और आपूर्ति के बीच काफी अंतर है। इसके बावजूद, देश में 2022-23 में करीब 275 लाख टन दलहन का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ। मुंबई में इंडिया पल्स एंड ग्रेंस एसोसिएशन के तीन दिवसीय द पल्स कॉन्क्लेव 2023 में यह तथ्य रखे गए।

पेट्रोल-डीजल की मांग फरवरी में 25प्रतिशत तक बढ़ी

नई दिल्ली। खपत बढ़ने से फरवरी में पेट्रोल और डीजल की मांग में दो अंकों की वृद्धि हुई है। पेट्रोल की बिक्री 18 फीसदी बढ़कर 12.2 लाख टन हो गई। डीजल की बिक्री 25प्रतिशत बढ़कर 33.3 लाख टन हो गई है। अप्रत्याशित लाभ कर में कटौती डीजल पर अप्रत्याशित लाभ कर घटाकर 2.5 रुपये लीटर किया गया है।कच्चे तेल पर इसे 4,350 रुपये प्रति टन कर दिया गया है।

एफसीआई ने बेचा 3.85 लाख टन गेहूं

भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने खुले बाजार में ई-नीलामी के जरिये थोक ग्राहकों को 3.85 लाख टन गेहूं बेचा है। पिछले माह सरकार ने 30 लाख टन गेहूं बेचने की घोषणा की थी। इसमें 25 लाख टन गेहूं थोक ग्राहकों को बेचा जाना है।

बैंक ऑफ बड़ौदा और आईओबी के कर्ज महंगे

बैंक ऑफ बड़ौदा और इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने अपने कर्ज महंगे कर दिए हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा कि उसने सभी अवधि वाले कर्ज की ब्याज दर में 0.05 फीसदी वृद्धि की है। इससे इसकी एक साल की दर 8.55प्रतिशत हो गई है। आईओबी ने कहा, उसने कर्ज की ब्याज दरों में 0.15 फीसदी तक वृद्धि की है। इससे उसकी एक साल की ब्याज दर 8.45 फीसदी हो गई है। दो से तीन साल के कर्ज पर 0.10प्रतिशत वृद्धि की है। एसबीआई ने भी कर्ज 0.10 फीसदी महंगा किया है।

जीएसटी परिषद की 49वीं बैठक

जीएसटी परिषद की शनिवार को होने वाली बैठक में अपीलीय न्यायाधिकरणों के गठन और पान मसाला व गुटखा कारोबार में कर चोरी पर लगाम लगाने की व्यवस्था पर चर्चा हो सकती है।वित्त मंत्री की अध्यक्षता में 49वीं बैठक होगी।

पेट्रोल पंप पर स्वच्छ शौचालय व पेयजल की सुविधा अनिवार्य

देश के हर छोटे-बड़े पेट्रोल पंप पर अब स्वच्छ शौचालय और पीने के साफ पानी की सुविधा अनिवार्य होगी। केंद्र सरकार ने पर्यटकों की दिक्कतों, खासकर महिला, बच्चे व बुजुर्गों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया है। केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने बताया, सुविधाएं देने के दिशा-निर्देश जारी हो गए हैं। पेट्रोल पंप इनमें कटौती नहीं कर सकेंगे।

मशहूर अमेरिकी अरबपति रे डालियो ने कहा- भारत की सबसे बड़ी और तेज आर्थिक वृद्धि तय

दुबई । आने वाले दिनों में भारत में सबसे बड़ी और सबसे तेज वृद्धि करेगा। संयुक्त अरब अमीरात में वर्ल्ड गवर्नमेंट समिट को संबोधित करते हुए मशहूर अरबपति अमेरिकी निवेशक रे डालियो ने यह दावा किया। उन्होंने कहा, बीते 10 वर्षों के अध्ययन के मुताबिक, आज जो तस्वीर दिख रही है, उसके आधार पर दावे के साथ कहा जा सकता है, भारत का भविष्य उज्ज्वल है। डालियो ने कहा, एक दशक में दुनिया के बाकी देशों के मुकाबले भारत में सबसे तेज और बड़े बदलाव हुए हैं और अब भी तेज रफ्तार बदलाव जारी हैं। कहा, अमेरिका-चीन के बीच जारी शक्ति संघर्ष के दौर में भारत को इसकी तटस्थता का फायदा होगा। हालांकि उन्होंने भारत को एक मुश्किल बाजार बताते हुए कहा कि इसकी तरक्की दिलचस्प है। डालियो उन चुनिंदा लोगों में हैं, जो निवेशक के साथ लेखक के तौर पर भी विख्यात हैं।

अमेरिकी अरबपति का मोदी सरकार पर हमला; भाजपा का पलटवार- जॉर्ज सोरोस के मंसूबे कामयाब नहीं होंगे

नई दिल्ली ।

अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरोस ने मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए उद्योगपति गौतम अदाणी के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नजदीकियों पर सवाल उठाया है। सोरोस ने कहा है कि इस घटनाक्रम से भारत के नियामकीय ढांचे पर भी सवाल खड़े होते हैं।

उन्होंने कहा है कि इस मामले में सरकार कमजोर हुई है और इससे भारत में लोकतंत्र का पुनरुद्धार हो सकता है। सोरोस ने कहा है कि इस मामले में मोदी खामोश हैं पर उन्हें विदेशी निवेशकों को और संसद में सवालों का जवाब देना होगा।

अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरोस का कहना है कि गौतम अदाणी के कारोबारी साम्राज्य में मची उथल-पुथल से शेयर बाजार में बिकवाली आई है और इससे निवेश के अवसर के रूप में भारत में विश्वास हिला है। यह देश में लोकतांत्रिक पुनरुद्धार के दरवाजे खोल सकता है। सोरोस के इस बयान पर भाजपा ने भी पलटवार किया है।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा है कि एक विदेशी ताकत जिसके केंद्र में जॉर्ज सोरोस हैं, उन्होंने ऐलान किया है कि वे भारत के लोकतांत्रिक ढांचे पर वार करेंगे। उन्होंने ऐलान किया है कि वे पीएम मोदी को अपने वार का मुख्य बिन्दु बनाएंगे। उन्होंने ऐलान किया है कि वे हिन्दुस्तान में अपनी विदेशी ताकत के अंतर्गत एक ऐसी व्यवस्था बनाएंगे जो हिन्दुस्तान के हितों का नहीं उनके हितों की रक्षा करेंगे। इसका मुंह तोड़ जवाब हर भारतीय को देना चाहिए।

उन्होंने कहा, यह भारत की संघीय सरकार पर मोदी की मजबूत पकड़ को काफी कमजोर करेगा और बहुत जरूरी संस्थागत सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए दरवाजे खोलेगा। उन्होंने कहा मैं गलत हो सकता हूं, लेकिन मैं भारत में लोकतांत्रिक पुनरुद्धार की उम्मीद करता हूं।

सोरोस, जिनकी नेटवर्थ लगभग 8.5 बिलियन डॉलर है ओपन सोसाइटी फाउंडेशन के संस्थापक हैं। यह फाउंडेशन लोकतंत्र, पारदर्शिता और बोलने की स्वतंत्रता को बढ़ावा देने वाले समूहों और व्यक्तियों को अनुदान देता है।

सोने का आयात 76प्रतिशत घटकर 32 महीने के निचले स्तर पर पहुंचा, व्यापार घाटा कम करने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में कीमतें बढ़ने और मांग में कमी से सोने का आयात जनवरी, 2023 में 76 फीसदी गिरकर 32 महीने के निचले स्तर पर आ गया। आंकड़ों के मुताबिक, आयात में गिरावट से देश के व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिलेगी। सरकारी सूत्र से गुरुवार को मिली जानकारी के अनुसार, जनवरी में कुल 11 टन सोने का आयात किया गया। एक साल पहले की समान अवधि में 45 टन सोना खरीदा गया था। मूल्य के लिहाज से जनवरी में 69.7 करोड़ डॉलर का सोना आयात किया गया, जबकि एक साल पहले 2.38 अरब डॉलर का आयात हुआ था। घरेलू बाजारों में इस साल सोने की प्रति 10 ग्राम कीमतें 58 हजार को पार कर गई थीं, जो इसका अब तक का उच्च स्तर है। हालांकि, इस समय इसकी कीमतें जरूर कम हुई हैं। लेकिन, कारोबारियों का मानना है कि शादियों के मौसम के कारण आगे सोने की मांग बढ़ सकती है।

कारोबारियों का कहना है कि देश में शादियों का मौसम सोने की खरीदारी के लिए महत्वपूर्ण अवसर होता है। उपहार देने में इसका इस्तेमाल किया जाता है।ऐसे में शादियों की वजह से आने वाले महीनों में सोने की मांग बढ़ सकती है। जनवरी में जूलर्स ने सोने की कम खरीदी की क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि बजट में आयात शुल्क घट सकता है। हालांकि, इस पर कोई फैसला नहीं हुआ और उल्टे चांदी पर आयात शुल्क में बढ़ोतरी कर दी गई। सराफा विशेषज्ञों का कहना है कि सोने की कीमतों में हाल-फिलहाल गिरावट आई है।ऐसे में सोने की मांग बढ़ सकती है।आयात शुल्क में कटौती नहीं होने के बावजूद बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए सराफा कारोबारी खरीदारी बढ़ा सकते हैं।इससे फरवरी में सोने का आयात बढ़ सकता है। नई दिल्ली। देश के व्यापार घाटे में कमी और बढ़ते सेवा व्यापार अधिशेष (सरप्लस) की वजह से चालू खाता घाटे (कैड) में नरमी आ सकती है।

60 फीसदी निजी बीमा कंपनियों में तेजी से बढ़े धोखाधड़ी के मामले

नई दिल्ली।

डिजिटलीकरण अपनाने की प्रक्रिया में तेजी के बीच देश में ऑनलाइन धोखाखड़ी के मामले भी बढ़ रहे हैं। देश की निजी क्षेत्र की करीब 60 फीसदी बीमा कंपनियों का मानना है कि बीमा से जुड़ी धोखाधड़ी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हालांकि, 10 फीसदी ने मामूली वृद्धि का अनुभव किया है। बृहस्पतिवार को जारी डेलॉय के सर्वे में कहा गया है कि स्वास्थ्य और जीवन बीमा क्षेत्र में धोखाधड़ी के मामले तेजी से बढ़े हैं। इसकी प्रमुख वजह डिजिटलीकरण में तेजी, महामारी के बाद रिमोट वर्किंग और कमजोर नियंत्रण हैं। ऐसे मामलों से निपटने के लिए एक सक्रिय धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन ढांचे पर तत्काल विचार करने की जरूरत है। सर्वे प्रमुख निजी बीमा कंपनियों के अनुपालन के लिए जिम्मेदार प्रमुख अधिकारियों से बातचीत पर आधारित है।

बीमा क्षेत्र में प्रौद्योगिकी आधारित नवाचार से ग्राहकों का अनुभव बेहतर हुआ है। लेकिन, इसने पूरे तंत्र के लिए जोखिम बढ़ा दिया है और कमजोरियों को भी उजागर किया है। क्षेत्र में डाटा चोरी जैसे नए तरीके अपनाएजा रहे हैं।वहीं, थर्ड पार्टी से मिलीभगत और बीमा उत्पादों की गलत बिक्री जैसे पारंपरिक तरीकों से भी चपत लगाई जा रही है। डेलॉय इंडिया के संजय दत्ता ने कहा, इसे रोकने के लिए बीमा कंपनियों के संचालन मॉडल पर फिर से विचार करना होगा। स्वास्थ्य बीमा को लेकर बढ़ी जागरूकता 85 फीसदी लोग अधिक खर्च करने के लिएतैयार कोरोना ने लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे पर अधिक ध्यान देने के लिए मजबूर किया है। आदित्य बिड़ला हेल्थ इंश्योरेंस की रिपोर्ट के मुताबिक, 89 फीसदी उत्तरदाताओं का मानना है कि मानसिक स्वास्थ्य सलाह को स्वास्थ्य बीमा में शामिल किया जाना चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है। 50 फीसदी उत्तरदाताओं ने ऑनलाइन फिटनेस वीडियो देखे। 69 उत्तरदाताओं ने स्वास्थ्य की जांच के लिए वियरेबल डिवाइस का उपयोग किया। हर तीन में एक उत्तरदाता ने स्वीकार किया कि वे नियमित वजन और ब्लडप्रेशर की जांच नहीं कराते हैं। कंपनी के सीईओ मयंक बथवाल ने कहा, लोग ऐसे रास्ते तलाश रहे हैं जो स्वस्थ जीवन शैली का समर्थन करे। चाहे वह ऑनलाइन हो या ऑफलाइन। इसने उनके व्यवहार को कई तरह से प्रभावित किया है। बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने अपने दूसरे सर्वे में कहा, महामारी के बाद परिवार के लिए वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना शीर्ष लक्ष्य के रूप में उभरा है। 71 फीसदी भारतीयों ने इसे अन्य लक्ष्यों के मुकाबले अधिक प्राथमिकता दी है।

अब गूगल इंडिया में हुई छंटनी

कंपनी ने 453 एम्लॉइज को नौकरी से निकाला, कंट्री हेड ने मेल कर टर्मिनेशन की जानकारी दी

नई दिल्ली।

गूगल इंडिया ने कई डिपार्टमेंट्स से 453 एम्प्लॉइज की छंटनी कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी से निकाले गए एम्प्लॉइज को गूगल इंडिया के कंट्री हेड और वाइस प्रेसिडेंट संजय गुप्ता ने मेल कर उनके टर्मिनेशन की जानकारी दी है।

गूगल ने की थी 12 हजार एम्प्लॉइज की छंटनी की अनाउंसमेंट - इससे पहले जनवरी में गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट ने अनाउंसमेंट की थी कि वो अपनी वर्ल्डवाइड टोटल वर्कफोर्स में से 6प्रतिशत, यानी 12,000 एम्प्लॉइज की छंटनी का प्लान बना रही है। अल्फाबेट के चीफ एग्जीक्यूटिव ने स्टाफ मेमो में इस बात की जानकारी दी थी।

एम्प्लॉइज ने पोस्ट शेयर कर गूगल इंडिया में छंटनी को किया कंफर्म - हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि गूगल इंडिया में यह छंटनी पहले अनाउंस किए गए लेऑफ का हिस्सा है, या छंटनी का एक नया राउंड है। कुछ एम्प्लॉइज ने लिंक्डइन पर पोस्ट शेयर कर गूगल इंडिया में छंटनी की खबर को कंफर्म किया है। इससे पहले ऐसी भी खबरें थीं कि अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई कठिन मैक्रो-इकोनॉमिक कंडीशंस और लेऑफ्स के बीच अपनी सैलेरी में कटौती करने के लिए भी तैयार हैं।

एम्प्लॉइज के एनुअल बोनस में रिडक्शन भी होगा - रिपोर्ट के अनुसार, सुंदर पिचाई ने हाल ही में टाउन हॉल मीटिंग में गूगल के एम्प्लॉइज से कहा था कि सीनियर वाइस प्रेसिडेंट लेवल से ऊपर की भूमिकाओं पर काम कर रहे एम्प्लॉइज के एनुअल बोनस में रिडक्शन भी होगा। जनवरी में पिचाई ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा गया था कि अमेरिका के बाहर छंटनी के लिए कंपनी लोकल प्रैक्टिस के साथ एम्प्लॉइज को सपोर्ट करेगी।

छंटनी पर सीईओ सुंदर पिचाई ने क्या कहा था - छंटनी पर अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा था, गूगलर्स, मेरे पास शेयर करने के लिए कुछ डिफिकल्ट न्यूज है। हमने अपने वर्ल्डवाइड वर्कफोर्स में से लगभग 12,000 रोल्स को कम करने का फैसला किया है। हमने पहले ही अमेरिका में छंटनी से प्रभावित एम्प्लॉइज को एक अलग ईमेल भेज दिया है। इसका मतलब है कि हमें अपने कुछ अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली लोगों को अलविदा कहना होगा। सुंदर पिचाई ने कहा था, जिन लोगों को नियुक्त करने के लिए हमने कड़ी मेहनत की और जिनके साथ काम करना पसंद किया। मुझे इस छंटनी के लिए बहुत खेद है। मैं उन फैसलों की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं, जो हमें यहां तक लेकर आए। पिछले दो सालों में हमने ड्रैमेटिक ग्रोथ देखी है। उन्होंने आगे कहा था, मैं अपने मिशन की ताकत, हमारे प्रोडक्ट्स एंड सर्विसेज की वैल्यू में हमारे शुरुआती इन्वेस्टमेंट की बदौलत हमारे सामने बड़े अवसर को लेकर आश्वस्त हूं।

छंटनी में सबसे ज्यादा अमेरिका के एम्प्लॉइज प्रभावित होंगे - अल्फाबेट में 12,000 एम्प्लॉइज की छंटनी का प्रभाव रिक्रूटमेंट, कॉरपोरेट फंक्शंस के साथ-साथ कुछ इंजीनियरिंग और प्रोडक्ट्स टीमों के एम्प्लॉइज पर पड़ेगा। गूगल ने कहा था, यह छंटनी ग्लोबल है और इसमें सबसे ज्यादा अमेरिका के एम्प्लॉइज प्रभावित होंगे।

मार्केट कंडीशन और कॉस्ट कटिंग के कारण छंटनी की जा रही - इससे पहले रिपोर्ट में बताया गया था कि एक्टिविस्ट हेज फंड का दबाव, मार्केट कंडीशन और कॉस्ट कटिंग के कारण गूगल में छंटनी की जा रही है। गूगल मैनेजर्स को खराब प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों का विश्लेषण करने और उन्हें रैंक देने के लिए कहा गया था। कंपनी का प्लान 6प्रतिशत स्टाफ कम करने का है। सबसे कम रैंक वाले एमप्लॉइज को कंपनी से निकाल दिया जाएगा।

गूगल के एम्प्लॉइज की संख्या ज्यादा - ब्रिटेन के हेज फंड बिलियनेयर क्रिस्टोफर हॉन ने अल्फाबेट को एक लेटर लिखा था। इसमें कहा गया था कि अल्फाफेट के एम्प्लॉइज को अन्य टेक दिग्गजों की तुलना में बहुत अधिक पेमेंट किया जाता है और एम्प्लॉइज की संख्या में भी कटौती करने की आवश्यकता है।

तमिल डेब्यू को लेकर जाह्नवी सुर्खियों में

-जूनियर एनटीआर के साथ आएंगी नजर

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस श्रीदेवी की बेटी जाह्नवी कपूर इन दिनों अपने तमिल डेब्यू को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। धडक से लेकर मिली तक जाह्नवी कपूर ने कई फिल्मों में काम किया है, लेकिन उनकी कोई भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफलता प्राप्त नहीं कर पाई है। हालांकि उनके अभिनय की तारीफ जरूर हुई है।जाह्नवी कपूर अपनी पर्सनल लाइफ के साथ-साथ फिल्मों को लेकर भी काफी चर्चा में बनी रहती हैं। जाह्नवी कपूर के बारे में काफी दिनों से खबरें आ रही थीं कि वे तेलुगू सिनेमा में डेब्यू करने जा रही हैं। बताया जा रहा है कि जाह्नवी कपूर को अब तेलुगू फिल्म मिल गई है। आरआरआर में नजर आए जूनियर एनटीआर इन दिनों निर्देशक शिवा कोराताला की आगामी फिल्म की तैयारियों में जुटे हैं। शिवा कोराताला इससे पहले जूनियर एनटीआर और मोहनलाल को लेकर जनता गैराज नामक ब्लॉकबस्टर फिल्म दे चुके हैं। बताया जा रहा है कि शिवा कोराताला अपनी फिल्म एनटीआर 30 के लिए काफी दिनों से नायिका की तलाश कर रहे थे। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक एनटीआर 30 के डायरेक्टर कोराताला शिवा कापी लंबे समय से फिल्म के लिए फीमेल लीड एक्ट्रेस की तलाश कर रहे थे। मेकर्स ने जाह्नवी कपूर को इस फिल्म के लिए फाइनल किया है। इस फिल्म के साथ जाह्नवी कपूर टॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर की इस लीड रोल वाली फिल्म की शूटिंग अगले महीने के अंत से शुरू होने वाली है। साथ ही यह फिल्म आगामी वर्ष की शुरूआत में प्रदर्शित की जाएगी। एनटीआर 30 एक पैन इंडिया फिल्म है जिसने तमिल, तेलुगू, मलयालम, कन्नड़ के साथ-साथ हिन्दी में भी प्रदर्शित किया जाएगा। बता दें कि पिछले महीने ओटीटी पर प्रदर्शित मिली के लिए जाह्नवी कपूर की काफी सराहना की गई थी। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर के पिता की भूमिका के लिए पहले बोनी कपूर को लिया जाने वाला था, लेकिन बाद में उनके स्थान पर मनोज पाहवा को यह भूमिका मिली।

शाहरुख और सलमान की अनदेखी तस्वीर की साझा

-कोरियोग्राफर श्यामक डावर ने इंस्टाग्राम पर की शेयर

मुंबई (ईएमएस)। सोशल मीडिया पर शाहरुख और सलमान की एक अनदेखी तस्वीर वायरल हो रही है । कोरियोग्राफर श्यामक डावर ने इंस्टाग्राम पर शाहरुख और सलमान के साथ एक अनदेखी तस्वीर साझा की। उनके पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, बॉलीवुड के दो सबसे बड़े सुपरस्टार्स को जानना वास्तव में आश्चर्यजनक है। मुझे याद है जब शाहरुख खान ने मुझे दिल तो पागल है करने के लिए राजी किया था, जिसके लिए मैं इस दिन के लिए वास्तव में और हमेशा के लिए आभारी हूं, और अब उन्हें पठान के साथ बड़े पर्दे पर पूरी तरह से खत्म करते हुए देख रहे हैं। और हम कमरे में दूसरे मेगास्टार सलमान खान के बारे में कैसे भूल सकते हैं, जो अपनी आकर्षक उपस्थिति के साथ पूर्ण मूल्य और मनोरंजन जोड़ते हैं। इन दोनों दिग्गजों को उनके लिए शुभकामनाएं भविष्य के प्रयास।पठान के बाद शाहरुख खान इसी वर्ष 2 जून को प्रदर्शत होने वाली एटली के निर्देशन में बनी फिल्म जवान में दिखाई देंगे। इस फिल्म में दोहरी भूमिका में नजर आएंगे। जवान में नयनतारा और विजय सेतुपति दूसरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके बाद वह राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित डंकी में तापसी पन्नू के साथ नजर आएंगे। संजू के बाद डंकी राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी वह फिल्म है जिसे लेकर बॉक्स ऑफिस काफी उत्साहित नजर आ रहा है। बॉक्स ऑफिस को पूरी उम्मीद है कि शाहरुख और राजकुमार हिरानी का मिलन कमाई के नए आयाम स्थापित करने में सफल होगा।दूसरी ओर, सलमान खान ईद 2023 पर किसी का भाई किसी की जान में दिखाई देंगे। इस दक्षिण भारत के सुपर सितारे पवन कल्याण की फिल्म का रीमेक है। पूजा हेगड़े, शहनाज गिल किसी का भाई किसी की जान में सलमान खान के साथ नजर आएंगे। वहीं दीपावली के मौके पर सलमान खान अपनी लोकप्रिय सीरीज टाइगर के अगले भाग में कैटरीना कैफ के साथ दिखाई देंगे। इस फिल्म को लेकर भी बॉक्स ऑफिस काफी आशान्वित नजर आ रहा है। बता दें कि शाहरुख खान और सलमान खान हिन्दी सिनेमा के दो सबसे बड़े सुपरस्टार हैं। अभिनेता 3 दशकों से अधिक समय से हिंदी फिल्म उद्योग में काम कर रहे हैं और उनके बड़े पैमाने पर प्रशंसक हैं। इससे पहले यह दोनों हिन्दी की कई फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। हाल ही में, निर्देशक सिद्धार्थ आनंद पठान के लिए इन दोनों को एक साथ लाने में कामयाब रहे। सुपरस्टार्स का बड़े पर्दे पर पुनर्मिलन उनके प्रशंसकों द्वारा पसंद किया गया था और यह फिल्म की सबसे बड़ी हाइलाइट्स में से एक है।

सारा को देखकर फैंस बोले-शुभमन बुला रहा

-आस्ट्रेलिया में मस्ती कर रहीं है सारा अली खान

मुंबई (ईएमएस)। मशहूर एक्ट्रेस अमृता सिंह की बेटी सारा अली खान ने सिडनी और मेलबॉर्न से अपनी खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। सारा इन दिनों ऑस्ट्रेलिया टूर पर हैं। सारा की तस्वीरों को देख फैंस को क्रिकेटर शुभमन गिल की याद आ रही है। सारा अली खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी ढेर सारी फोटोज शेयर कर फैंस का दिल जीत लिया। सारा ने अपनी फोटोज के साथ कैप्शन भी बड़ा मजेदार लिखा है सिडनी में सारा और एक मिनट में मेलबॉर्न में । सबा की तस्वीरों पर बुआ सबा पटौदी हमेशा की प्यार लुटाती नजर आ रही हैं। सारा अली खान इन दिनों ऑस्ट्रेलिया में क्वालिटी टाइम स्पेंड करती हुई नजर आ रही हैं। सारा की मस्ती भरीं तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। समंदर के किनारे मस्ती करती हुई सारा अली खान की तस्वीरों को देख कर फैंस उन्हें मिस कर रहे हैं। एक ने लिखा सारा सिडनी में क्यों हैं ? हम यहां इंडिया में उनकी क्यूटनेस को मिस कर रहे हैं।अपना ख्याल रखें। वहीं कुछ फैंस सारा अली खान की तारीफों के पुल बांधते नजर आ रहे हैं। एक ने लिखा जमकर कड़ी मेहनत करो और सूरज की तरह चमकते रहो.कुछ फैंस लिख रहे हैं सारा सिडनी में हैं और शुभमन गिल इंडिया में किसी ने लिखा शुभमन गिल बुला रहा है सारा अली खान इन दिनों कई प्रोजेक्ट्स में बिजी चल रही हैं।सारा जल्द ही फिल्म गैस लाइट में नजर आएंगी।

स्वरा भास्कर ने की सपा नेता फहद अहमद से शादी

मुंबई, (हि.स.)। वालीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर और समाजवादी पार्टी (सपा) नेता फहद अहमद शादी के बंधन में बंध गए हैं। यह जानकारी स्वयं स्वरा भास्कर ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर वीडियो शेयर कर दी है। देश में सामाजिक और राजनीतिक मामलों पर अपने बेबाक रुख और बेबाक राय के चलते लगातार सुर्खियों में रहने वाली अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने अपने फैंस को एक नया झटका दिया है। बेशक यह सदमा उनकी निजी जिंदगी से जुड़ा है। इस शादी की जानकारी खुद स्वरा ने ट्वीट कर दी है। अंग्रेजी भाषा में किए गए इस ट्वीट का भाव कुछ इस तरह है, "कभी-कभी आप किसी ऐसी चीज के लिए दूर-दूर तक खोज करते हैं जो आपके ठीक बगल में थी। हम प्यार की तलाश में थे लेकिन हमें पहले दोस्ती मिली। और फिर हमने एक दूसरे को पाया! मेरे दिल में आपका स्वागत है फहद जिरार अहमद, यह अराजक है लेकिन यह तुम्हारा है! फहद अहमद ने स्वरा भास्कर के ट्वीट को रीट्वीट करते हुए लिखा है, " मुझे कभी नहीं पता था कि अराजकता इतनी खूबसूरत भी हो सकती है। मेरा हाथ थामने के लिए शुक्रिया, प्यार। स्वरा ने अपने ट्वीट के साथ एक वीडियो भी शेयर किया है। उन्होंने इस वीडियो में फहद के साथ खिलखिलाते प्यार की यादों का कोलाज पेश किया है। दोनों के साथ-साथ किए गए मूवमेंट, साथ बिताए पल, दोनों के सहज भाषण, इन सब पलों को यह वीडियो अपने में समेटे हुए है। फहद समाजवादी पार्टी की महाराष्ट्र युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने पिछले साल ही सपा ज्वाइन की थी। दोनों की मुलाकात 2020 में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई थी। इस आंदोलन में दोनों ने साथ में पहली सेल्फी ली। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, हमने 6 जनवरी, 2023 को विशेष विवाह अधिनियम के तहत अदालत में विवाह का रजिस्ट्रेशन कराया है।

हॉलीवुड की एक्ट्रेस राक्वेल वेल्च का हुआ निधन

हॉलीवुड की बेहद लोकप्रिय अभिनेत्री राक्वेल वेल्च का निधन हो गया है। उन्होंने 82 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। एक्ट्रेस के मैनेजर ने मौत की खबर दी है। राक्वेल वेल्च पिछले कुछ दिनों से बीमार हैं। बुधवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। उनका 50 साल का करियर है। इस दौरान उन्होंने 30 फिल्मों और 50 टीवी शो में काम किया। कुछ कार्यक्रमों में जज के रूप में भी नजर आए। गोल्डन ग्लोब अवार्ड विजेता राक्वेल वेल्च वर्तमान में विंग्स की सफलता में शामिल थी। राक्वेल वेल्च ने 1960 में अपनी फिल्म की शुरूआत की। फिर 1966 में उन्होंने दो फिल्मों में काम किया। उनकी फिल्में फैंटास्टिक वॉयज और वन मिलियन इयर्स बीसी, उन्होंने उन दोनों फिल्मों से फिल्म इंडस्ट्री को हिला कर रख दिया था। इसके बाद उन्हें कई फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। और पूरी दुनिया में लोग उन्हें जानते थे।

प्रियंका की लव अगेन के ट्रेलर में निक जोनस का कैमियो

टॉप अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस और एक्टर सैम ह्यूगन की नई फिल्म लव अगेन का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। दिलचस्प बात यह है कि प्रियंका के पति व सिंगर-एक्टर निक जोनस का भी फिल्म में कैमियो है। फिल्म की कहानी काफी इमोशनल लग रही है। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा, जो अपने पहले प्यार को खो चुकी है, एक बार फिर प्यार को दूसरा मौका देती है। ट्रेलर के मुताबिक, फिल्म में प्रियंका के किरदार का नाम मीरा है, जो अपने बॉयफ्रेंड की मौत के बाद अपनी लाइफ के साथ आगे बढ़ने के लिए स्ट्रग्ल कर रही है। वह पुराने फोन नंबर पर मैसेज भेजती रहती है, जिसे अब सैम उर्फ रॉब बर्न्स इस्तेमाल कर रहे हैं। रोब एक जर्नलिस्ट है जो मीरा के ईमानदार और हार्टब्रोकन मैसेज से अट्रैक्ट हो जाता है और उसे मीरा से प्यार होने लगता है।

अग्निनक्षत्रम की पहली झलक जारी की

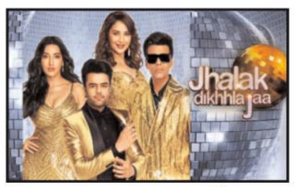

अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू अपनी आने वाली फिल्म अग्निनक्षत्रम में एक पुलिस वाले की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं, जिसकी पहली झलक हाल ही में बाहुबली स्टार राणा दग्गुबाती ने जारी की है। फिल्म को एक हाई ऑक्टेन क्राइम थ्रिलर है। फिल्म में लक्ष्मी के लुक और किरदार के बारे में बात करते हुए राणा ने कहा, लक्ष्मी इस फिल्म से सभी को हैरान करने वाली हैं। वह एक पुलिस वाले और बदमाश की भूमिका में हैं। मैंने कुछ भागदौड़ देखी है और यह वास्तव में शानदार लग रहा है। लक्ष्मी एक प्यारी दोस्त हैं और मुझे फिल्म की एक झलक दिखाने में बहुत खुशी हो रही है। फिल्म में लक्ष्मी के पिता मोहन बाबू गारू, समुथराकानी, विश्ववंत चित्रा, सिद्दीकी और कुछ अन्य कलाकार भी हैं।

कश्मीर की ठंड का मजा ले रहे थलापति विजय

-कश्मीर में अलाव का आनन्द लेते हुए फोटो की शेयर

मुंबई (ईएमएस)। साउथ के अभिनेता थलापति विजय अपनी अगली पेशकश लियो की शूटिंग में कश्मीर में कर रहे हैं। थलापति विजय ने बीते दिनों कश्मीर में अलाव का आनन्द लेते हुए एक फोटो सोशल मीडिया पर साझा की थी। फोटो में रात के समय लियो की पूरी टीम जलती हुई आग का आनन्द उठा रही है। अब लियो का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।थलापति विजय और लियो की पूरी टीम फिलहाल कश्मीर में अपनी फिल्म की शूटिंग कर रही है। हाल ही में, लियो की शूटिंग से विजय का एक वीडियो इंटरनेट पर छाया हुआ है। यह वीडियो सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गया और इसने लोगों को विजय के लीक होने से हैरान कर दिया। कोडाइकनाल शेड्यूल को पूरा करने के बाद, निमार्ता एक शेड्यूल के लिए कश्मीर गए, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह 15 दिनों तक चलेगा। एक्शन एंटरटेनर लियो लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित है। थलापति विजय, तृषा कृष्णन और लियो की पूरी टीम एक कार्यक्रम के लिए कश्मीर के लिए रवाना हुई। हाल ही में, लोकेश ने शूटिंग के बाद अलाव का आनंद लेते हुए टीम की एक तस्वीर साझा की।हाल ही में फिल्म की शूटिंग स्पॉट से एक वीडियो वायरल हुआ था। लीक हुए वीडियो में विजय को सफेद शर्ट में ट्रैफिक जाम के बीच टहलते हुए देखा जा सकता है। जल्द ही, लीक हुए वीडियो को सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित कर दिया गया। विजय के कुछ फैन क्लब ने सभी से अनुरोध किया कि वे शूटिंग स्पॉट क्लिप साझा न करें। मालूम हो कि लियो में संजय दत्त, अर्जुन सरजा, प्रिया आनंद, गौतम मेनन, मैथ्यू थॉमस, मैसस्किन, सैंडी और मंसूर अली खान सहित अन्य कलाकारों की टुकड़ी है। फिल्म का निर्माण ललित कुमार के सेवन स्क्रीन स्टूडियो द्वारा बड़े बजट में किया गया है। अनिरुच रविचंदर एक्शन एंटरटेनर के लिए संगीत तैयार करेंगे। फिल्म लियो लोकेश कनगराज द्वारा लिखित और निर्देशित एक एक्शन एंटरटेनर है। फिल्म में थलापति विजय और तृषा मुख्य भूमिकाओं में हैं।

फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को बकवास कहने वाले प्रकाश राज को अनुपम खेर ने दिया करारा जवाब

बॉलीवुड के साथ-साथ साउथ सिनेमा में भी काम करने वाले अभिनेता प्रकाश राज ने हाल ही में विवेक अग्निहोत्री की निर्देशित फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' की आलोचना की है। उन्होंने कहा था कि यह एक प्रोपेगंडा फिल्म है। उनके इस कमेंट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

उनके इस वीडियो पर निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने भी जवाब दिया। फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' में अहम भूमिका निभाने वाले अभिनेता अनुपम खेर ने इसी मुद्दे पर प्रकाश राज को करारा जवाब दिया है। मीडिया को दिए गए एक इंटरव्यू में अनुपम खेर ने कहा, लोग अपनी योग्यता के अनुसार बोलते हैं। कुछ लोग जीवनभर झूठ बोलते हैं। कुछ लोग जीवनभर सच बोलते हैं। मैं उन लोगों में से हूं जो जीवनभर सच बोलते हैं, जो झूठ के साथ नहीं जीना चाहते हैं। विवेक अग्निहोत्री की फिल्म पर कमेंट करते हुए प्रकाश राज ने कहा, यह बहुत ही बकवास फिल्म है, लेकिन हम जानते हैं कि इसे किसने बनाया..। यह बहुत ही बेशर्म है।' इंटरनेशनल ज्यूरी उन पर थूकती हैं और निर्देशक अब भी पूछ रहे हैं कि उन्हें ऑस्कर क्यों नहीं मिलता। उन्हें ऑस्कर या भास्कर भी नहीं मिलेगा। क्योंकि वहां एक सेंसटिव मीडिया है और यहां आप प्रोपेगेंडा फिल्म बना रहे हैं। बेहद कम बजट में बनी फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' ने भारत में 252 करोड़ रुपये और दुनियाभर में 341 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। द कश्मीर फाइल्स 2022 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की लिस्ट में दूसरी फिल्म है।

सूडोकु नवताल- 6346

★☆☆☆☆ सरल

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6345 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

शब्दजाल - 7093

म	श	मु	श	सी	बै	ड	मिं	ट	न	र
रा	क्रि	ल	प्र	क्ल	ला	व	ना	ज	कां	क्स
य	के	र्जु	हे	नि	कु	ना	न	व	टि	रू
इं	ट	फु	न	शा	वा	श्ती	क	ले	ज	प
प	दा	ह	ट	ने	तो	हो	थ	गो	र	त
टे	स	क	प	बा	स	ए	व	ज	वॉ	व
द	बि	न	न	जी	ल	ह	रं	गो	ली	द
क	र	ल	प	क्श	प	त	र	चो	बॉ	ख
र	व	त	टे	रा	श	त	य	अ	ल	अ
क	र	ल	प	नि	ज	ता	रे	आ	ह	द
क	ह	रि	कि	श	स	चि	हॉ	की	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल में प्रमुख 10 'खेलों' के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

हॉकी, फुटबाल, क्रिकेट, बैडमिंटन, निशानेबाजी, एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, टेबिल टेनिस, शतरंज, कुश्ती

शब्दजाल - 7092 का हल

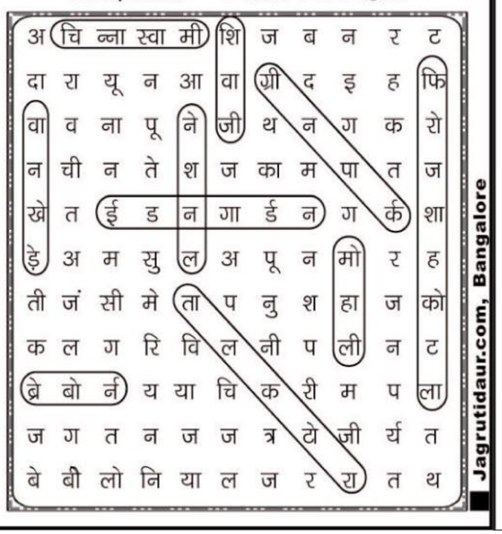

अ	चि	न्ना	स्वा	मी	शि	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	यू	न	आ	वा	ग्री	द	इ	ह	फि
वा	व	ना	पू	ने	जी	थ	न	ग	क	रो
न	ची	न	ते	श	ज	का	म	पा	त	ज
खे	त	ई	ड	न	गा	र्ड	न	ग	र्क	शा
ड़े	अ	म	सु	ल	अ	पू	न	मो	र	ह
ती	जं	सी	मे	ता	प	नु	श	हा	ज	को
क	ल	ग	रि	वि	ल	नी	प	ली	न	ट
ब्रे	बो	र्न	य	या	चि	क	री	म	प	ला
ज	ग	त	न	ज	ज	त्र	टो	जी	र्य	त
बे	बी	लो	नि	या	ल	ज	र	रा	त	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6046

1			4	5		
2	25		32	4	36	2
7		1	6			
	34	6	31	6	33	5
	5		3			1
	37	5	31		30	3
	5		6	1		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6045 का हल

7	5	1	3	4	2	6
5	30	3	21	1	35	7
1	6	2	4	3	7	5
2	29	6	40	7	34	3
4	3	5	7	6	1	2
6	33	4	42	5	26	1
3	1	7	6	2	5	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

सेलेक्टर चेतन शर्मा का इस्तीफा : बीसीसीआई के अधिकारी नाराज थे, टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने सेलेक्शन मीटिंग से मना कर दिया था

मुंबई।

टीम इंडिया के चीफ सेलेक्टर चेतन शर्मा ने स्टिंग ऑपरेशन के बाद इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों ने बताया- चेतन शर्मा पर इस्तीफे का भारी दवाब था। उनके बयान से बोर्ड के शीर्ष अधिकारी नाराज थे। इतना ही नहीं, टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने शर्मा के साथ सेलेक्शन मीटिंग करने से मना कर दिया था। ऐसे में शर्मा ने बीसीसीआई सचिव जय शाह को अपना इस्तीफा भेजा दिया, जिसे शाह ने स्वीकार भी कर लिया है। शर्मा तीन महीने में दूसरी बार हटाए गए हैं। इससे पहले वे ऑस्ट्रेलिया में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में करारी हार के बाद हटाए गए थे। 57 साल के पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतन शर्मा एक टीवी चैनल के स्टिंग में यह कहते नजर आए थे कि भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी फिट रहने के लिए इंजेक्शन लेते हैं और 80प्रतिशत फिट होने पर भी 100प्रतिशत फिट हो जाते हैं। शर्मा ने आगे कहा था - नकली फिटनेस के लिए इंजेक्शन लेने वाले इन सभी खिलाड़ियों के पास क्रिकेट के बाहर अपने डॉक्टर हैं, जो उन्हें शॉट्स मुहैया कराते हैं, ताकि उन्हें महत्वपूर्ण टूर्नामेंट से पहले पूरी तरह से फिट माना जा सके।

चेतन शर्मा ने क्या कहा था - फिट नहीं होने पर भी हरी झंडी देता है चेतन शर्मा ने आगे कहा - कुछ स्टार खिलाड़ियों को पूरी तरह से फिट नहीं होने पर भी नेशनल क्रिकेट अकादमी से हरी झंडी दे दी जाती है और फिर चयनकर्ताओं को सलेक्शन पर फाइनल कॉल लेने के लिए कहा जाता है। जसप्रीत बुमराह की चोट गंभीर चेतन शर्मा ने कहा- बुमराह को 2022 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ जबरदस्ती टीम में शामिल गया था। उनकी चोट इतनी गंभीर थी कि अगर वो ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप का एक भी मैच खेलते, तो वह कम से कम एक साल के लिए बाहर हो जाते। हार्दिक पंड्या मेरे घर आते-जाते रहते हैं चेतन शर्मा ने कहा कि रोहित शर्मा मुझसे आधे-आधे घंटे बात करते हैं, जबकि टी-20 टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या मेरे घर आते-जाते रहते हैं। ब्रेक के नाम पर बड़े खिलाड़ियों को आराम दे रहे हैं बड़े खिलाड़ियों को ब्रेक के नाम पर बाहर बैठाया जा रहा है। जैसे ही किसी बड़े खिलाड़ी की जगह नए को मौका देना होता है, बड़े खिलाड़ी को आराम दे देते हैं।

कप्तानी छोड़ने पर गांगुली ने कोहली से कहा था- एक बार सोच लो - चेतन ने कोहली के कैप्टेंसी विवाद पर खुलासा करते हुए कहा- कोहली को लगा कि बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली की वजह से उन्हें कप्तानी गंवानी पड़ी, लेकिन ऐसा नहीं है सिलेक्शन कमेटी की वीडियो कॉन्फ्रेंस में 9 लोग थे, गांगुली ने कोहली से कहा था कि कप्तानी छोड़ने के बारे में एक बार सोच लो। मुझे लगता है कि कोहली ने इसे नहीं सुना। उसके बाद कोहली ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बेवजह यह मुद्दा उठा दिया। कोहली ने कहा था- मुझे डेढ़ घंटे पहले बताया गया कि मुझे कप्तानी छोड़नी होगी। विराट, सौरव पर पलटवार करना चाहते थे।

कोहली-रोहित में मनमुटाव नहीं - चेतन शर्मा ने यह भी कहा कि भारतीय टीम के मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व कप्तान विराट कोहली के बीच कोई मनमुटाव है। चेतन ने कहा कि दोनों एक-दूसरे की रिस्पेक्ट करते हैं। इनके बीच कोई मनमुटाव नहीं है। चेतन शर्मा एक महीने पहले दूसरी बार भारतीय क्रिकेट टीम के चीफ सिलेक्टर बने थे।

न्यूज ब्रीफ

सांसद खेल महाकुंभ में बोले सीएम योगी- खेलो इंडिया अभियान से खेलों के प्रति युवाओं में जागृत हुई नई जागरूकता

गोरखपुर। सांसद खेल महाकुंभ में खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए खेलो इंडिया अभियान से खेलों के प्रति युवाओं में नई जागरूकता जागृत हुई है। फिट इंडिया अभियान से इसे और ऊंचाई मिली। इन अभियानों से आज खेलों के क्षेत्र में भी सशक्त और समर्थ भारत की नई तस्वीर दिख रही है। क्षेत्रीय क्रीड़ांगन में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में शुरू हुए खेलो इंडिया व फिट इंडिया अभियान का परिणाम है कि ओलंपिक, एशियाड, कामनवेल्थ, विश्व कप जैसी प्रतियोगिताओं में पूर्व की तुलना में देश के अधिक खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं और अधिक पदक जीत रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेलों के खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए विगत छह सालों में उत्तर प्रदेश ने भी उत्कृष्ट प्रयास किए हैं। प्रदेश के हर गांव में खेल मैदान, ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम और जिला स्तर पर स्टेडियम बनाने का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने खेल व खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। स्पोर्ट्स कॉलेजों स्टेडियमों आदि के जरिये खिलाड़ियों को बेहतरीन सुविधाएं दी जा रही हैं। साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदेश के खिलाड़ियों की सीधी भर्ती द्वारा राजपत्रित पदों पर नियुक्ति की व्यवस्था की गई। इसके अलावा प्रदेश के प्रतिभावान व कुशल खिलाड़ियों को प्रदेश के शासकीय-सार्वजनिक उपक्रमों में, लोक सेवा आयोग की परिधि के बाहर के पदों पर नियुक्ति हेतु दो प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था की गई है। सीएम ने कहा कि सांसद खेल महाकुंभ से गांव-गांव खिलाड़ियों की नई पौध तैयार हो रही है। एक-एक जिले में पांच से सात हजार तक नए खिलाड़ी तैयार हुए हैं। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में युवक व महिला मंगल दलों के जरिये ग्रामीण खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट उपलब्ध कराया जा रहा है। अब तक हजारों गांवों में स्पोर्ट्स किट उपलब्ध करा दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने सभी खिलाड़ियों को आगे बढ़ने, कुछ नया करने व सीखने की प्रेरणा देते हुए कहा कि आप सभी प्रतियोगिताओं में बढ़चढ़कर प्रतिभाग करें, केंद्र व राज्य सरकार हर प्रकार का सहयोग करने के लिए तत्पर है। सांसद खेल महाकुंभ के समापन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने क्षेत्रीय क्रीड़ांगन में हॉकी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला देखा और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। फाइनल मुकाबला क्षेत्रीय क्रीड़ांगन की टीम और एमएलजेड स्पोर्ट्स टीम के बीच खेला गया, जिसमें एमएल जेड स्पोर्ट्स की टीम 2-1 से विजेता बनी। सीएम ने दोनों टीमों के कप्तानों के साथ अन्य स्पर्धाओं में व विजयी व उप विजेता टीमों के कप्तानों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने फील्ड में जाकर खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर उनका परिचय प्राप्त किया और खूब आगे बढ़ने का आशीर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

96 साल की उम्र में तैराकी में गोल्ड मेडल जीता

वाशिंगटन । वाईएमसीए मास्टर नेशनल तैराकी प्रतियोगिता 2022 की स्वर्ण पदक विजेता जूड़ी 96 साल की हैं। 2023 में रूस के पीटर्स वर्ग में होने वाली सीनियर नेशनल गेम्स की तैयारी कर रही है। उनकी इच्छा है,कि वह इस प्रतियोगिता में भी गोल्ड मेडल हासिल करें। 96 साल की उम्र में भी वह पूरी तरह से फिट हैं। उन्होंने 100 वर्ष तक जीने की इच्छा जताई है।1926 में पैदा हुई जूड़ी ने 61 साल की उम्र में तैराकी प्रतियोगिता में भाग लिया था। इसके पहले वह सेल्स एंड एडवरटाइजिंग सेक्टर के प्रमुख पद से सेवानिवृत्त हुई थी। 96 साल की उम्र में भी वह हर तरीके से फिट हैं। उन्हें संगीत पसंद है। वह अपने आप को हमेशा जवान महसूस करती हैं। अभी भी नए-नए दोस्त बनाती हैं। नई नई चीजों से जुड़ती हैं। दिमाग और शरीर से रोज मेहनत कराती हैं। उपन्यास पढ़ती है। सुडोकू जैसे गेम रोजाना खेलती हैं। लंच और डिनर भी साथियों के साथ करती हैं। हमेशा हंसी मजाक और अपने दिमाग को प्रसन्न रखती हैं। अभी भी वह अपने आप को हर स्तर पर सक्रिय रखती हैं। 96 साल की उम्र में साइकिल चलाती हैं। बच्चों को स्विमिंग का प्रशिक्षण देती हैं। हमेशा युवाओं की तरह सोचती, और काम करती हैं। 96 साल की उम्र में उनकी यह सक्रियता, जुनून,उनका स्वास्थ्य सभी को आश्चर्य में डालता है। वह अपने आप को स्वस्थ रखने के लिए हरी सब्जियां और फल का उपयोग खाने में ज्यादा उपयोग करती हैं। स्वस्थ रहने के लिए खूब पैदल चलती हैं। सप्ताह में 3 दिन तैरती हैं। रोजाना साइकिल चलाती हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि वह हर समय अपने आप को प्रसन्न रखती हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया दूसरा टेस्ट

263 रन पर सिमटी कंगारुओं की पहली पारी, शमी को सबसे ज्यादा 4 विकेट

मुंबई।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 263 रनों पर सिमट गई। जवाब में भारत ने बिना नुकसान के 21 रन बना लिए हैं। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर रोहित शर्मा 13 और केएल राहुल 4 रन के निजी स्कोर पर नाबाद लौटे। दिल्ली के अरुण जेटली मैदान पर ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीता और पहले बैटिंग करने का फैसला लिया। उसकी ओर से ओपनर उस्मान ख्वाजा ने सबसे ज्यादा 81 रन बनाए, जबकि पीटर हैंड्सकॉम्ब 72 रन बनाकर नाबाद लौटे। उन्होंने 5वां अर्धशतक पूरा कर लिया है। वहीं, कप्तान पैट कमिंस ने 33 रन का योगदान दिया।

भारतीय टीम की ओर से मोहम्मद शमी ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। अश्विन-जडेजा को तीन-तीन सफलताएं मिलीं।

पहली पारी में ऐसे गिरे ऑस्ट्रेलिया के विकेट

पहला: 16वें ओवर की दूसरी बॉल पर मोहम्मद शमी ने डेविड वॉर्नर को विकेटकीपर केएस भरत के हाथों कैच कराया।

दूसरा : 23वें ओवर की चौथी बॉल पर मार्नस लाबुशेन को अश्विन ने आउट कर दिया।

तीसरा : 23वें ओवर की आखिरी बॉल पर स्टीव स्मिथ को अश्विन ने विकेटकीपर केएस भरत के हाथों कैच कराया।

चौथा : 32वें ओवर की दूसरी बॉल पर शमी ने ट्रेविस हेड को केएल राहुल के हाथों कैच कराया।

पांचवां : 46वें ओवर की पांचवी बॉल पर जडेजा ने उस्मान ख्वाजा को राहुल के हाथ कैच कराया।

छठा : रविचंद्रन अश्विन ने एलेक्स कैरी को कोहली के हाथों कैच कराया।

सातवां : जडेजा ने 68वें ओवर में पैट कमिंस को आउट कर दिया।

आठवां : 68वें ओवर में जडेजा ने टॉड मर्फी को बोल्ड किया।

नौवां : 75वें ओवर की दूसरी बॉल पर शमी ने लायन को बोल्ड कर दिया।

दसवां : मोहम्मद शमी ने मैथ्यू कुह्नमैन को बोल्ड कर दिया।

अब सेशन के अनुसार देखिए पहले दिन का खेल...

दूसरा : दोनों टीमों को मिलीजुली सफलता - दिन का दूसरा सेशन मिलाजुला रहा। इसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 105 रन बनाए, हालांकि उसे तीन झटके भी लगे। उस्मान ख्वाजा और पीटर हैंड्सकम्ब ने 5वें विकेट के लिए 87 बॉल पर 59 रनों की उपयोगी साझेदारी की। वहीं, रविचंद्रन अश्विन बीजीटी में 100 विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए। साथ ही रवींद्र जडेजा सबसे तेज 250 विकेट और 2500 पूरे करने वाले भारतीय और दुनिया के दूसरे खिलाड़ी बने।

पहला : भारतीय गेंदबाजों के नाम रहा सेशन - पहले दिन का पहला सेशन भारतीय गेंदबाजों के नाम रहा, हालांकि पहले डेविड वॉर्नर और उस्मान ख्वाजा ने 50 रन की अर्धशतकीय साझेदारी कर टीम को सधी शुरुआत दिलाई, लेकिन तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने वॉर्नर को 15 रन पर पवेलियन भेजकर इस साझेदारी को तोड़ा। उसके बाद अश्विन ने एक ओवर में कंगारुओं को दो झटके देकर सेशन अपने नाम कर लिया।

वॉर्नर-ख्वाजा की अर्धशतकीय साझेदारी ओपनर डेविड वॉर्नर और उस्मान ख्वाज ने 93 गेंदों पर 50 रनों की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलियाई टीम को सधी शुरुआत दिलाई, हालांकि यह जोड़ी ज्यादा देर मैदान पर टिक नहीं सकी। तेज गेंदबाज शमी ने वॉर्नर को आउटकर यह पार्टनरशिप तोड़ी।

2 बदलाव के साथ उतरी ऑस्ट्रेलिया, कोमैन को डेब्यू कैप

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को प्लेइंग-11 में शामिल किया है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई टीम 2 बदलाव के साथ उतरी है।

प्लेइंग-11

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, रवींद्र जडेजा, केएस भरत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज।

ऑस्ट्रेलिया : पैट कमिंस (कप्तान), डेविड वॉर्नर, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, पीटर हैंड्सकॉम्ब, ट्रेविस हेड, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), नाथन लायन, टॉड मर्फी और मैथ्यू कुह्नमैन।

रणजी ट्रॉफी फाइनल के पहले दिन बंगाल ऑलआउट

उनाडकट-साकरिया ने लिए 3-3 विकेट; सौराष्ट्र ने 2 विकेट पर 81 रन बनाए

कोलकाता।

कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर गुरुवार को रणजी ट्रॉफी के इस सीजन का फाइनल मुकाबला शुरू हुआ। सौराष्ट्र ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी और बंगाल को 174 रन पर ऑलआउट कर दिया। टीम के कप्तान जयदेव उनाडकट और चेतन साकरिया ने 3-3 विकेट लिए। सौराष्ट्र ने अपनी पहली पारी शुरू कर दी और पहले दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट पर 81 रन बना लिए हैं। बंगाल को अब भी पहली पारी में 93 रन की बढ़त है।

65 पर गंवा दिए थे 6 विकेट

टॉस हारकर अपने होम ग्राउंड पर पहले बैटिंग करने उतरी बंगाल की शुरुआत खराब रही। टीम ने 65 रन के स्कोर पर ही अपने 6 विकेट गंवा दिए। कप्तान मनोज तिवारी ने 7 रन बनाए। वहीं, अुस्टुप मजूमदार (16) और आकाश घटक (17) ही दोहरी संख्या तक पहुंच सके। 6 विकेट गिरने के बाद शाहबाज अहमद (69) और अभिषेक पोरेल ने पारी संभाली। दोनों ने मिलकर 177 बॉल पर 101 रन की पार्टनरशिप की। 166 के स्कोर पर शाहबाज आउट हुए और बंगाल की पारी 174 रन के स्कोर पर सिमट गई। सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनाडकट और चेतन साकरिया ने 3-3 विकेट लिए। उनाडकट ने 44 रन दिए तो वहीं साकरिया ने 33 रन दिए। इन दोनों के अलावा चिराग जानी और धर्मेंद्रसिंह जडेजा को भी 2-2 विकेट मिले। बंगाल को समेटने के बाद सौराष्ट्र ने अपनी पहली पारी शुरू कर दी। टीम ने 17 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 81 रन बना लिए। ओपनर हार्विक देसाई 38 रन बनाकर नाइट वॉचमैन चेतन साकरिया (2*) के साथ नाबाद हैं। जय गोहिल 6 और विश्वराज जडेजा 25 रन बनाकर आउट हुए। बंगाल से आकाश दीप और मुकेश कुमार ने एक-एक विकेट लिया। बंगाल की टीम मध्य प्रदेश और सौराष्ट्र की टीम कर्नाटक को सेमीफाइनल में हराकर फाइनल खेलने पहुंची है। बंगाल ने इंदौर के होलकर स्टेडियम में मध्य प्रदेश को 306 रन से हराया था।

महिला टी20 विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को दस विकेट से हराया, सेमीफाइनल में पहुंचना तय मूनी ओर एलिसा ने लगाये अर्धशतक

केबेरहा ।

मेगान शट की घातक गेंदबाजी के बाद बेथ मूनी और एलिसा हीली के अर्धशतकों की सहायता से ऑस्ट्रेलिया ने यहां खेले जा रहे महिला टी20 विश्व कप में श्रीलंका को 10 विकेट से हरा दिया। इस बड़ी जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम की सेमीफाइनल में जगह तकरीबन पक्की हो गयी है। इस मैच में श्रीलंकाई टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 112 रन ही बना पायी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मध्यम तेज गेंदबाज मेगान ने 24 रन देकर 4 विकेट लिए इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 15.5 ओवरों में ही बिना किसी नुकसान के हासिल कर लिया।

लक्ष्य पीछा करते हुए हीली और मूनी ने नाबाद अर्धशतक लगाये दोनो के बीच 113 रन की साझेदारी हुई। मूनी ने 53 गेंद में सात चौकों की सहायता से 56 और हीली ने 43 गेंद में 6 चौकों और एक छक्के की मदद से 54 रन बनाये। वहीं पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की ओर से हर्षिता समरविक्रमा ने 34 और कप्तान चामारी अटापट्टू ने 16 रन बनाये। इन दोनो के बीच 29 गेंद में 30 रन की साझेदारी हुई। समरविक्रमा ने 40 गेंदों का सामना करके अपनी पारी में 3 चौके लगाए। उन्होंने विश्मी गुणरत्ने 24 के साथ 39 रन जोड़े।

ऑस्ट्रेलियई टीम इस जीत के साथ ही तीनों मैच जीतकर ग्रुप वन में सबसे ऊपर आ गयी है। वहीं श्रीलंका 3 में से 2 मैच जीतकर दूसरे स्थान पर हैं। अब अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया को मेजबान दक्षिण अफ्रीका से खेलना है जबकि श्रीलंकाई टीम न्यूजीलैंड से खेलेगी।

क्रिकेटर पृथ्वी शॉ से हाथापाई करने वाली लड़की गिरफ्तार : सेल्फी को लेकर बीच सड़क हुआ विवाद; शॉ पर आरोप- बेसबॉल बैट से हमला किया

मुंबई।

टीम इंडिया से बाहर चल रहे क्रिकेटर पृथ्वी शॉ का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें शॉ एक लड़की से बेसबॉल बैट छीनते नजर आ रहे हैं। वहीं, उस लड़की का साथी शॉ का वीडियो बनाते दिख रहा है। लड़की और उसके साथी ने आरोप लगाया है कि शॉ और उनके दोस्तों ने डांस क्लब में उनके साथ मारपीट की। फिर बाहर बेसबॉल बैट से हमला किया। वाकया मुंबई के सांताक्रूज में एक फाइव स्टार होटल के पास का है। पुलिस ने सपना गिल नामक युवती को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक सपना एक सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर हैं।

लड़की ने शॉ पर आरोप लगाए

वायरल वीडियो में लड़की, उसका साथी, पृथ्वी शॉ और कुछ पुलिसवाले नजर आ रहे हैं। शॉ किसी से फोन पर बात करते दिख रहे हैं। लड़की और उसके साथी का कहना है कि वह भी पार्टी करने ही गए थे, लेकिन शॉ के दोस्तों ने उनके साथ क्लब में मारपीट की। लड़के ने कहा कि वह शॉ के साथ सेल्फी लेने और वीडियो बनाने की कोशिश कर रहा था, तभी शॉ ने उसका फोन छीनकर फेंक दिया और उसे धक्का दे दिया। वहीं सपना गिल के वकील अली काशिफ खान ने पृथ्वी शॉ पर अपनी क्लाइंट के साथ बदसलूकी का आरोप लगाया है।

पृथ्वी के दोस्त ने दर्ज कराई एफआईआर

मुंबई पुलिस के अनिल परासकर ने बताया कि पृथ्वी के दोस्त आशीष सुरेंद्र यादव की शिकायत पर ओशिवारा पुलिस ने 8 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इनमें सना उर्फ सपना गिल और शोभित ठाकुर के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज है। इन पर पृथ्वी के दोस्त की कार का शीशा तोड़ने और मारपीट का आरोप लगाया गया है। इस दौरान शॉ कार में ही मौजूद थे। आरोपियों पर शॉ के दोस्त ने अपनी कार का पीछा करने, मामले को दबाने और झूठा केस बनाने की धमकी देते हुए 50 हजार रुपए मांगने का भी आरोप लगाया है। सपना गिल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सपना का मेडिकल कराया गया है और उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा। परासकर ने बताया कि बाकी आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस ने शांत कराया मामला

जानकारी के अनुसार बुधवार-गुरुवार देर रात को मुंबई के क्लब में कुछ लोगों ने पृथ्वी शॉ के साथ सेल्फी लेनी चाही। शॉ ने मना किया और अपनी कार लेकर क्लब से बाहर चले गए। सेल्फी लेने वालों ने शॉ का पीछा किया और उनकी कार पर हमला कर दिया। शॉ ने कार रोकी, जिसके बाद सड़क पर हंगामा शुरू हो गया। इस दौरान मुंबई के ओशिवारा पुलिस स्टेशन से भी कुछ अधिकारी वहां पहुंचे और किसी तरह मामला शांत कराया। वैलेंटाइन डे के मौके पर पृथ्वी शॉ के इंस्टाग्राम हैंडल से एक फोटो शेयर की गई थी। इसमें उनके साथ उनकी रूमर्ड गर्लफ्रेंड निधि नजर आ रही थीं। पोस्ट में पृथ्वी ने उन्हें वाइफ कहते हुए वैलेंटाइन विश किया।

हार्दिक-नताशा ने लिए सात फेरे

हिंदू रीति-रिवाज से शादी करने की तस्वीरें सामने आईं, रॉयल लुक में दिखा कपल

उदयपुर।

क्रिकेटर हार्दिक पंड्या ने पत्नी नताशा स्टेनकोविक से उदयपुर में डेस्टिनेशन वेडिंग की है। 15 फरवरी को दोनों ने हिंदू धर्म के अनुसार शादी की, जिसकी तस्वीरें अब सामने आई हैं। ये तस्वीरें हार्दिक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। जिसमें कपल रॉयल लुक में नजर आ रहा है। शादी में हार्दिक क्रीम कलर की शेरवानी और नताशा ने रेड और गोल्डन जोड़े में नजर आईं। उदयपुर की उदयसागर लेक में बने रैफल्स होटल में हार्दिक और नताशा ने एक दूसरे को वरमाला पहनाई थी। बारात में खुद हार्दिक पंड्या और उनके भाई क्रुनाल पंड्या ने जमकर डांस किया। डीजे साउंड पर दोनों भाई जमकर थिरके। इसके बाद हिंदू पंरपरा के अनुसार रात करीब 7: 45 बजे कपल ने सात फेरे लिए। अंग्नि के समक्ष विधि-विधान से सारी रस्में निभाईं।

पंड्या विंटेज कार में दूल्हा बनकर बैठे। हार्दिक की शादी में क्रिकेट और बॉलीवुड स्टार्स के साथ आकाश और श्लोका अंबानी भी पहुंचे थे। पंड्या वाइफ नताशा संग दो धर्मों के रीति-रिवाज से शादी की। उनका बेटा भी इस डेस्टिनेशन वेडिंग का गवाह बना।

तीन दिन चलेंगी शादी की रस्में, शादी की थीम पूरी तरह व्हाइट रखी गई - शादी की रस्में 13 फरवरी से शुरू हुई थीं, जो 16 फरवरी तक चलेंगी। शादी की थीम पूरी तरह व्हाइट रखी गई। दुल्हन के रूप में नताशा ने एक सफेद गाउन पहना। प्री वेडिंग फंक्शन जैसे मेंहदी, संगीत और हल्दी 13 फरवरी की शाम से ही शुरू हो गए थे। हार्दिक और नताशा 13 फरवरी को पूरे परिवार के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर देखे गए थे। वहां से सभी ने राजस्थान के उदयपुर लिए उड़ान भरी। एयरपोर्ट पर नताशा के फैमिली मेंबर्स भी दिखाई दिए।

कौन है नताशा - डीजे वाला बाबू से हुईं थीं फेमस - नताशा स्टेनकोविक का जन्म 4 मार्च 1992 को सर्बिया में हुआ था। नताशा का सर्बिया में अपने माता-पिता और भाई के साथ बचपन गुजरा। उन्होंने कुछ साल सर्बिया में मॉडलिंग की और फिर मुंबई शिफ्ट हो गईं। उनकी बॉलीवुड में पहली फिल्म सत्याग्रह थी। इसके अलावा वो बिग बॉस 8 और नच बलिए 9 में बतौर कंटेस्टेंट नजर आईं। बादशाह के गाने डीजे वाले बाबू से उन्हें काफी ज्यादा पॉपुलैरिटी मिली थी।

31 मई 2020 को दोनों ने गुपचुप कर ली थी शादी - रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों ने कोविड के समय चोरी-छिपे 31 मई, 2020 को बिना बताए शादी की थी। जुलाई 2020 में उनके घर बेटे अगस्त्य का जन्म हुआ। बच्चे के जन्म की सूचना खुद हार्दिक ने अपने सोशल मीडिया के जरिए दी थी। कानूनी तौर पर दोनों शादीशुदा हैं, लेकिन अब वो चाहते हैं कि धूमधाम से सभी दोस्तों और रिश्तेदारों की मौजूदगी में दोबारा शादी की जाए। हार्दिक और नताशा की मुलाकात मुंबई के क्लब में हुई थी। वहीं से दोनों के बीच दोस्ती हुई।आगे जाकर दोस्ती प्यार में तब्दील हो गई। जब हार्दिक करियर के बुरे फेज में चल रहे थे तब नताशा ने उनका काफी सपोर्ट किया था। जनवरी 2020 में दुबई में दोनों ने एक दूसरे को रिंग पहनाई और ऑफिशियली एंगेज हुए थे। हार्दिक और नताशा के एक करीबी ने मीडिया को बताया, दोनों ने कोर्ट में शादी की थी, सब कुछ बहुत जल्दबाजी में हो गया था। उनके दिमाग में काफी पहले से एक ग्रैंड वेडिंग करने का विचार था। अब वो इसके लिए काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं।

आध्यात्म–नियन्त्रण 9

प्रथम परंपरा सद्गुरु धर्मचंद्रदेव जी महाराज

आत्मज्ञान!

सारा संसार अपने-अपने सुख के लिए प्रयत्न करता है और नाना प्रकार की कठिनाइयों एवं आपदाओं से ग्रस्त होते हुए भी अपने सुख को पाने की अभिलाषा से निरंतर प्रयत्नशील रहता है परंतु आज तक संसार में किसने सुख का उपभोग किया है? बड़े-बड़े पराक्रमी सम्राट् सारे जीवन की शक्ति को लगाकर सारे संसार को अपने-अपने अधिकार में करने की कोशिश किए और अपने जीवन की अंतिम घड़ी तक सुख पाने की लालसा से अनेक संकटों को जीते परंतु कभी सुख की एक बूंद भी उनके हृदय-स्थल पर शांति के स्वरूप में नहीं स्त्रवित हुई! जीवन में क्या-क्या आशाएं और भावनाएं उठीं और मैंने किन-किन उपायों के द्वारा अपने को सुखशाली बनाने की कोशिश की, परंतु इस निसार संसार के दु:खदायी अल्प जीवन में सुख कहां मिला? मैं बार-बार इस बात की कोशिश में रहता हूं कि सुख की धारा अब मुझे मिलती है! इसके बाद शीघ्र की सुख का साम्राज्य अब मुझे मिलेगा या यह सुख है इसके मिलने पर ही अपने को सुखी पाऊंगा परंतु यह निरत परिश्रम व्यर्थ-सा हो जाता है! समय अल्प है और जीवन में इतनी आवश्यकताएं हैं कि अभी क्या कभी भी इसकी पूर्ति नहीं हो सकती! वासना के समूहों से चित्त भरा हुआ है जिसका एकत्रीकरण अनेक जन्मों के संस्कार, भोग और कर्मों के संयोगों से हैं! इस तरह से सारे जीवन की उलझनें, कठिनाइयां मुझे चारों ओर से घेरी हुई हैं और मैं अकेला इनसे लड़ रहा हूं! सुख के कारण ही ये सारी आपदाएं मेरे पास हैं और मैं इनसे वंचित नहीं होता हूं! अपने प्रारब्ध या पुरुषार्थ को कोसता हुआ जीवन के संग्राम में पड़ा हुआ व्याकुल दीन, हीन होकर अपने को दुर्लभ समझ रहा हूं! सुख की घड़ी कभी न आई! यहीं तक नहीं जिसके सुख के लिए मैं दिन-रात एक कर रहा हूं वह भी मेरे जीवन में कष्ट-कठिनाइयों का रोड़ा लिए हुए आगे बैठा हुआ है! इस जीवन की दुर्गम घाटी को अब मैं कैसे पार करूं? एक संकट के बाद दूसरा फिर तीसरा, ऐसे सारा जीवन दु:ख और संकट से ग्रसित हो रहा है! न मुझे कहीं सुख मिलता है न कहीं शांति की रेखा ही दिखाई पड़ती है! संसार की ममता मुझे घेरी हुई है और जाऊंगा कैसे? मुझे तो ये काम करना है ही! इस तरह जीवन की सारी यात्रा चलती रहती है! एक के बाद एक दृश्य मेरे सामने आते रहते हैं! संसार के दिखावेपन से बार-बार धोखे खाते हुए भी न मालूम मैं किस सुख के कारण दूसरे के पीछे दौड़ रहा हूं! नाना प्रकार के उपद्रव, यातना, प्रपञ्च, स्नेह, मात्सर्य, कपट-छल से भरा हुआ व्यवहार, ये मेरे जीवन को दबोचे हुए हैं फिर भी मैं अपने सुख के लिए आगे बढ़ता जा रहा हूं एवं सुखी और संपन्न बनने की सदैव कोशिश में हूं! बार-बार विचारते-सोचते हूए भी यह कार्य नहीं कर रहा हूं! इस तरह मेरे जीवन की त्रुटियां बार-बार आगे से पीछे मुख धकेलती रहती हैं! सारा समय सुख के पाने की कोशिश में ही बीता परंतु चमकते हुए इस नश्वर जगत् में मिला क्या? मुझे सुंदर स्त्री मिली, पुत्र और पौत्रादिक दुनियां भर के वैभव, बढ़ाई और संपन्नता मिली! सब कुछ मिला परंतु मुझे चैन कहां? काल के गाल में जाता हुआ जीवन अब अल्प है! मौत भी आकर अब मुझे झांकी दे रही है लेकिन काम के मारे मरने की फुर्सत कहां? समय बीतता जा रहा है! जीवन में कितने मित्र मिले कितने स्नेही! बड़ी-बड़ी लालसाएं भोगीं, बड़ी-बड़ी ख्यातियां पाईं, गौरव और संपन्न जीवन को पाया परंतु अब भी सुख नहीं! अभी भी वासना या सुख की आशाएं मुझे घेरी हैं! इस जीवन के विरोधी, अनुकूल समग्र साथियों को छोड़ते हुए और अनेकों को मरणासन्न पाते हुए एवं इस शरीर को अंतिम-अवस्था में नष्ट होते हुए भी मैं अपने को यह नहीं समझता कि मेरी भी ऐसी ही अवस्था प्राप्त होगी और मैं भी इस जीवन से ऐसे ही अलग होऊंगा! अपने जीवन को स्थायी और बराबर संसार के योग्य और संपन्न समझ जीवन की यात्रा को पार कर रहा हूं! यह अभिमानयुक्त ज्ञान मेरे जीवन को नीचे गिराता है और बार-बार सांसारिक यतानायों को भोगने के लिए विवश करता है! सर्प के मुख में मेढक है फिर भी मच्छड़ों को पकड़ने की कोशिश करता है परंतु उसका उद्देश्य बेकार है! वह तो धीरे-धीरे सर्प के मुख में जाकर अपने जीवन का अंत पायेगा! ठीक इसी प्रकार काल के गाल में सांसारिक जीवन की आशा और उसकी गति है–

काह कहूं कैसे कहूं, कहां बजाऊं ढोल!
श्वांसा खाली जात है, तीन लोक का मोल!!

तराजू के एक पल्ले पर एक ओर तीनलोक की संपदा है जिसमें सुंदर-से-सुंदर पदार्थ और ऐश्वर्य-वैभव-प्रतिष्ठा सब कुछ है, दूसरी ओर एक श्वांसा है जो भीतर से बाहर की ओर जा रही है! मैं इस प्रकार परम दुर्लभ मनुष्य-जीवन को सुखी बनाने के लिए संसार में नाना प्रकार की लड़ाइयां लड़ रहा हूं और अमूल्य जीवन-श्वांसा व्यर्थ को नष्ट होती जा रही है! न सुख मिलता है, न सुख की अभिलाषा दूर होती हैं! अभिलाषा दूर हो तो कैसे? क्योंकि वह चेतन आत्मा वास्तविक सुख और आनंद की खोज में सारे संकटों एवं आपदाओं को सहन करता हुआ प्रयत्नशील रहता है परंतु संसार में सुख कहां मिलता है? सुख तो आत्मा में अंतरतम की अंतर्हित शक्ति में है जो आत्मा के तत्वज्ञान होने पर परामानंद स्वरूप ब्रह्मनिष्ठ गुरु के द्वारा प्राप्त होता है!

प्रथम परम्परा सद्गुरु
आचार्य श्री धर्मचन्द्रदेव जी महाराज

सुख इंद्रियों से होता है! इंद्रियों के विषय जब प्राप्त होते हैं तब इंद्रियजन्य सुख प्राप्त होते हैं! इंद्रियों प्रकृति की बनी हुई चमकती वस्तुओं पर आकर्षित होती हैं जो वस्तुएं जड़ और परिणामी हैं! जो पदार्थ बनता है उसका विनाश अवश्य होता है! प्रकृति से बना हुआ जगत् अनित्य है, कारण कि परमाणुओं के योग से ही सृष्टि का निर्माण हुआ है! कारण वाले पदार्थ नाशमान होते हैं! इस प्रकार जगत् का कारण प्रकृति है और प्रकृति के हरेक पदार्थ में सत्व, रज, तम, तीन गुण मिले हुए हैं! ये इंद्रियां इन त्रिगुण भावों में अपने त्रिगुणात्मिकता प्रकृति के विषयों का उपभोग करती हैं! कारण वाले पदार्थ सदैव अनित्य हैं और संसार में ऐसा कोई पदार्थ नहीं जो कारण या सम्बन्ध या व्यवहार किसी-न-किसी कारण भाव से ही प्राप्त होते हैं! इसलिए यह भारतीय दार्शनिक सिद्धांत है कि कारण वाले पदार्थ अनित्य और जड़ होते हैं और बिना कारण के चेतन पदार्थ नित्य होते हैं! *सद्कारणन्नित्यम्* वैशेषिक सूत्र अर्थात् आत्मा और ब्रह्म इसलिए नित्य हैं कि इसका कोई कारण नहीं क्योंकि कारण का कारण नहीं होता, मूलकारण अनादि हुआ करते हैं! अब कहना यह है कि जो पदार्थ कारण से बने ही हैं उनका नाश अवश्य होगा एवं उनका वियोग निश्चय है! ऐसे प्रकृति का कोई पदार्थ नहीं जो कारण से नहीं बने हैं यह सृष्टि ही कारण प्रकृति से बनी है! इसलिए बनी हुई रचनाओं में विनाशी और थोड़े काल तक स्थिर रहने वाले ही सुख प्राप्त होंगे! पृथ्वी आदि पंचभूत सूर्य ऐसे भौतिक पदार्थ भी समय-कालचक्र से विनाश को प्राप्त होंगे, फिर इनसे सम्बन्धित निर्मित वस्तुएं कब स्थिर रहकर सुख देने वाली या शांतिदायी हो सकती हैं? सृष्टि का ही प्रलय है! वहां संसार का सम्बन्ध और सुख ममता की स्थिता कब तक रह सकती है? सारा संसार स्थिर रहने वाला नहीं! सब जड़ अनित्य और परिणामी हैं! भोग दृश्य प्रकृति से बना है सो सब अनित्य है!

संसार में ऐसा कोई पदार्थ नहीं जिसमें ह्रास-विकास न हो! जीवन की बाल, किशोर, युवा, वृद्धावस्था फिर मरणावस्था प्राप्त होती हैं! जब भोग सुख प्राप्त करने वाली देह ही नश्वर है तब उसके सम्बन्ध से होने वाली इंद्रियों के भोग दृश्य सांसारिक सुख कब नित्य हो सकते हैं? जो पदार्थ गतिवाला है वह परिवर्तनशील होता है! गतिशील शरीर, जगत् या प्रकृति स के सारे पदार्थ हैं क्योंकि शरीर-समूह में गति का न होना मृत्यु है और सृष्टि में गति न होना प्रलय है!

इस प्रकार परिवर्तनशील जगत् में सुख की जो प्राप्ति होगी वह एकरस सदा समान रहने वाली नहीं होगी! जिन पदार्थों के योग से जितना ही सुख प्राप्त होगा वे पदार्थ समय-काल-भेद से हमसे अवश्य अलग होंगे फिर उनके वियोगावस्था में मुझे उतना ही दू:ख प्राप्त होगा! इंद्रियों के भोग की प्राप्ति सुख और उनका न मिलना दु:ख है! इस प्रकार संसार के सुख और दु:ख की यह क्षणिक क्रिया जीव को बराबर प्राप्त होती रहती है! अतएव यह संसार सदैव अनित्य है परंतु आत्मा अपने तत्वज्ञान के द्वारा स्थायी, नित्य सुख की इच्छा करता है, जिस सुख का कभी भी वियोग या अभाव नहीं होता! उस चेतन सुख को मैं आनंद कहता हूं, वह आत्मा का आनंद है, आत्मा का भोज्य है! इंद्रियों का भोग सुख है और आत्मा का आनंद है! अब आप इन दोनों में कौन चाहते हैं? सुख या आनंद! मैं पाठकों के ऊपर इंद्रियजन्य सुख और संसार के मायावी सम्बन्धों और व्यवहारों की व्याख्या कर आया हूं! इंद्रियजय सुख मुझे दुखदायी हैं और मैं आत्मा के आनंद का सदैव अभिलाषी हूं! आत्मा इंद्रियों के सुख से भौतिक पदार्थों के संमिश्रत से न कभी सुखी हुआ, न हो सकता है क्योंकि वह चेतन और नित्य है उसे तो स्थिर, चेतन, नित्य सुख चाहिए! संसार में न कोई सुख है, न कोई सुखी! आत्मा अपने अत्वज्ञान से यह जानने लगता है कि यह संसार अनित्य है जड़ और परिणामी विकार वाला है और मैं अप्राकृतिक हूं! मेरा स्वरूप बाहर नहीं है मेरे अंदर है! ये इंद्रियां मुझे भौतिक पदार्थों में सुख के लिए खींचती रहती हैं परंतु सुख खोजने के जो मार्ग हैं वे सही नहीं हैं बल्कि उल्टे हैं! आत्मा को निजज्ञान होने पर संसार के सुख जो वास्तव में दुखप्रद है एवं इंद्रियां जो अन्धकार में ले जाने वाली हैं इसका वास्तविक पूर्णज्ञान हो जाता है और आत्मा अपने विवेक से बाह्यजगत् से उलटकर योगाभ्यास द्वारा अंतर्जगत् में प्रवेश करने लगता है–

आत्मज्ञान जब उदय भय,
सुधि भये आपन देश!
भेद डोरी सद्गुरु दिया, गति
सुषमन प्रवेश!!

आत्मा अपने तत्वज्ञान द्वारा संसार के अनित्य ज्ञान होने पर योगाभ्यास समाधि से परमानंद की प्राप्ति करता है! इंद्रिय सारे देह-संघात से भिन्न इन सबका प्रकाशक, प्रेरक अपने चेतनत्व का भास आत्मा का निर्मल तत्वज्ञान है! प्राकृतिक शरीर का अभिमानी या प्राकृतिक सुखों का प्रलोभी न समझकर अपने को चेतन सुख का इच्छुक, चेतनस्वरूप अपने को समझना, यह आत्मा के तत्वज्ञान होने की पहचान है! आत्मा चेतन, अणु, एकदेशीय है! इंद्रिय द्वारा प्राकृतिक सुख-दु:ख का भोक्ता है और प्रकृति उसकी भोग्य है! सारा देह-समूह प्रकृति का कार्य है परंतु आत्मा इन सबका प्रकाशक,प्रेरक है! घर और घर के सारे पदार्थों से घर का निवासी अलग पदार्थ है! पिंजड़े से पिंजड़े का पक्षी अन्य वस्तु है, वैसे देह और इंद्रिय-मण्डल से अंत:करण कोश या प्राणों से आत्मा भिन्न वस्तु है!

शरीर में अष्टचक्र, नवद्वारा, प्रधान तीन नाड़ियां, मेरुदण्ड, इंद्रिय, प्राण और अंत:करण आदि! ये सब सारा-संघात हैं इस सबसे भिन्न आत्मा है! आत्मज्ञान होने पर योगाभ्यास द्वारा इंद्रियों का बाह्य प्रवाह बंद हो जाता है और सारा देह-सम्बन्ध का ममत्व छूटकर आत्मा स्वत: प्रकाश में प्रकाशित होता है! इंद्रियों के बाह्य प्रवाह में आत्मा का स्थिर नहीं रह सकता, इसलिए सद्गुरु का तत्वज्ञान सदुपदेश द्वारा इंद्रियों का संयम साधकों के लिए आवश्यक है! अध्यात्म-क्षेत्र या संसार में वही आगे बढ़ सकता है जो अपने इंद्रियों या वासनाओं पर अधिकारपूर्ण संयम रख सकता हो! इंद्रियों का संयम करने वाला ही दूसरों के आत्मा पर अपना पूर्ण नियन्त्रण रख सकता है! आत्मा दु:खी क्यों है? इसलिए कि इंद्रियों के प्रवाह में अपने अस्तित्व के आधिपत्य को भूला हुआ है और बह्यसुख को ही अपना सुख मानता या समझता है! आत्मा की दुर्बलता इसी से है कि वह अपनी परख न कर इंद्रियों के विषयों में अपने को लालायित रखता है! अपने ज्ञान के बाद अपनी परख होने पर बाहरी शक्तियों को अपने में केंद्रीत करने पर आत्मा का बल दृढ़ और स्थिर होगा अन्यथा इंद्रियों के प्रवाह में दुर्बलता है और अन्धकार में नीचे को पतन है! आत्मज्ञान का वास्तविक अभिप्राय बाह्यशक्ति को आंतरिक जगत् में प्रवेश कर अपने चेतन-प्रकाश के द्वारा परमानंद का उपभोग करना है! यही आत्मा का वास्तविक सुख और शांति है जो पूर्ण आत्मज्ञान के होने पर ही होती है और इसी को आध्यात्मिक तत्वज्ञान के विशारदों ने आत्मज्ञान कहा है!

आत्मज्ञान का आधार ईश्वर है! वह ईश्वर सारे जगत् या आत्मा का प्रकाशक है! ईश्वर के प्रकाश में ही सच्चे गुरु द्वारा अध्यात्म की सारी क्रियाएं फलीभूत होती हैं! ईश्वर की व्यापकता का ज्ञान आत्मा को अच्छे आचरणों में प्रवेश कराता है और दुर्गुणों से दूर रखता है! जिस आत्मा में ईश्वर का विश्वास है वह बुरे कर्मों में प्रवृत्त नहीं हो सकता! ईश्वर नित्य और सर्वव्यापक पदार्थ है! इसलिए किसी काल में भी ईश्वर से छिपकर मैं बुरा काम नहीं कर सकता! वह मेरे सारे व्यवहारों और आचरणों को देखता है! किसी प्रकार के भी निंदित-कर्म मनुष्य छिपकर ही करते हैं परंतु आत्मा में ईश्वर की व्यापकता का निश्चित ज्ञान होने पर ये सारे दुर्गुण आपे-आप हृदय से दूर होने लगते हैं! सचमुच मैं आस्तिक हूं तो मेरे पास संसार के किसी प्रकार की भी बुराइयों के खटकने का स्थान नहीं मिल सकता! देश में आस्तिक बल का बढ़ाव होना चाहिए! ईश्वर, धर्म दोनों सदाचार और आत्मा को पवित्र आचरण में रखकर जीवन को आध्यात्मिक या किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ाने वाले हैं! भारत धर्म प्रधान और आत्मज्ञानियों का देश है! आत्मा की उन्नति अध्यात्म के द्वारा होती है! इसलिए हम आत्मज्ञान द्वारा शुद्ध आत्मिकबल का प्रादुर्भाव कर नौतिकता को पूर्ण प्रकाश में देश की सारी शक्तियों को संगठित एवं सुदृढ़ बनाकर अपने को पूर्ण कर्मशील बनावें और अध्यात्म-क्षेत्र में आकर अपने आत्मा को पूर्ण बलवान बनाकर कर्त्तव्य-क्षेत्र में आगे बड़े क्योंकि सर्वज्ञान-शिरोमणि आत्मज्ञान के द्वारा ही सर्वसाधारण की आत्मा में आध्यात्मिक जीवन प्रदान कर लौकिक या पारलौकिक सर्व कर्त्तव्य-पथों का निर्भ्रांत ज्ञान देकर उसका सही और उचित निर्देश सर्वाङ्ग परिपूर्ण रूप से चरितार्थ किया जा सकता है! अब आत्मज्ञान की इन पंक्तियों के लिखने के बाद लेख को समाप्त कर रहा हूं!

कर विचार मैं कौन हूं,
ब्रह्म को जगदाधार!
कैसे जग उत्पन्न है,
लीन कौन विधि पार!!
कौन सत्य कर्तव्य है,
दु:ख सुख कैसे होय!
बद्ध मुक्त केहि भांति सो,
ग्रहण करो सत सोय!!

आज महाशिवरात्रि, बड़ा ही रोचक है इसका इतिहास, हिंदू धर्म में है विशेष महत्व

हिंदू धर्म में भगवान शिव को पूजने वाले बहुत से लोग हैं। वैसे तो भगवान शिव की पूजा आराधना और विशेष कृपा पाने के लिए सावन का महीना उत्तम माना जाता है, लेकिन इसके अलावा प्रदोष व्रत सोमवार मासिक शिवरात्रि और महाशिवरात्रि के पर्व का भी विशेष महत्व होता है। पंचांग के अनुसार महाशिवरात्रि का त्योहार फाल्गुन माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। महाशिवरात्रि पर देशभर के सभी ज्योतिर्लिंगों और शिवालयों में शिव भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। यहां पर लोग शिवलिंग का जलाभिषेक विधि विधान से करते हैं। चलिए जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से महाशिवरात्रि क्यों मनाई जाती है और क्या है इसका महत्व। महाशिवरात्रि के पर्व को लेकर हिंदू धर्म ग्रंथों में बहुत सी कहानियां वर्णित की गई हैं। इन्हीं में से एक कहानी है जो बताती है कि महाशिवरात्रि पर भगवान शिव और माता पार्वती का मिलन हुआ था। फाल्गुन चतुर्दशी तिथि पर भगवान शिव ने बैरागी छोड़कर माता पार्वती के संग विवाह करके गृहस्थ जीवन में प्रवेश किया था। इसी वजह से हर वर्ष फाल्गुन चतुर्दशी तिथि को भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह की खुशी में महाशिवरात्रि का त्योहार मनाया जाता है। ऐसा मानते हैं कि इस दिन भगवान शिव की हृदय से पूजा अर्चना करने से तमाम तरह की वैवाहिक जीवन से जुड़ी परेशानियां दूर होती हैं और दांपत्य जीवन में सुख समृद्धि आती है। ऐसा भी मानते हैं कि महाशिवरात्रि के दिन ही सभी द्वादश ज्योतिर्लिंग प्रकट हुए थे। कई लोग 12 ज्योतिर्लिंग के प्रकट होने की खुशी में महाशिवरात्रि का त्योहार मनाते हैं। हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि के पर्व को बेहद पवित्र माना जाता है और इसे धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस दिन भगवान शिव के अनुयाई विशेष पूजा अर्चना करते हैं और उपवास रखते हैं। ये त्योहार मुख्य रूप से भगवान शिव को बिल्वपत्र अर्पित करके मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि शिवरात्रि के त्योहार पर भगवान शिव की पूजा उपासना करने से दुखों को खत्म किया जा सकता है। भगवान शिव को आदि गुरु का दर्जा दिया गया है जो ज्ञान और विवेक के सृजनहार माने जाते हैं। महाशिवरात्रि शब्द 3 शब्दों के समायोजन से बना है। महा का अर्थ है महान, शिव हमारे देवता हैं और रात्रि का अर्थ है रात इन तीनों का शाब्दिक अर्थ निकलता है शिव की महान रात। हिंदू धर्म में मान्यता है कि जब हम अपनी प्रार्थना भगवान शिव को अर्पित करते हैं और बहुमूल्य जीवन देने और सुरक्षा प्रदान करने के लिए हम उनका आभार व्यक्त करते हैं। माघ के महीने में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि मनाई जाती है। इस साल महाशिवरात्रि 18 फरवरी 2023 दिन गुरुवार को मनाई जा रही है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**